

हमने आधुनिक बनकर बिल्डिंगों के जंगल बसाए उन्होंने बचाए पेड़ पानी और प्रकृति

हमने आधुनिक बनकर न जंगल बचाए, परिदों को बसाया। हमने बिल्डिंगों के जंगल बसाए। हमने धरती को कांक्रिट के जंगलों से पाट दिया, उन्होंने बचाए पेड़, पानी और प्रकृति। जिसे हम आधुनिक सभ्यता कहते हैं, उसने ऊंचे टॉवर और प्रदूषित हवा दी है। लेकिन, हमारे आदिवासी आज भी इस धरती के सबसे बड़े और सच्चे 'साइटिस्ट' बनकर खड़े हैं। उनके यहां कोर्ट के कागजों के बिना सिर्फ एक 'कसम' पर जंगल बच जाते हैं और शादी की रस्मों में अग्नि नहीं बल्कि बहता जल साक्षी होता है। विश्व पर्यावरण दिवस पर विकास की अंधी दौड़ के शोर के बीच पढ़िए **मगध व छग की माटी से उपजा वो अनूठा जीवन दर्शन**, जो केवल पर्यावरण को अपनी आत्मा से जोड़कर जीता और मरता है।

महेंद्र विश्वकर्मा ►► जगदलपुर

आदिवासियों के 'अलिखित सामाजिक नियम' हमारे लिए प्रेरणा बन रहे हैं। हम एसी कमरों में बैठकर 'सस्टेनेबिलिटी' की परिभाषाएं गढ़ते रहे और वे पीढ़ियों से जंगलों को देवता मानकर प्रकृति को महकाते रहे। बस्तर का धुरवा आदिवासी समाज इसका सबसे जीवंत उदाहरण है। इस समुदाय के लोग पेड़ों को केवल ऑक्सीजन का जरिया नहीं, बल्कि अपने परिवार और समाज के सुख-दुख का सहभागी मानते हैं। धुरवा जनजाति में मान्यता है कि पेड़ों में निवास करने वाली पुरखों की आत्माएं और देव ही उनके गांवों की रक्षा करते हैं। आज भी किसी मांगलिक कार्य या विवाह के लिए पेड़ की एक छोटी सी टहनी या पत्ता तोड़ने से पहले हाथ जोड़कर प्रकृति से अनुमति ली जाती है। यदि कभी...बहुत जरूरी होने पर महुआ या सेमर जैसे पेड़ों को काटना भी पड़े, तो कुल्हाड़ी चलाने से पहले पेड़ की 7 बार परिक्रमा की जाती है और अनजाने में हुए नुकसान के लिए प्रकृति से बाकायदा क्षमा मांगी जाती है। केवल पेड़ ही नहीं, यह समाज जल को ही जीवन का परम सत्य मानता है।

हम आधुनिक यह सीखें...

प्रकृति को बचाने के लिए बैनर-पोस्टर और बड़े कार्यक्रमों की जरूरत नहीं है। पर्यावरण को बचाने के लिए पेंटिंग कांम्पिटिशन जरूरी नहीं है। नेताओं-अभिनेताओं को बुलाकर भव्य आयोजन आवश्यक नहीं हैं। आवश्यक है पेड़ों से जुड़ाव, उनकी आत्मा को महसूस करना। पानी को पवित्र मानना, जरूरी है पर्यावरण को बचाना, जरूरी है लालच को छोड़ना...यह समझना कि अगर प्रकृति नहीं रही तो हम भी नहीं रहेंगे।

अधिकारी कहते हैं-आदिवासी जन्मजात पर्यावरण संरक्षक

सीसीएफ आलोक कुमार तिवारी, इंद्रवती टाइगर रिजर्व जगदलपुर (वन्यजीवन) के क्षेत्रीय निदेशक, मुख्य वन संरक्षक स्टारगेल मंडावी, डीएफओ उत्तम कुमार एवं नवीन कुमार का कहना है कि आदिवासी पर्यावरण के जन्मजात संरक्षक हैं। उनकी जीवन, उनकी परंपराएं, उनकी आस्था प्रकृति से जुड़ी है।

‘विश्व पर्यावरण दिवस’ आज



बैगा जनजाति : प्रकृति के साथ सामंजस्य का अद्भुत मॉडल

अंकित चौरसिया ►► डिंडौरी

विश्व पर्यावरण दिवस पर जब पूरी दुनिया जलवायु परिवर्तन, जैव विविधता के क्षरण और प्राकृतिक संसाधनों के अंधाधुंध दोहन पर चिंता व्यक्त कर रही है, तब मध्य भारत के वनांचलों में निवास करने वाली बैगा जनजाति हमें प्रकृति के साथ संतुलित जीवन जीने का वास्तविक मार्ग दिखाती है। सदियों से जंगलों के बीच जीवनयापन करने वाली यह आदिम जनजाति पर्यावरण संरक्षण की ऐसी परंपराओं को जीवित रखे हुए है, जिन्हें आज का आधुनिक समाज और वैज्ञानिक समुदाय भी टिकाऊ विकास का आधार मान रहा है।

बैगा जनजाति मुख्य रूप से प्रदेश के डिंडौरी और मंडला जिलों के वन क्षेत्रों में निवास करती है। इन क्षेत्रों में स्थित बैगा चक विशेष रूप से बैगा समुदाय की सांस्कृतिक, सामाजिक और पारंपरिक पहचान का केंद्र माना जाता है। डिंडौरी

जंगल, जमीन और जीवन का संतुलित दर्शन

जिले के समनापुर, बजाग और करंजिया विकासखंडों के अनेक गांव बैगा चक क्षेत्र में शामिल हैं। यह क्षेत्र न केवल बैगा संस्कृति का संरक्षण करता है, बल्कि पर्यावरणीय संतुलन और जैव विविधता संरक्षण का भी महत्वपूर्ण उदाहरण प्रस्तुत करता है।

बैगा समाज का जीवन जंगलों से गहराई से जुड़ा हुआ है। उनके लिए वन केवल आजीविका का साधन नहीं, बल्कि जीवन का अभिन्न अंग हैं। जल, जंगल और जमीन के प्रति उनका दृष्टिकोण स्वामित्व का नहीं बल्कि संरक्षण और सह-अस्तित्व का है। यही कारण है कि बैगा समुदाय के पारंपरिक निवास क्षेत्रों में आज भी प्राकृतिक संसाधनों का अपेक्षाकृत बेहतर संरक्षण देखने को मिलता है। बैगा जनजाति की पारंपरिक कृषि प्रणाली विशेष रूप

से उल्लेखनीय है। वे लंबे समय तक 'बेवर खेती' या स्थानांतरित कृषि पद्धति अपनाते रहे हैं। इस पद्धति में सीमित क्षेत्र में खेती कर भूमि को कुछ वर्षों के लिए विश्राम दिया जाता है, जिससे उसकी प्राकृतिक उर्वरता बनी रहती है। आधुनिक कृषि विज्ञान आज जिस मुद्दा संरक्षण और टिकाऊ खेती की बात करता है, उसकी झलक बैगाओं की परंपरागत कृषि प्रणाली में स्पष्ट रूप से दिखाई देती है।

बैगा किसान मिश्रित खेती को महत्व देते हैं। वे कोदो, कुटकी, सांवा, मक्का, ज्वार, तिल और विभिन्न दलहनी फसलों का उत्पादन करते हैं। मोटे अनाजों पर आधारित यह कृषि पद्धति कम पानी में भी सफल होती है तथा जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों का सामना करने में सक्षम है।

मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

पर्यावरण के प्राचीन प्रहरी, जन्म से मृत्यु तक पेड़ साक्षी और साथी

देवताओं के नाम पर वृक्ष जल को साक्षी मानकर ब्याह



पत्तों की हरकतों से मानसून का सटीक अनुमान

इस अभी तक यह तय नहीं कर पाए हैं कि इस बार मानसून कैसा होगा? आधुनिक मौसम विज्ञान करोड़ों के सेंटेलाइट्स के बाद भी कई बार फेल हो जाता है, वहीं धुरवा समाज के बुजुर्ग सरणी के पेड़ों के पत्तों के रंग, उनके गिरने के पैटर्न और स्थानीय पक्षियों की हरकतों को देखकर मानसून और बारिश का एकदम सटीक अनुमान लगा लेते हैं। यह सदियों पुराना वो पारंपरिक विज्ञान है जो आज भी खेती-किसानी का आधार बना हुआ है।

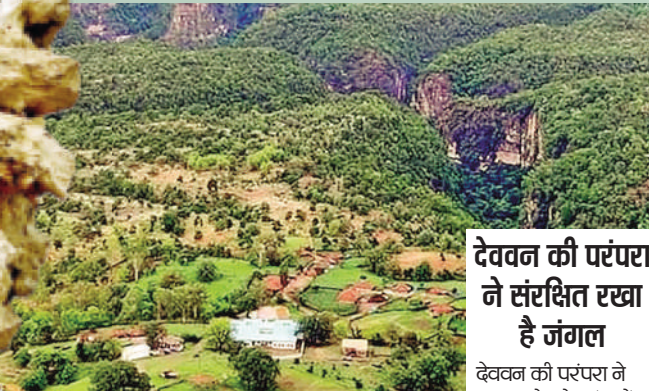


जल को साक्षी मानकर रचाए जा रहे विवाह

महुआ और सेमर की पूजा

धुरवा समाज के संभागीय महासचिव डॉ. गंगाराम कश्यप धुर बताते हैं कि समाज में महुआ, सेमर, बांस और सरगी (साल) के वृक्षों का विशेष धार्मिक महत्त्व है। विवाह जैसे शुभ कार्यों की शुरुआत में ग्रामीण, माटी पुजारी के साथ जंगल जाते हैं। महुआ और सेमर के पौधों के पास महुआ शराब की बूढ़े (तर्पण के रूप में) अर्पित की जाती है। इसके बाद पौधे की 7 परिक्रमा करके पवित्र टहनी काटने की विनती की जाती है।

पातालकोट का देववन विज्ञान...जहां पुरखों की आत्माएं करती हैं जंगलों की पहरेदारी



देववन की परंपरा ने संरक्षित रखा है जंगल

देववन की परंपरा ने पातालकोट के जंगलों को संरक्षित रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। भारिया जनजाति का यह पारंपरिक ज्ञान केवल धार्मिक विश्वास तक सीमित नहीं है, बल्कि मानव के सह-अस्तित्व की एक शक्तिशाली अवधारणा को भी दर्शाता है। पातालकोट के देववन आज भी इस बात के जीवंत प्रमाण हैं कि जब जंगलों को केवल संसाधन नहीं, बल्कि संस्कृति, आस्था और पूर्वजों की धरोहर के रूप में देखा जाता है, तब उनका संरक्षण स्वतः सुनिश्चित हो जाता है।

मनीष बागड़ी ►► छिंदवाड़ा

पातालकोट क्षेत्र में निवासरत भारिया जनजाति सदियों से प्रकृति संरक्षण की ऐसी परंपरा का पालन कर रही है, जो आधुनिक पर्यावरण प्रबंधन के लिए भी एक अनुकरणीय उदाहरण मानी जा सकती है। घने जंगलों, दुर्लभ औषधीय वनस्पतियों और समृद्ध जैव विविधता के लिए प्रसिद्ध पातालकोट में आज भी अनेक वन क्षेत्र स्थानीय समुदाय द्वारा देववन अथवा देवस्थान के रूप में संरक्षित किए जाते हैं। भारिया जनजाति की मान्यता है कि गांव की सीमा पर स्थित कुछ प्राचीन वृक्ष और वन उनके पूर्वजों तथा ग्राम देवताओं का निवास स्थल हैं। इन स्थानों पर प्रायः साज, महुआ, बरगद, पीपल और अन्य विशालकाय वृक्ष पाए जाते हैं, जिन्हें विशेष धार्मिक और सांस्कृतिक महत्व प्राप्त है। समुदाय के लोग इन वृक्षों को अपने पुरखों का प्रतीक मानते हैं तथा इनके संरक्षण को सामाजिक और धार्मिक दायित्व समझते हैं।

ऐसी सीख

पातालकोट की भारिया जनजाति का यह पारंपरिक ज्ञान मानव और प्रकृति के सह-अस्तित्व का एक शक्तिशाली वैज्ञानिक दस्तावेज है। पर्यावरण दिवस पर पातालकोट का यह अंचल कांक्रिट के जंगलों में रहने वाले आधुनिक इंसानों को यह बड़ी सीख देता है कि पर्यावरण की रक्षा केवल पौधे लगाने या भाषण देने की रस्म नहीं है। यह प्रकृति के प्रति जिम्मेदारी, सम्मान और एक ऐसा भावनात्मक जुड़ाव है जिसे साल के 365 दिन जीना पड़ता है।

बुंदेलखंड में गांवों के बाहरी हिस्से को कहते हैं गेवड़ा गेवड़े की खेरमाई और चरनोई भूमि पर संरक्षित रहते हैं वृक्ष

अनुरोध पटेरिया ►► जबलपुर

बुंदेलखंड के अधिकांश गांवों के बाहरी हिस्से को स्थानीय भाषा में गेवड़ा कहा जाता है। यहां ग्राम देवी अथवा खेरमाई माता के मंदिर स्थापित किए जाते हैं। इन स्थलों के आसपास सघन वृक्ष समूह विकसित हो जाते हैं। देवी पूजन में प्रयुक्त होने वाले लोहे के भाले, सांग और अन्य धार्मिक प्रतीक इन्हीं वृक्षों के बीच रखे जाते हैं। ग्रामीण मान्यता है कि इन वृक्षों की कटाई या अनावश्यक छंटाई करने पर देवी अप्रसन्न हो सकती हैं, जिससे गांव में सुखा, बीमारी या अन्य प्राकृतिक विपत्तियां आ सकती हैं। यही कारण है कि इन क्षेत्रों के वृक्ष वर्षों तक सुरक्षित बने रहते हैं।

इसी प्रकार प्रत्येक गांव में चरनोई भूमि आरक्षित रखी जाती है। यह भूमि केवल पशुओं के चरने के लिए निर्धारित होती है। यहां कृषि, निर्माण अथवा किसी भी प्रकार की व्यावसायिक गतिविधि सामाजिक रूप से प्रतिबंधित मानी जाती है। भूमि स्वामी भी इस पर अपना व्यक्तिगत अधिकार नहीं जताते और इसे सामुदायिक उपयोग के लिए सुरक्षित रखते हैं। परिणामस्वरूप इन क्षेत्रों में प्राकृतिक वनस्पतियां और वृक्ष संरक्षित रहते हैं तथा पशुधन के लिए चारे की उपलब्धता बनी रहती है।

बुंदेली संस्कृति में धार्मिक अनुष्ठानों के माध्यम से भी वृक्षों के प्रति सम्मान की भावना विकसित की गई है। पूजन में आम, पान, केला तथा अन्य पौधों के पत्तों का उपयोग किया जाता है। हवन और धार्मिक अनुष्ठानों में आम की लकड़ी सहित विभिन्न पवित्र वृक्षों की सामग्री प्रयुक्त होती है। इससे लोगों में वृक्षों के संरक्षण और संवर्धन की भावना मजबूत होती है।



खबर संक्षेप

देश की पहली प्लेक्स फ्यूल कार लॉन्च हुई

नई दिल्ली। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने इंडिया गैस प्लेक्स इवेंट में भारत सुजुकी की देश की पहली प्लेक्स-फ्यूल कार को लॉन्च किया है। पर्यावरण संरक्षण की दिशा में बड़ा कदम माना जा रहा है। यह कार सामान्य पेट्रोल के अलावा 85% एथेनॉल और 15% पेट्रोल पर भी चल सकती है। एथेनॉल के इस्तेमाल के लिए कार के इंजन, फ्यूल सिस्टम और इलेक्ट्रॉनिक्स को खास तौर पर अपग्रेड किया गया है।



कबाड़ से जुगाड़: टायर और लकड़ी की रंगीन कुर्सियाँ

इस अनोखी पाठशाला में बच्चों के बैठने के लिए पारंपरिक बेंच नहीं हैं। शिक्षक सतीश त्यागी के मार्गदर्शन में 'कबाड़ से जुगाड़' तकनीक का उपयोग करते हुए पुराने टायरों, बेकार लकड़ी और बांस से आकर्षक कुर्सियाँ बनाई गई हैं। इन रा-बिरंगी कुर्सियों पर बैठकर बच्चे बड़े उत्साह से पढ़ाई करते हैं।

बगिया का एक कोना पूरी तरह बेजुबान पक्षियों के लिए समर्पित है। यहाँ मिट्टी के सकोरों में दाना-पानी रखा जाता है और पक्षियों के

» शेष पेज 4 पर

उपहार में दिए जाते हैं पौधे

शिक्षक सतीश त्यागी ने 'हरिभूमि' को बताया कि इस बगियाचा का मुख्य उद्देश्य बच्चों को किताबी ज्ञान के साथ-साथ प्रकृति से व्यावहारिक रूप से जोड़ना है। यहां एक नर्सरी भी विकसित की गई है, जहां बच्चे स्वयं पौधे तैयार करते हैं। विशेष बात यह है कि स्कूल में आने वाले अतिथियों या अभिभावकों को जन्मदिन और अन्य शुभ अवसरों पर बच्चों द्वारा तैयार किए गए ये पौधे ही उपहार स्वरूप भेंट किए जाते हैं।

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

सरकार 2029 के लोकसभा चुनाव से पहले परिसीमन विधेयक को लागू करने की योजना पर काम कर रही है। इसके लिए एकमेक और टीएमसी जैसे क्षेत्रीय दलों के बीच बातचीत कर आम सहमति बनाने का प्रयास किया जा रहा है, जिसमें एक देश, एक चुनाव का मुद्दा भी शामिल है। सरकार लक्ष्य साल 2029 के लोकसभा चुनाव तक प्रदेश में संसदीय शक्ति के पुर्नगठन प्रक्रिया को पूरा करना है। इस बेहद जटिल प्रक्रिया में सरकार किसी भी प्रकार से बचन सहमत है। यही वजह है कि पदों के चुने आम सहमति बनाने का दौर शुरू हो चुका है।

सरकारी सूत्रों के अनुसार, केंद्र ने कई क्षेत्रीय राजनीतिक दलों के साथ पंचांगीक बातचीत शुरू कर दी है। इन बातचीत में द्रविड़ मुनेत्र कडगम (टीएमके), तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) और अन्य क्षेत्रीय हितधारक शामिल हैं।

पूरी कवायद का मुख्य उद्देश्य संसदीय प्रक्रिया को पुनर्गठित कर पड़ने वाले प्रभाव को कम कर क्षेत्रीय दलों की चिंताओं को दूर करना है। केंद्र सरकार के इस फैसले से लोगों में पहली बार संसदीय निर्वाचन के बारे में बढ़ते पुरान निर्धारण का मार्ग प्रशस्त हो सकता है और उस बहस को शुरू **→ श्रेष्ठ पेज 4 पर**

संसदीय क्षेत्रों का बड़े पैमाने पर पुनर्निर्धारण संभव

—▶ सभी प्रमुख दलों के बीच एक साझा ढांचा बनेगा

परिसीमन का सीधा मतलब जनसांख्यिकीय बदलावों के आधार पर लोकसभा और विधानसभा क्षेत्रों की सीमाओं को दोबारा तय करना है। बीते कुछ वर्षों में कई राज्यों ने इस बात पर चिंता जताई है कि नई व्यवस्था से संसद में उनका प्रतिनिधित्व बदल सकता है। अधिकारियों का कहना है कि जब तक सभी प्रमुख दलों के बीच एक साझा ढांचा तैयार नहीं हो जाता, तब तक इसे संसद में पेश नहीं किया जाएगा। विधेयक को पेश करने का समय पूरी तरह से जारी बाधातय के नतीजों पर निर्भर करेगा।

आम सहमति पर आधारित दृष्टिकोण

सरकार का मानना है कि परिसीमन को राजनीतिक रूप से विभाजनकारी मुद्दा बनने से बचाने के लिए आम सहमति पर आधारित दृष्टिकोण महत्वपूर्ण होगा, इसलिए चर्चाएं निष्पक्ष प्रतिनिधित्व के सिद्धांत को बनाए रखते हुए चिंताओं को दूर करने पर केंद्रित हों।

आम सहमति पर आधारित दृष्टिकोण

सरकार का मानना है कि परिसीमन को राजनीतिक रूप से विभाजनकारी मुद्दा बनने से बचाने के लिए आम सहमति पर आधारित दृष्टिकोण महत्वपूर्ण होगा, इसलिए चर्चाएं नियम्न प्रतिनिधित्व के सिद्धांतों को बनाए रखते हुए चिंताओं को दूर करने पर केंद्रित हैं।

केन्द्र सरकार की क्षेत्रीय दलों के साथ हुई अब तक की बातचीत सकारात्मक रही है। सरकार कानून को आगे बढ़ा रही है, लेकिन हमें यह सुनिश्चित करने से पहले एक व्यापक रूप से सुनने को अंतिम रूप देने के लिए उत्सुक है। एक बार परामर्श हो जाये तो और व्यापक सहमति बन जाने के बाद, केंद्र द्वारा विधेयक पर अगला कदम उठाने की उम्मीद है। यूपीए सरकार के अगामी लोचसभा चुनाव 2029 से पहले सबसे महत्वपूर्ण राजनीतिक अजेंडा सार्वभौमिक अभ्यासों में से एक बनने की संभावना है, जिसका संसदीय प्रतिनिधित्व संसदीय संतुलन और देश के भविष्य के चुनावी मांचित्र पर प्रभाव डेगा।

रात करीब 3 बजे आईसीयू धधक उठा
मुजफ्फरपुर के निजी
अस्पताल में आग, 5 की
मौत, 20 झुलस गए

एजेंसी ► मुजाफ्फरपुर

बिहार के मुजाफ्फरपुर में एक प्राइवेट अस्पताल के आईसीयू में आग लगने से 5 लोगों की मौत हो गई। वहीं, 20 से ज्यादा लोग झुलस गए। हादसे का बुधवार रात करीब 3 बजे हुआ। आग शुरु शक्ति से लगी। इसके बाद आईसीयू में लगे एसी में ब्लास्ट हुआ। इसकी वजह से आग तेजी से फैलती सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड अस्पताल पहुंची और आग पर काबू पाया। लोगों ने मौके से स्टाफ के गायब होने का आरोप लगाया। परिजन अपने मरीजों को दौड़ कर बाहर ले जाते दिखाई। आईसीयू बाइ 5वीं फ्लोर ► शेष पेज 4 प

मरीजों को खिड़कियां और दरवाजे तोड़कर निकाला

दमकलकर्मियों ने आईसीयू और अस्पताल के दूसरे वाडों में फंसे मरीजों को खिड़कियां और दरवाजे तोड़कर बाहर निकाला। मृतकों की पहचान कर ली गई है। इसमें गीता देवी, चंचला वर्मा, 57 साल के उदय कुमार, 30 साल के शशिका कुमार और

▶▶ शोष पेज 4 पर

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने नीट परीक्षा निरस्त होने से आहत होकर आत्महत्या करने वाली मऊगंज की छात्रा आकांक्षा चतुर्वेदी के माता-पिता से फोन पर बात की। राहुल गांधी ने पीड़ित परिवार को सांत्वना देते हुए ढांडस

मोबाइल पर बात करते परिजन

$\frac{1}{\sqrt{2}} \begin{pmatrix} 1 & i \\ 0 & 1 \end{pmatrix}$

के ग्रामीण क्षेत्रों में पेयजल संकट गहराता जा रहा है। पीएचई विभाग की लापरवाही और अधूरी पड़ी नलजल योजनाओं का खामियाजा ग्रामीणों को भुगतना पड़ रहा है। ग्राम पंचायत मरखेड़ा गुलाब के अंतर्गत आने वाले टेकापार कला और

दूर-दराज से पानी लाते ग्रामीण
बरखेड़ी गांव इन दिनों गंभीर
जलसंकट से जूझ रहे हैं। ग्रामीणों
का कहना है कि गांव में 128 घरों
तक पाइपलाइन और नल कनेक्शन
तो पहुंचा **▶▶ शेष पेज 4 पर**

एजेन्सी ▶▶ पुणे

पुणे की एक महिला ने विप्रो टेक्नोलॉजीज कंपनी पर धार्मिक उत्पीड़न, कार्यस्थल पर भेदभाव और जबर्न इस्तीफा दिलाने के आरोप लगाए हैं। महिला पहले इस कंपनी में काम करती थी। ये काम करने वाले सभी पुणे में हिंदू जनजागृति समिति द्वारा आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान लगाए गए

इस दौरान पूर्व कर्मचारी ने उन घटनाओं के बारे में बताया, जो उसके साथ उस समय हुई थीं जब वह हिंजवडी ऑफिस में काम करती थी। इसके बाद पुणे के हिंजवडी पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज करवाई गई है। पूर्व कर्मचारी के वकील ने बताया कि कंपनी को कानूनी नोटिस भी भेजा गया है।

उन्होंने 50 लाख रुपए मुआवजे की मांग की है। पीडित महिला ने कहा- अगस्त 2025 में कंपनी की एक टीम मीटिंग में बुलाया गया था। इस दौरान मुझ पर इस्तीफा देने का दबाव बनाया गया। मुझे अपना पक्ष रखने का मौका नहीं दिया गया और इस्तीफा ▶▶ **शेष पेज 4 पर**

फाइल फोटो

मिला, जिसेके लिए इसे स्वर्णिम बुक ऑफ रिकॉर्ड्स द्वारा विश्व रिकॉर्ड का प्रमाण-पत्र प्रदान किया गया है। इस अभियान के तहत बड़वानी नगर के गौभवतों ने 27 अप्रैल 2026 को गोमाता को राष्ट्रीय पशु घोषित करने की मांग को लेकर एक हस्ताक्षरयुक्त ज्ञापन स्थानीय कलेक्टर कार्यालय में तहसीलदार के शेष पेज 4 पर

उच्च शिक्षित होकर छोटी नौकरी हथियाने वालों को लेकर सुप्रीम कोर्ट सख्त कहा- डिग्री छिपाकर निम्न श्रेणी की नौकरी हासिल करना अमान्य

सरकार का
कुछ पदों को
कम पढ़े-
लिखे लोगों
के लिए
सुरक्षित
रखना पूरी
तरह सही

एग्जेंसी ►► नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को कहा कि कम शैक्षणिक योग्यता के लिए आरक्षित नौकरी के लिए अपनी शिक्षा छिपाना पद के असली हकदार से रोजगार छीनना है। इसलिए उच्च योग्यता छिपाकर ली गई नौकरी कानूनन अमान्य होगी। जस्टिस अहसानुद्दीन अमानुल्लाह और

जस्टिस आर. महादेवन की बेंच ने मद्रास हाई कोर्ट के 2025 के उस आदेश को रद्द कर दिया, जिसमें कोर्ट ने सिडिकेट बैंक के अटेंडेंट की नौकरी पाने के लिए ग्रेजुएशन की डिग्री छिपाने वाले एक व्यक्ति के पक्ष में फैसला सुनाया था। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि कम पढ़े-लिखे लोग कम योग्यता वाली

नौकरियों में ज्यादा पढ़े-लिखे लोगों का मुकाबला नहीं कर सकते हैं। ऐसे में सरकार का कुछ पदों को कम पढ़े-लिखे लोगों के लिए सुरक्षित रखना पूरी तरह सही है। कोर्ट ने 2025 के एक पुराने फैसले का हवाला देते हुए कहा कि सार्वजनिक रोजगार नियमों योग्य उम्मीदवारों को तब निर्णय के तहत ही मिलना चाहिए। सिर्फ इसलिए कि कोई उम्मीदवार तब सीमा से अधिक पढ़ा-लिखे है, उसे उस कम योग्यता वाले पद पर नियुक्ति का कोई स्वतः अधिकार नहीं मिल जाता।

ओवर क्वालिफिकेशन पर कोर्ट ने दिया तर्क
यह देखते हुए कि किसी एम्प्लॉयर को सही जगह पर सही लोगों को रखने की जरूरत का मतलब हमेशा ज्यादा क्वालिफाइड लोग ही नहीं होता, जस्टिस अहसानुद्दीन अमनुल्लाह और जस्टिस आर महादेवन की बेंच ने कहा कि सरकार को उस फैसले में कुछ भी गलत नहीं **► शोष पेज 4 पर**

कलेक्टर ने 2022 में पुरस्कार देकर किया था सम्मानित



5 साल पहले हुई थी गांव को पॉलीथिन मुक्त गांव बनाने की शुरुआत

गांव के विजय विश्वकर्मा ने बताया कि गांव को पॉलीथिन मुक्त गांव बनाने के अभियान की शुरुआत वर्ष 2021 से शुरू की गई। इस दौरान सभी जगह कोविड की बीमारी फैली हुई थी। सभी जगह पर लोक डाउन लगा हुआ था। तब हम सभी दोस्तों ने गांव में भ्रमण करते हुए देखा कि गांव में बहुत ज्यादा पॉलीथिन फैल रही है। शहरों से पॉलीथिन हमारे गांवों में आ रही है। हमारे गांव के सभी लोगों को जागरूक नहीं किया गया तो शहरों की तरह गांव के हालात भी वैसे ही हो जाएंगे। इस बात को ध्यान में रखते हुए हम सभी दोस्तों ने मिलकर 2021 से गांव में 'नो पॉलीथिन' कैम्पेन चलावा शुरू किया। गांव में बिखरी पॉलीथिन को इकट्ठा करते हुए लोगों को जागरूक किया गया ताकि पॉलीथिन पर्यावरण को नुकसान ना पहुंचाएं। यदि पॉलीथिन खेलों में पहुंच गया तो हमारे यहां फसल होना ही बंद हो जाएगा।

विश्व पर्यावरण दिवस

गांव की सरपंच ने अब गांव में कचरा जमा करने के लिए डस्टबिन रखवाए जाने का आश्वासन दिया है। साथ ही आज भी इस जंगल से उन्हें जड़ी-बूटी व जीवन जीने के लिए कई प्रकार के वनोपज प्राप्त होते हैं, इसलिए भी उनकी रक्षा के लिए प्रतिबद्ध नजर आते हैं।

युवाओं और बच्चों के प्रयासों से पॉलीथिन मुक्त हुआ बैतूल का हांडीपानी

संजय द्विवेदी ►► बैतूल

बैतूल जिले के शाहपुर जनपद का हांडीपानी गांव यूं तो आम गांव की तरह ही नजर आता है, लेकिन पिछले कुछ सालों से ये गांव अब पॉलीथिन मुक्त गांव की श्रेणी में शुमार हो चुका है। यही नहीं, इस गांव को पॉलीथिन मुक्त गांव के साथ ही कचरा प्रबंधन को लेकर पुरस्कार भी मिल चुके है। यह सब गांव के युवाओं-बच्चों और महिलाओं की बदौलत हो सका है। 250 से अधिक घरों वाले शाहपुर जनपद क्षेत्र के इस हांडीपानी गांव को प्लास्टिक मुक्त गांव बनाने और कचरा प्रबंधन की उचित व्यवस्था करने वाले युवा बच्चों की इस संस्था को कलेक्टर ने वर्ष 2022 में पुरस्कार देकर सम्मानित किया था। गांव के इस स्वच्छता अभियान में गीता, शैलू, रीनू विश्वकर्मा, गुलाब, विजय विश्वकर्मा, सगन, संदीप चौहान, रिशु, अंकुर, निशांत, नवीन, आदिल, सीमा आदि युवा और बच्चे शामिल हैं।



गांव के युवाओं ने पॉलीथिन मुक्ति के साथ कचरा प्रबंधन की व्यवस्था भी की



बिना खर्च के कचरा निष्पादन की व्यवस्था

गांव को पॉलीथिन मुक्त बनाने के साथ ही बिना खर्च के कचरा निष्पादन की व्यवस्था की गई। विजय विश्वकर्मा ने बताया कि ग्राम पंचायत में कचरा प्रबंधन का कोई खास बजट नहीं होने पर ग्रामीणों ने बिना लागत के कचरा बोरेयों में एकत्रित करने की व्यवस्था बनाई। इससे सड़कों पर कचरा नहीं फैलता और सड़के और गांव की गलियां साफ-सुथरी रहने लगी। इस कार्य में पंचायत की तरफ से भी उन्हें सहयोग मिला। गांव की सरपंच ने अब गांव में कचरा जमा करने के लिए डस्टबिन रखवाए जाने का आश्वासन दिया है। साथ ही आज भी इस जंगल से उन्हें जड़ी-बूटी व जीवन जीने के लिए कई प्रकार के वनोपज प्राप्त होते हैं, इसलिए भी उनकी रक्षा के लिए प्रतिबद्ध नजर आते हैं।

जनभागीदारी से संवर रही प्रकृति, जल संरक्षण से सुरक्षित हो रहा भविष्य

तालाब पुनर्जीवन, ऑक्सीजन वाटिका और खेत-तालाबों ने दिखाई हरित विकास की राह



रूबी सरकार ►► गोपाल

विश्व पर्यावरण दिवस हमें यह याद दिलाता है कि पृथ्वी और प्राकृतिक संसाधनों की सुरक्षा केवल एक दिन का संकल्प नहीं, बल्कि सतत जिम्मेदारी है। बढ़ते जल संकट, जलवायु परिवर्तन, घटते भू-जल स्तर और पर्यावरणीय चुनौतियों के बीच मध्य प्रदेश के बुंदेलखंड क्षेत्र से ऐसी प्रेरणादायक पहले सामने आई हैं, जिन्होंने सामुदायिक सहभागिता के बल पर पर्यावरण संरक्षण को नई दिशा दी है।

छतरपुर, निवाड़ी, कटनी और दमोह जिलों में ग्रामीणों, किसानों, महिलाओं और सामाजिक संस्थाओं ने मिलकर जल स्रोतों के पुनर्जीवन, वर्षा जल संचयन और हरित आवरण बढ़ाने की दिशा में उल्लेखनीय कार्य किए हैं। कहीं सूखते तालाबों को नया जीवन मिला है, कहीं ऑक्सीजन वाटिकाओं ने हरियाली का नया संसार रचा है, तो कहीं खेत-तालाबों और कुओं के पुनर्भरण ने जल संरक्षण को आजीविका और समृद्धि से जोड़ दिया है। इन प्रयासों ने साबित किया है कि पर्यावरण संरक्षण केवल नीतियों और योजनाओं से नहीं, बल्कि जनभागीदारी, सामूहिक संकल्प और स्थानीय नेतृत्व से संभव होता है। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर प्रस्तुत ये कहानियां बताती हैं कि जब समाज प्रकृति के साथ अपने रिश्ते को समझता है और उसके संरक्षण का दायित्व स्वयं उठाता है, तब जल, जमीन और जीवन-तीनों का भविष्य सुरक्षित हो सकता है।

किसानों को मिलेगा सिंचाई और आजीविका का स्थायी आधार

छतरपुर जिले का विकास खंड बड़ामलहरा क्षेत्र से लगभग 3 किलोमीटर दूर स्थित गढ़कुआ तालाब आज जनभागीदारी के बल पर पुनर्जीवन की नई कहानी लिख रहा है। परमार्थ समाज सेवा संस्थान के मार्गदर्शन एवं स्थानीय समुदाय के सहयोग से तालाब के संरक्षण, संवर्धन और पुनर्जीवन का कार्य किया जा रहा है, जिसमें ग्रामीणों और जल सहेलियों की सक्रिय सहभागिता देखने को मिल रही है।

गढ़कुआ तालाब लंबे समय से क्षेत्र के किसानों, पशुपालकों और ग्रामीण परिवारों के लिए जल का प्रमुख स्रोत रहा है। समय के साथ तालाब के बांध के एक हिस्से में पानी का रिसाव होने लगा था, जिससे इसकी जल संचयन क्षमता प्रभावित हो रही थी। साथ ही तालाब का गेट एवं आउटलेट भी क्षतिग्रस्त हो गया था। इन समस्याओं के कारण तालाब से मिलने वाले लाभ में कमी आ रही थी।

समस्या को समझते हुए ग्रामीणों ने बैठकें आयोजित की और सामूहिक प्रयासों के माध्यम से तालाब के पुनर्जीवन का निर्णय लिया। इसके बाद ग्रामीणों, किसानों और जल सहेलियों ने मिलकर तालाब के संरक्षण कार्यों में भागीदारी शुरू की। वर्तमान में तालाब के गेट एवं आउटलेट का पुनर्निर्माण किया जा रहा है तथा रिसाव वाले हिस्से को मजबूत बनाकर उसकी जलधारण क्षमता बढ़ाने का कार्य किया जा रहा है।

इस अभियान में माया असादी, विवेकी राजपूत, द्रौपदी राजपूत, संध्या एवं ममता सहित अन्य ग्रामीण महिलाओं ने भी बड़-चढ़कर हिस्सा लिया। स्थानीय समुदाय साथ मिलकर श्रमदान किया और लोगों को जल स्रोतों के संरक्षण के महत्व के प्रति जागरूक किया। महिलाओं की इस भागीदारी ने गांव में जल संरक्षण के प्रति सकारात्मक माहौल तैयार किया है।

गांव के भविष्य को सुरक्षित करने का प्रयास

द्रौपदी राजपूत का कहना है कि यह केवल एक तालाब के जीर्णोद्धार का कार्य नहीं, बल्कि गांव के भविष्य को सुरक्षित करने का प्रयास है। तालाब में पर्याप्त जल संचयन होने से किसानों को सिंचाई के लिए पानी उपलब्ध होगा, मत्स्य पालन जैसी आजीविका गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा तथा भूजल स्तर में सुधार होगा। जब जनसहयोग और सामुदायिक श्रमदान से समाज स्वयं अपने प्राकृतिक संसाधनों की जिम्मेदारी उठाता है, तब स्थायी और सकारात्मक परिवर्तन संभव हो पाता है। स्थानीय लोगों को विश्वास है कि यह तालाब आने वाले वर्षों में क्षेत्र की जल सुरक्षा और ग्रामीण विकास का मजबूत आधार बनेगा।



वर्दी के साथ हरियाली का संकल्प...हम हरापन नहीं टूटने देंगे

एसपी ने उजाड़ मैदान को बनाया 12 हजार पौधों का हरा-भरा वन

इन पौधों ने बदली पुलिस लाइन की पहचान



पुलिस अधीक्षक मनोहर सिंह मंडलोई और उनकी टीम द्वारा पुलिस लाइन परिसर में कदम्व, पोपल, बरगद, नीम, आम, आंवला और अमरुद सहित करीब 12 हजार पौधे लगाए गए। नियमित देखभाल और संरक्षण के कारण अधिकांश पौधे आज भी सुरक्षित हैं और तेजी से वृक्ष का रूप ले रहे हैं। कभी बंजर दिखने वाला मैदान अब हरियाली से आच्छादित हो चुका है। पौधों को बचाने के लिए पुलिस विभाग ने अनूठा प्रयोग किया। कॉलोनी के निस्तारण जल को छोटे-छोटे गड्ढों और प्राकृतिक फिल्टर प्रणाली के माध्यम से उपचारित कर सिंचाई योग्य बनाया गया। इस पानी को मोटर के जरिए पौधों तक पहुंचाया गया, जिससे गर्मी में भी पौधों को पर्याप्त नमी मिलती रही और पानी की बर्बादी रुकी।



हर वीआईपी पहुंचता है पुलिस लाइन की हरियाली देखने

मुख्यमंत्री, प्रमारी मंत्री, मुख्य न्यायाधीश, आईजी, डीआईजी सहित जिले के दौरे पर आने वाले लगभग सभी प्रमुख अतिथि पुलिस लाइन परिसर का भ्रमण कर चुके हैं। हजारों पौधों से विकसित हो रही हरियाली को देखकर सभी ने उनकी टीम के प्रयासों की प्रशंसा की है। पृथ्वी पर रहने वाले सभी जीवों के जीवन का किसी न किसी रूप में सहारा एक पेड़ होता है। केवल पौधे लगाना ही नहीं, उन्हें संरक्षित करना भी हमारी जिम्मेदारी है। मनोहर सिंह मंडलोई, पुलिस अधीक्षक, टीकमगढ़

भृगुर्मीय जल संरक्षण का बना मॉडल

जल पुनर्चक्रण के साथ-साथ पानी को जमीन में रिसाव की व्यवस्था भी की गई। इससे लाखों लीटर पानी भृगुर्म में पहुंचा और जल स्तर बढ़ाने में मदद मिली। बारिश के पानी को संरक्षित करने के लिए भी विशेष प्रयास किए जा रहे हैं। यह पूरा मॉडल जल संरक्षण की दृष्टि से भी अनुकरणीय माना जा रहा है। रक्षित निरीक्षक कैलाश पटेल के अनुसार एसपी मनोहर सिंह मंडलोई ने पूर्व पदस्थापना के दौरान ग्वालियर और छतरपुर में भी बड़े पैमाने पर पौधोरोपण कराया था। वहां लगाए गए पौधे आज विशाल वृक्ष बन चुके हैं। उन्होंने सफल अनुभवों को टीकमगढ़ में लाव कर पुलिस लाइन परिसर को हरियाली से भर दिया गया।

बिना सरकारी फंड के हजारों पौधों का संरक्षण, भृगुर्मीय जल संवर्धन और जल पुनर्चक्रण का अनूठा मॉडल बना टीकमगढ़ पुलिस लाइन

राजेश मिश्रा ►► टीकमगढ़

विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर जब विभिन्न संस्थाएं पौधारोपण कार्यक्रमों की तैयारियों में जुटी हैं, तब टीकमगढ़ पुलिस लाइन का हरित परिसर इस बात का जीवंत उदाहरण प्रस्तुत कर रहा है कि केवल पौधे लगाना ही पर्याप्त नहीं, बल्कि उन्हें संरक्षित कर वृक्ष बनाना ही वास्तविक पर्यावरण सेवा है। जिला पुलिस अधीक्षक मनोहर सिंह मंडलोई के नेतृत्व में पिछले दो वर्षों में पुलिस लाइन परिसर में जो हरित क्रांति हुई है, वह जिले ही नहीं बल्कि प्रदेशभर में चर्चा का विषय बनी हुई है। एक समय पुलिस लाइन का विशाल मैदान सूना और बंजर दिखाई देता था, लेकिन आज वही क्षेत्र हजारों पौधों और हरियाली से आच्छादित नजर आता है। इस परिवर्तन के पीछे पुलिस अधीक्षक मनोहर सिंह मंडलोई, रक्षित निरीक्षक एवं यातायात प्रभारी कैलाश पटेल सहित पुलिस विभाग की पूरी टीम की निरंतर मेहनत और पर्यावरण के प्रति समर्पण छिपा हुआ है।

एसपी मनोहर सिंह मंडलोई का कहना है कि पृथ्वी पर रहने वाले सभी जीवों के जीवन का किसी न किसी रूप में सहारा एक पेड़ ही होता है। इसी विचार को व्यवहार में उतारते हुए उन्होंने विभागीय जिम्मेदारियों के साथ-साथ प्रकृति संरक्षण को भी अपनी प्राथमिकता बनाया।

हरिभूमि

मोपाल भूमि फ्रंट पेज

मोपाल, शुक्रवार 5 जून 2026

शाम को दहशत के 30 मिनट

दिन का पारा 37.4 डिग्री, बारिश-आंधी के बाद 28 डिग्री, पारा 9 डिग्री गिरा

आंधी-बारिश का अटैक... थर्राई राजधानी

सात नंबर स्टॉप पर सड़क पर गिरा पेड़।

हरिभूमि न्यूज ॥ मोपाल

गुरुवार शाम को शहर में अचानक मौसम ने करवट ली और देखते ही देखते काले बादलों ने आसमान को घेर लिया। शाम साढ़े छह बजे 70 किमी की रफ्तार से चली धूल भरी आंधी के साथ हुई तेज बारिश ने पूरे शहर की रफ्तार थाम दी। कुछ ही मिनटों में शहर का बड़ा हिस्सा अस्त-व्यस्त हो गया। करीब 30 मिनट तक आंधी-बारिश से पूरी राजधानी थराती रही।

अलग-अलग इलाकों में 54 होर्डिंग उड़ गए। भेल, पिपलानी, आनंद नगर, कोलार और पुराने शहर सहित 18 जगहों पर 42 से अधिक छोटे-बड़े पेड़ उखड़ गए। 150 से ज्यादा पेड़ों की टहनियां टूट गईं। दर्जनभर कॉलोनियों में घंटों बिजली गुल रही। अलग-अलग हिस्सों में 20 से ज्यादा जगह ट्रैफिक जाम के हालात बन गए। पारा 9 डिग्री गिरने से उमस गायब हो गई। दिन का पारा 37.4 डिग्री था, जो शाम को बारिश-आंधी के बाद 28 डिग्री से भी कम रहा।

मोपाल में सीजन की पहली प्री-मानसून इतनी तेज, आंधी-बारिश और गिरे ओले

आज भी ऐसा ही रहेगा शहर के मौसम का मिजाज, दो से तीन दिन बाद फिर बढ़ेगी गर्मी

70 किमी की रफ्तार से चली आंधी: 54 होर्डिंग उड़े, 42 पेड़ उखड़ें, लगा ट्रैफिक जाम

» हवा में पहले से बढ़ी नमी के साथ शहर व आसपास सुबह की बारिश दिन में तेज धूप से लोकल सिस्टम की बढ़ी सक्रियता, शाम को असर

दिन में तेज धूप और हवाओं की रफ्तार काफी कम रही

राजधानी में गुरुवार को सुबह बौछारें पड़ीं। दिन में तेज धूप और हवाओं की रफ्तार काफी कम रही। हवा में पहले से बढ़ी नमी के साथ शहर और आसपास सुबह की बारिश और दिन में तेज धूप से लोकल सिस्टम की भी बढ़ी सक्रियता, जिसका असर शाम को सीजन की सबसे तेज आंधी-बारिश और ओले के रूप में दिखा।

इन इलाकों में कई पेड़ उखड़े, ट्रैफिक पर असर

कोलार डैम की ओर जाने वाली सड़क के किनारे कई पेड़ जड़ से टूट गए। भेल इलाके के आईटीआई से आगे जवाहर बाग से सटे खाड़ी हिस्से में कुछ पेड़ उखड़ गए, जबकि कई पेड़ों की टहनियां टूट गईं। इधर, पुराने शहर के अलावा अरेरा कॉलोनी और अरेरा हिल्स इलाके में भी पेड़ों की टहनियां टूटने से रास्ते पर जाम जैसी स्थिति बन गई। इधर, बड़े तालाब, वनविभाग से सटे हिस्से में भी पेड़ टूटने से आने जाने वालों को परेशानियों को सामना करना पड़ा। लोगों ने पेड़ गिरने की सूचना नगर निगम को दी। जिसके बाद नगर निगम ने टीमों मौके पर पहुंची और पेड़ हटाए। पेड़ गिरने के दौरान आवागमन भी काफी प्रभावित रहा।

कॉल सेंटर पर 300 से ज्यादा शिकायत

बिजली कंपनी के कॉल सेंटर पर बिजली गुल होने से संबंधित करीब 300 से अधिक शिकायतें पहुंचीं। बिजली कंपनी के अनुसार इन्हें निर्धारित समय में दूर किया गया है। हालांकि, कुछ लोगों ने बताया कि कंपनी के कॉल सेंटर पर बार बार फोन लगाते रहे, लेकिन शिकायत दर्ज कराने काफी देर तक फोन व्यस्त रहने से रिसीव ही नहीं हो सका।

सात नंबर स्टॉप पर बारिश से डूबी सड़क



फोटो जर्नालिस्ट: गुरु अमृतपाल सिंह



आंधी-बारिश से शिवाजी नगर के मानसरोवर कॉम्प्लेक्स में होर्डिंग तहस-नहस हो गया।

तेज रफ्तार आंधी से नगर निगम मुख्यालय का कांच फूटा, होर्डिंग उड़े, सड़कों पर गिरे पेड़

गुरुवार को राजधानी में तेज आंधी-पानी से नगर निगम मुख्यालय अटल भवन का एक कांच फूट गया। वहीं बाहर रखे होर्डिंग हवा में उड़ गए और बेसमेंट में पानी भर गया। इस दौरान मुख्यालय की बिजली गुल होने से कामकाज भी ठप्प रहा। बताया जाता है कि शाम के समय अंधेरे में नीचे उतर रहे एक अधिकारी भी सीढ़ियों से गिर गए। तेज हवा की वजह से शहर में दर्जनों पेड़ सड़कों पर गिर गए। कांग्रेस मुख्यालय के सामने भी एक बड़ा पेड़ गिर गया, जिसकी वजह से वहां जाम लग गया। निगम कर्मचारियों ने मौके पर पहुंचकर एक घंटे में ट्रैफिक बहाल कराया।

गुरुवार की शाम राजधानी में तेज हवाओं के साथ ही आंधी चलने लगी और तेज बारिश भी हुई। जिससे शहर के कई इलाकों में पेड़ गिर गए। वहीं नगर निगम मुख्यालय अटल भवन के ग्राउंड फ्लोर की खिड़की का कांच टूट गया। हाल ही में हुए लोकार्पण के दौरान बने होर्डिंग भी मुख्यालय गेट पर रखे थे। यह भी तेज हवा में इधर-उधर उड़ गए। जबकि तेज आंधी से मुख्यालय भवन की बिजली गुल हो गई। ऐसे में लिफ्ट बंद रही और अलग-अलग फ्लोर पर काम कर रहे अधिकारी-कर्मचारी सीढ़ियों से नीचे आए।



निगम मुख्यालय में गिरा पेड़।

इन जगहों पर गिरे पेड़, रास्ता बंद

श्यामला हिल्स सहित तुलसी नगर, नेवरी, अयोध्या बायपास, आसाराम तिराहा, कोलार कजलीखेड़ा और बिट्टन मार्केट इलाके में पेड़ गिरने की सूचना नगर निगम के पास पहुंची। निगम ने टीम भेजकर पेड़ हटाए। एमपी नगर इलाके में एक बैंक का होर्डिंग हवा में उड़कर पार्किंग एरिया में आ गया। जिससे वहां खड़े दो पहिया वाहनों को नुकसान पहुंचा। पिपलानी इलाके में भी एक सेलून का बोर्ड तेज हवा में उड़कर सड़क पर आ गया।

आंधी बारिश से टूटे बिजली के तार, आधा शहर ब्लैक आउट

शहर के 300 से ज्यादा फीडर हुए प्रभावित, कई क्षेत्रों में बिजली गुल

50 टीमें बिजली मंटेनेंस में लगी, कॉल सेंटर पर 300 से ज्यादा आई शिकायतें



आंधी बारिश के कारण स्ट्रीट लाइट गुल रही, जिससे कारण होशंगाबाद रोड अंधेरे में डूब गया।



बुलवर्ड स्ट्रीट पर गिरे ओले।

अनुमति लेकर ही मुख्यालय छोड़ेंगे बिजली कर्मचारी

राजधानी में गुरुवार की शाम आये तेज आंधी और वर्षा से विद्युत प्रदाय में व्यापक व्यवधान और हानि पहुंची। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कम्पनी की टीम मैदान में कार्य कर रही है। सभी स्थानों पर यथाशीघ्र विद्युत प्रवाह शुरू करने युद्ध स्तर पर कार्रवाई की जा रही है। ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने शहर के विभिन्न स्थानों पर पहुंचकर आंधी-बारिश से हुए नुकसान का जायजा लिया। उन्होंने अधिकारियों को अतिशीघ्र विद्युत प्रवाह शुरू करने के लिए अधिकारियों को निर्देशित किया है। इधर, मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी ने अधिकारियों और कर्मचारियों को निर्देशित किया गया है कि वे नियंत्रणकर्ता अधिकारी से अनुमति लेकर ही कार्यस्थल मुख्यालय छोड़ें। वे विद्युत आपूर्ति और रखरखाव तथा ऑपरेशन्स को देखते हुए सतर्कता और सजगता से काम करें।

कॉल सेंटर नंबर 1912 पर संपर्क करें उपभोक्ता

प्रबंध संचालक ऋषि गर्ग ने सभी मैदानी कार्मिकों को उपभोक्ताओं को अनवरत और निर्बाध विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि कंपनी किसी भी आकस्मिक परिस्थिति में विद्युत आपूर्ति बहाल रखने के लिए हर संभव प्रयास कर रही है। उपभोक्ता कंपनी के कॉल सेंटर नंबर 1912 पर संपर्क कर सकते हैं।



एमपी नगर में अंधाधुंध बारिश के कारण छाई धुंध।



एमपी नगर में ज्योति टॉकीज चौराहे पर गिरा ट्रैफिक सिग्नल।

www.vectus.in

15 YEARS GUARANTEE

NSF

15 YEARS GUARANTEE

PROTECT

VECTUS cool

VECTUS Ten-X

VECTUS Ten-X

VECTUS Ten-X

व्हाट्सएप: 8800097939

टोल फ्री नं: 1800 202 6666

व्हाट्सएप पर जानकारी के लिए QR कोड स्कैन करें

QR CODE

खबर संक्षेप

एचएसबीसी का रेडहेक्स हाइब्रिड लांग-शॉर्ट फंड लांच

भोपाल। एचएसबीसी म्यूचुअल फंड ने रेडहेक्स हाइब्रिड लांग-शॉर्ट फंड लांच किया है। इसे उन निवेशकों के लिए डिजाइन किया



गया है जो नियमित रिटर्न और पूंजी वृद्धि की तलाश में हैं। यह रणनीति विभिन्न परिसंपत्ति वर्गों-फिक्स्ड इनकम, इक्विटी आर्बिट्राज, आरईआईटी और इनविट यूनिट्स में निवेश को मिलाकर बाजार के उतार-चढ़ाव के दौरान जोखिम-समायोजित रिटर्न हासिल करने का प्रयास करती है। इसका नया फंड ऑफर 16 जून 2026 तक खुला हुआ है।

एचसीजी ने जागरूकता अभियान चलाया

भोपाल। एचसीजी कैंसर हॉस्पिटल, इंदौर ने शहरभर में 1,500 से अधिक नगरिकों तक



पहुंचने वाला व्यापक जन-जागरूकता अभियान आयोजित किया। इस अभियान का उद्देश्य लोगों को तंबाकू सेवन और मुख कैंसर के खतरों के प्रति जागरूक करना था। अभियान के तहत शहर के व्यस्त सार्वजनिक स्थानों जैसे द हब, अपोलो हाई स्ट्रीट और नेक्सस मॉल में नुकड़ नाटक प्रस्तुत किए गए। सर्जिकल ऑन्कोलॉजिस्ट डॉ. नयन गुप्ता ने कहा कि लोग शुरुआती लक्षणों की अनदेखी करते हैं।

आयुष मंत्रालय और हैबिल्ड ने मिलाया हाथ

नई दिल्ली। मोरारजी देसाई राष्ट्रीय अंग संस्थान, आयुष मंत्रालय और हैबिल्ड ने एक महत्वपूर्ण समझौता किया है। इस साझेदारी के तहत अंतरराष्ट्रीय योग दिवस 2026 से पहले देशव्यापी डिजिटल योग अभियान शुरू किया गया है, जिसका उद्देश्य लोगों को योग को नियमित आदत के रूप में अपनाने के लिए प्रेरित करना है। अभियान 21 जून 2026 तक चलेगा। आयोजकों के अनुसार अब तक 130 से अधिक देशों और भारत के सभी राज्यों एवं केंद्र शासित प्रदेशों से 4 लाख से ज्यादा प्रतिभागी इससे जुड़ चुके हैं। कार्यक्रम का संचालन हैबिल्ड के सह-संस्थापक और योग प्रशिक्षक सौरभ बोधरा कर रहे हैं, जीवशैली और स्वास्थ्य आदत के रूप में बढ़ावा देने पर जोर देते हैं।

बिजनेस न्यूज

राधारमण के विद्यार्थियों ने सीखी ड्रग रिसर्च की तकनीकें

भोपाल। राधारमण इंस्टीट्यूट ऑफ फार्मास्यूटिकल साइंसेज के बी.फार्मा विद्यार्थियों ने हाल ही में आयोजित एक विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लेकर ड्रग रिसर्च और फार्मास्यूटिकल अनुसंधान से जुड़ी आधुनिक तकनीकों की व्यावहारिक जानकारी प्राप्त की। यह प्रशिक्षण पिनेकल बायोमैडिकल रिसर्च इंस्टीट्यूट द्वारा आयोजित किया गया था। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को दवा अनुसंधान, नई दवाओं के परीक्षण और फार्मास्यूटिकल रिसर्च में उपयोग होने वाली वैज्ञानिक प्रक्रियाओं से परिचित कराना था। प्रशिक्षण के दौरान छात्रों ने अनुसंधान में उपयोग किए जाने वाले पशुओं की देखभाल, दवाओं के विभिन्न प्रशासनिक मार्गों, नई दवाओं के परीक्षण की प्रक्रिया तथा दर्द निवारक दवाओं की प्रभावशीलता के वैज्ञानिक मूल्यांकन जैसी महत्वपूर्ण तकनीकों को समझा। इसके अलावा विद्यार्थियों को प्रायोगिक फार्माकोलॉजी और ड्रग रिसर्च मॉडलस की मूलभूत अवधारणाओं की जानकारी भी दी गई। विशेषज्ञों ने बताया कि इस प्रकार के प्रशिक्षण कार्यक्रम छात्रों को शोध कार्य की वास्तविक कार्यप्रणाली से परिचित कराते हैं और उन्हें फार्मा उद्योग, अनुसंधान क्षेत्र तथा उच्च शिक्षा में बेहतर अवसरों के लिए तैयार करते हैं। प्रशिक्षण गतिविधि का संचालन संस्थान के निदेशक डॉ. राजीव कुमार मालवीय के मार्गदर्शन में किया गया।इस अवसर पर इंजीनियर संजीव सक्सेना ने कहा कि वर्तमान समय में फार्मेसी शिक्षा केवल कक्षा आधारित अध्ययन तक सीमित नहीं रह गई है। उद्योग और अनुसंधान क्षेत्र की बदलती आवश्यकताओं को देखते हुए विद्यार्थियों को आधुनिक तकनीकों एवं प्रायोगिक प्रशिक्षण से जोड़ना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने कहा कि राधारमण समूह विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण, रोजगारोत्मुख और अनुभवमय शिक्षा उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध प्रयासरत है।

हीरो मोटोकॉर्प ने लांच की फ्लेक्स प्यूल बाइक

नई दिल्ली। दोपहिया वाहन निर्माता कंपनी हीरो

राजेश एक्सपोर्ट्स पर 15.15 लाख करोड़ रुपए के घोटाले का आरोप

एजेंसी ►►नई दिल्ली

देश के ज्वेलरी सेक्टर में बड़ा विवाद सामने आया है। बाजार नियामक भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड ने बेंगलुरु की कंपनी राजेश एक्सपोर्ट्स लिमिटेड और इसके चेयरमैन एवं मैनेजिंग डायरेक्टर राजेश मेहता के खिलाफ अंतरिम आदेश जारी किया है। सेबी की जांच में आरोप लगाया गया है कि कंपनी ने वित्त वर्ष 2021 से 2025 के बीच करीब 15.15 लाख करोड़ रुपए के कंसेलिडेटेड रेवेन्यू से जुड़ी गलत वित्तीय जानकारी पेश की, जिसमें लगभग 99.8 प्रतिशत राजस्व को बढ़ा-चढ़ाकर दिखाए जाने का दावा किया गया है।

लगभग 99.8 प्रतिशत राजस्व को बढ़ा-चढ़ाकर दिखाए जाने का दावा किया गया है।

आदेश के बाद नियामक स्तर पर आगे की जांच और कार्रवाई की प्रक्रिया जारी

सेबी ने राजेश एक्सपोर्ट्स पर जारी किया अंतरिम आदेश

कॉर्पोरेट गवर्नेंस में गंभीर अनियमितताओं के आरोप भी सामने आए



इसके अलावा प्रमोटर से जुड़ी संस्थाओं के जरिए फंड के कथित दुरुपयोग और कॉर्पोरेट गवर्नेंस में गंभीर अनियमितताओं के आरोप भी सामने आए हैं। सेबी के अनुसार, यह मामला निवेशकों को गुमराह करने और कंपनी के वित्तीय प्रदर्शन को गलत तरीके से प्रस्तुत करने से जुड़ा हो सकता है। फिलहाल इस आदेश के बाद नियामक स्तर पर आगे की जांच और कार्रवाई की प्रक्रिया जारी है। राजेश मेहता, जिनका जन्म 20 जून 1964 को बेंगलुरु में हुआ था, ज्वेलरी उद्योग में एक जाना-पहचाना नाम हैं। उन्होंने अपने भाइयों के साथ मिलकर बेहद कम पूंजी से कारोबार की शुरुआत की थी। शुरुआती दौर में, उन्होंने अपने बड़े भाई से 1,200 रुपए उधार लेकर चांदी के गहनों का छोटा कारोबार शुरू किया था, जब देश में ज्वेलरी सेक्टर काफी हद तक असंगठित था। यही कारोबार राजेश एक्सपोर्ट्स लिमिटेड के रूप में विकसित हुआ और वैश्विक स्तर पर पहचान बनाने लगा। 1995 में कंपनी ने आईपीओ के जरिए लगभग 10 करोड़ रुपये जुटाकर पूंजी बाजार में एंट्री की।

नेटवर्थ लगभग 1.57 अरब डॉलर आंकी गई

इसके बाद उसने धीरे-धीरे गोल्ड वैल्यू चेन में अपनी पकड़ मजबूत की, जिसमें रिफाईनिंग, मैनुफैक्चरिंग और रिटेल तक का पूरा इकोसिस्टम शामिल है। 2015 में सबसे बड़ा टर्निंग पॉइंट आया, जब कंपनी ने स्विट्जरलैंड की मशहूर गोल्ड रिफाइनरी वेलकैम्बी को करीब 400 मिलियन डॉलर में पूरी तरह कैश डील के जरिए खरीद लिया। इस अधिग्रहण ने कंपनी को वैश्विक सरलाई चेन में मजबूत स्थिति दिलाई और इंटरनेशनल मार्केट में पहुंच काफी बढ़ा दी। जहां तक फाइनेंशियल स्थिति की बात है, फोर्ब्स के अनुसार अक्टूबर 2019 तक इसके प्रमोटर राजेश मेहता की नेटवर्थ लगभग 1.57 अरब डॉलर आंकी गई थी।

क्रेडाई भोपाल के प्रतिनिधिमंडल की कलेक्टर से मुलाकात राजधानी के विकास पर होगा संयुक्त सेमिनार, क्रेडाई को एजेंडे की जिम्मेदारी

वाणिज्य प्रतिनिधि ►►भोपाल

राजधानी भोपाल के समग्र और नियोजित विकास को लेकर एक महत्वपूर्ण पहल के तहत क्रेडाई भोपाल और जिला प्रशासन संयुक्त रूप से एक व्यापक सेमिनार आयोजित करेंगे। इस सेमिनार में शहर के विकास, मास्टर प्लान, अवैध कॉलोनियों, डिजिटल भू-नक्शों और बुनियादी सुविधाओं से जुड़े मुद्दों पर डेटा आधारित चर्चा की जाएगी।

भोपाल कलेक्टर प्रियंक मिश्रा ने क्रेडाई भोपाल को सेमिनार के लिए विषय-वस्तु और एजेंडा तैयार करने की जिम्मेदारी सौंपी है। क्रेडाई भोपाल का एक प्रतिनिधिमंडल अध्यक्ष मनोज सिंह मीक के नेतृत्व में गुरुवार को कलेक्टर से मिला। बैठक में शहर के विकास से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर विस्तार से चर्चा हुई।

प्रतिनिधिमंडल ने बताया कि लंबे समय से नया मास्टर प्लान लागू नहीं होने के कारण भोपाल में उपयोगी भूमि उपयोग (लैंड यूज) सीमित हो गया है, जिससे वैध कॉलोनियों के विकास, किरायाती आवास परियोजनाओं और संगठित रियल एस्टेट क्षेत्र पर असर पड़ रहा है। वहीं शहर की सीमाओं और ग्रामीण क्षेत्रों में अवैध कॉलोनियों, छोटे प्लॉटिंग प्रोजेक्ट्स और फार्म हाउस योजनाओं का विस्तार भी चिंता का विषय बनता जा रहा है।

सेमिनार में भोपाल के विकास और भविष्य डिजिटल भू-नक्शों और वास्तविक सीमांकन में की चुनौतियों पर विमर्श किया जाएगा

शहर के विकास से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर विस्तार से हुई चर्चा



क्रेडाई ने प्रशासन से अवैध कॉलोनियों के खिलाफ विशेष सर्वे अभियान चलाने, विभिन्न विभागों की संयुक्त निगरानी टीम गठित करने तथा अवैध परियोजनाओं के विघ्नापन, विकस्य और पंजीकरण में शामिल लोगों पर कार्रवाई करने की मांग की। साथ ही स्वीकृत कॉलोनियों की सार्वजनिक सूची और शिकायतों के लिए विशेष पोर्टल या हेल्पलाइन शुरू करने का सुझाव भी दिया। बैठक में डिजिटल भू-नक्शों और वास्तविक सीमांकन में अंतर से उत्पन्न भूमि विवादों का मुद्दा भी प्रमुखता से उठा। प्रतिनिधिमंडल ने बताया कि इन त्रुटियों के कारण सीमांकन, नामांतरण, बैंक फाइनेंस और परियोजना स्वीकृति जैसी प्रक्रियाओं में अनावश्यक देरी हो रही है। कलेक्टर ने इस दिशा में सुधारात्मक कदम उठाने का आश्वासन दिया।

नगर नियोजन एवं जल प्रबंधन संबंधी अवधारणाओं की जानकारी दी

कलेक्टर प्रियंक मिश्रा ने सुझाव दिया कि राजधानी के विकास को लेकर सभी संबंधित विभागों, सामाजिक संगठनों, उद्योग जगत, व्यापारिक संस्थाओं और विशेषज्ञों की भागीदारी से एक संयुक्त सेमिनार आयोजित किया जाए। इसमें नगर निगम, स्मार्ट सिटी, नगरीय विकास विभाग, टाउन एंड कंट्री प्लानिंग, वन विभाग, राजस्व विभाग और अन्य एजेंसियों के प्रतिनिधि शामिल होंगे। सेमिनार में भोपाल के विकास और भविष्य की चुनौतियों पर तथ्य आधारित विमर्श किया जाएगा। इस अवसर पर मनोज मीक ने कलेक्टर को राजा भोज द्वारा रचित समरांगण सूत्रधार भेंट किया और उसमें वर्णित नगर नियोजन एवं जल प्रबंधन संबंधी अवधारणाओं की जानकारी दी।

विकास एजेंडे में मास्टर प्लान, वैध कॉलोनाइजेशन आदि जोड़ना आवश्यक

क्रेडाई भोपाल के अध्यक्ष मनोज सिंह मीक ने कहा कि भोपाल के विकास को अब अलग-अलग विभागीय विषयों के रूप में नहीं देखा जा सकता। मास्टर प्लान, मेट्रोपॉलिटन रीजन, वैध कॉलोनाइजेशन, डिजिटल भू-नक्शा, राजा भोज की विरासत और नागरिक सुविधाओं को एक समग्र राजधानी विकास एजेंडा के रूप में जोड़ना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि प्रस्तावित सेमिनार के लिए क्रेडाई डेटा आधारित विमर्श की विस्तृत रूपरेखा तैयार करेगी। बैठक में क्रेडाई भोपाल के सचिव सुनील गुप्ता सहित शिवनव प्रधान, रौनक सहिता और आकाश झिंगन भी उपस्थित रहे।

भोपाल-स्मोलेंस्क सिस्टर सिटी परियोजना

एफएमपीसीसीआई और स्मोलेंस्क रीजन क्रिकेट फेडरेशन के बीच हुआ समझौता

वाणिज्य प्रतिनिधि ►►भोपाल

मध्यप्रदेश चैंबरस ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (एफएमपीसीसीआई) और रूस के स्मोलेंस्क रीजन क्रिकेट फेडरेशन के बीच क्रिकेट के विकास और खेल आधारित आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा देने के उद्देश्य से एक महत्वपूर्ण समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। यह समझौता प्रस्तावित भोपाल-स्मोलेंस्क सिस्टर सिटी परियोजना के अंतर्गत एक एकीकृत क्रिकेट इकोसिस्टम विकसित करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। एमओयू पर एफएमपीसीसीआई के अध्यक्ष हिमांशु खरे तथा स्मोलेंस्क रीजन क्रिकेट फेडरेशन, रूस के अध्यक्ष एवगेनी



अनातोलीयेविच जखारचेंकोव ने हस्ताक्षर किए। यह समझौता भोपाल-स्मोलेंस्क सिस्टर सिटी परियोजना की प्रमुख उपलब्धियों में से एक है। इस अवसर पर एफएमपीसीसीआई के अध्यक्ष हिमांशु खरे ने कहा कि यह साझेदारी केवल क्रिकेट तक सीमित नहीं है, बल्कि दोनों क्षेत्रों के व्यवसाय, शिक्षा, खेल, उद्यमिता और युवाओं को जोड़ने का एक सशक्त माध्यम बनेगी।

आधार हाउसिंग फाइनेंस की पहल

दो दिवसीय विशेष पीएमएवाई स्पॉट सैक्शन कैंप आज से होगा शुरू

वाणिज्य प्रतिनिधि ►►भोपाल

आधार हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड ने प्रधानमंत्री आवास योजना (पीएमएवाई) के तहत मध्य प्रदेश में घर खरीदने की प्रक्रिया को अधिक सरल और सुलभ बनाने के लिए 5 और 6 जून 2026 को राज्यभर में विशेष पीएमएवाई स्पॉट सैक्शन कैंप आयोजित करने की घोषणा की है। इन शिविरों का उद्देश्य पात्र ग्राहकों को योजना के लाभ, सब्सिडी की पात्रता और आसान होम लोन प्रक्रिया की जानकारी प्रदान करना है। कंपनी ने बताया कि देशभर में प्रधानमंत्री आवास योजना-शहरी 2.0 के तहत अब तक 13.61 लाख से अधिक घर स्वीकृत किए जा चुके हैं। कंपनी के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी ऋषि आनंद ने कहा कि सरकार की आवास-केंद्रित नीतियों और पीएमएवाई को मिली नई गति से वह वर्तमान में 26,859 से अधिक ग्राहकों को सेवाएं दे रही है। पीएमएवाई के तहत आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग, निम्न

आय वर्ग और मध्यम आय वर्ग के परिवारों को किरायाती होम लोन उपलब्ध करारकर उनके घर के सपने को साकार करने में मदद की जा रही है। सभी के लिए आवास की अवधारणा को आगे बढ़ाते हुए आयोजित किए जा रहे इन विशेष शिविरों में ग्राहकों को पात्रता जांच, आवश्यक दस्तावेजों की जानकारी के बारे में मार्गदर्शन दिया जाएगा। कंपनी ने बताया कि देशभर में प्रधानमंत्री आवास योजना-शहरी 2.0 के तहत अब तक 13.61 लाख से अधिक घर स्वीकृत किए जा चुके हैं। कंपनी के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी ऋषि आनंद ने कहा कि सरकार की आवास-केंद्रित नीतियों और पीएमएवाई को मिली नई गति से वह वर्तमान में 26,859 से अधिक ग्राहकों को सेवाएं दे रही है। पीएमएवाई के तहत आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग, निम्न

बिजनेस न्यूज

राधारमण के विद्यार्थियों ने सीखी ड्रग रिसर्च की तकनीकें

भोपाल। राधारमण इंस्टीट्यूट ऑफ फार्मास्यूटिकल साइंसेज के बी.फार्मा विद्यार्थियों ने हाल ही में आयोजित एक विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लेकर ड्रग रिसर्च और फार्मास्यूटिकल अनुसंधान से जुड़ी आधुनिक तकनीकों की व्यावहारिक जानकारी प्राप्त की। यह प्रशिक्षण पिनेकल बायोमैडिकल रिसर्च इंस्टीट्यूट द्वारा आयोजित किया गया था। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को दवा अनुसंधान, नई दवाओं के परीक्षण और फार्मास्यूटिकल रिसर्च में उपयोग होने वाली वैज्ञानिक प्रक्रियाओं से परिचित कराना था। प्रशिक्षण के दौरान छात्रों ने अनुसंधान में उपयोग किए जाने वाले पशुओं की देखभाल, दवाओं के विभिन्न प्रशासनिक मार्गों, नई दवाओं के परीक्षण की प्रक्रिया तथा दर्द निवारक दवाओं की प्रभावशीलता के वैज्ञानिक मूल्यांकन जैसी महत्वपूर्ण तकनीकों को समझा। इसके अलावा विद्यार्थियों को प्रायोगिक फार्माकोलॉजी और ड्रग रिसर्च मॉडलस की मूलभूत अवधारणाओं की जानकारी भी दी गई। विशेषज्ञों ने बताया कि इस प्रकार के प्रशिक्षण कार्यक्रम छात्रों को शोध कार्य की वास्तविक कार्यप्रणाली से परिचित कराते हैं और उन्हें फार्मा उद्योग, अनुसंधान क्षेत्र तथा उच्च शिक्षा में बेहतर अवसरों के लिए तैयार करते हैं। प्रशिक्षण गतिविधि का संचालन संस्थान के निदेशक डॉ. राजीव कुमार मालवीय के मार्गदर्शन में किया गया।इस अवसर पर इंजीनियर संजीव सक्सेना ने कहा कि वर्तमान समय में फार्मेसी शिक्षा केवल कक्षा आधारित अध्ययन तक सीमित नहीं रह गई है। उद्योग और अनुसंधान क्षेत्र की बदलती आवश्यकताओं को देखते हुए विद्यार्थियों को आधुनिक तकनीकों एवं प्रायोगिक प्रशिक्षण से जोड़ना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने कहा कि राधारमण समूह विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण, रोजगारोत्मुख और अनुभवमय शिक्षा उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध प्रयासरत है।

हीरो मोटोकॉर्प ने लांच की फ्लेक्स प्यूल बाइक

नई दिल्ली। दोपहिया वाहन निर्माता कंपनी हीरो

मोटोकॉर्प ने सस्तेनेबल मोबिलिटी की दिशा में बड़ा कदम उठाते हुए अपनी पहली फ्लेक्स प्यूल मोटरसाइकिल लांच की हैं। कंपनी ने अपने लोकप्रिय मॉडल स्लेंडर प्लस और एचएफ डीलक्स के फ्लेक्स प्यूल वेरिएंट बाजार में उतारे हैं। नई लांच की गई ये बाइक्स 85 प्रतिशत तक इथेनॉल मिश्रित पेट्रोल पर चलने में सक्षम हैं। 100 सीसी सेगमेंट में इन्हें भारत की पहली फ्लेक्स प्यूल मोटरसाइकिल बताया जा रहा है, जो पर्यावरण और अन्य फ्लेक्स प्यूल वेरिएंट की कीमत 72,792 रुपए तय की गई है। कंपनी इन मॉडलों की बिक्री जुलाई 2026 से दिल्ली और महाराष्ट्र के चुनिंदा क्षेत्रों में शुरू करेगी। लांच के दौरान केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी की ओम पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने इस पहल की सराहना की। नितिन गडकरी ने इसे किसानों को सशक्त बनाने, इथेनॉल उपयोग को बढ़ावा देने और आत्मनिर्भर भारत के लक्ष्य की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया। कंपनी के सीईओ हर्षवर्धन चित्ताले ने कहा कि आने वाले समय में कंपनी और भी मॉडलस को फ्लेक्स प्यूल तकनीक के साथ पेश करेगी तथा सरकार की हरित ऊर्जा नीति का समर्थन जारी रखेगी।



स्पाइरो ने कुछ वर्षों में उल्लेखनीय वृद्धि की

उद्यमी गगन गुप्ता की स्पाइरो ने जुटाए 215 मिलियन डॉलर

एजेंसी ►►पुणे

इलेक्ट्रिक मोबिलिटी कंपनी स्पाइरो ने महाद्वीप में अपने इलेक्ट्रिक वाहन और बैटरी-स्वैपिंग इंफ्रास्ट्रक्चर के विस्तार को गति देने के लिए 215 मिलियन डॉलर के निवेश राउंड की घोषणा की है। कंपनी को इस नए इक्विटी निवेश में यूरोप और अफ्रीका के वैश्विक निवेशकों का समर्थन मिला है, जो उभरते बाजारों में बड़े पैमाने के इंफ्रास्ट्रक्चर-आधारित बिजनेस मॉडल पर बढ़ते भरोसे को दर्शाता है। कंपनी के अनुसार, उत्पाद पोर्टफोलियो,

तकनीकी विकास और ऊर्जा इकोसिस्टम को मजबूत करने के वर्षों के प्रयासों के बाद स्पाइरो अब शुरुआती परीक्षण चरण से आगे बढ़ चुकी है और अफ्रीका में अपने विस्तार के अगले चरण के लिए पूरी तरह तैयार है। भारतीय उद्यमी गगन गुप्ता द्वारा स्थापित स्पाइरो ने पिछले कुछ वर्षों में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की है। वर्तमान में कंपनी सात प्रमुख अफ्रीकी देशों में 1 लाख से अधिक इलेक्ट्रिक मोटरसाइकिलों और 2,500 से ज्यादा स्वचालित बैटरी-स्वैपिंग स्टेशनों का संचालन कर रही है।

सीआईआई अध्यक्ष ने दिया संदेश: विभिन्न पहलों का भी उल्लेख किया

बोले-सतत विकास ही भविष्य की प्रतिस्पर्धा की कुंजी

एजेंसी ►►मुंबई

भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) के पश्चिमी क्षेत्र के अध्यक्ष वीर एस. आडवाणी ने उद्योग जगत, सरकार और समाज से मिलकर सतत एवं जिम्मेदार आर्थिक विकास को बढ़ावा देने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में स्थिरता केवल पर्यावरणीय आवश्यकता नहीं, बल्कि व्यावसायिक प्रतिस्पर्धा और दीर्घकालिक सफलता का प्रमुख आधार बनने जा रही है।

उद्योग जगत अब स्थिरता को केवल सामाजिक जिम्मेदारी नहीं समझे

देश की आर्थिक प्रगति का प्रमुख केंद्र बन चुका

भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) के पश्चिमी क्षेत्र के अध्यक्ष वीर आडवाणी ने विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर कहा कि पश्चिमी भारत देश की आर्थिक प्रगति का प्रमुख केंद्र बन चुका है और अब उस से संसाधन-कुशल तथा पर्यावरण के प्रति जिम्मेदार विकास के अगले चरण में भी नेतृत्व करना होगा। उन्होंने कहा कि विकास, प्रतिस्पर्धा और

स्थिरता अब अलग-अलग विषय नहीं रह गए हैं। भविष्य में वही व्यवसाय सफल होगा जो संसाधनों का जिम्मेदारीपूर्वक प्रबंधन करते हुए आर्थिक मूल्य का सृजन करने में सक्षम होगा। आडवाणी ने बताया कि पश्चिमी भारत के उद्योग नवीकरणीय ऊर्जा, स्वच्छ प्रौद्योगिकियों और संसाधन दक्षता में तेजी से निवेश कर रहे हैं।

‘विकसित भारत 2047’ का लक्ष्य प्रत्येक व्यवसाय का हिस्सा बनें

उन्होंने जलवायु परिवर्तन से निपटने, हरित भवनों को बढ़ावा देने, सतत विनिर्माण और कम कार्बन उत्सर्जन वाले विकास मॉडल को प्रोत्साहित करने के लिए सीआईआई की विभिन्न पहलों का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि सीआईआई-सेंटर ऑफ एक्सलेंस फॉर सस्टेनेबल डेवलपमेंट तथा इंडियन ग्रीन बिल्डिंग काउंसिल के माध्यम से संगठन देशभर में पर्यावरण-अनुकूल विकास को गति देने के लिए लगातार कार्य कर रहा है। वीर आडवाणी ने कहा कि ‘विकसित भारत 2047’ का लक्ष्य केवल आर्थिक वृद्धि से हासिल नहीं होगा, बल्कि जिम्मेदारीपूर्ण और समावेशी विकास से ही इसे साकार किया जा सकेगा।



अनुभव देने में अहम भूमिका निभा

लांच के मौके पर अभिजीत किशोर ने कहा कि टेलीकॉम नेटवर्क अब सुरक्षित डिजिटल अनुभव देने में अहम भूमिका निभा रहे हैं। मेडा के साथ यह साझेदारी साइबर सुरक्षा को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। वहीं अरुण श्रीनिवास ने कहा कि नेटवर्क आधारित वैरिफिकेशन यूजर्स के लिए लॉग-इन प्रक्रिया को अधिक सरल और सुरक्षित बनाता है।



चिंतन

‘तिजोरी’ का ताला है साइबर सुरक्षा

डिजिटल युग में हमारी जिंदगी जितनी आसान हुई है, उतनी ही जोखिमों से भी भिर गई है। बैंकिंग से लेकर स्वास्थ्य सेवाओं, शिक्षा से लेकर सरकारी कामकाज तक लगभग हर व्यवस्था इंटरनेट और डिजिटल नेटवर्क पर निर्भर है। ऐसे समय में साइबर सुरक्षा केवल तकनीकी विषय नहीं, बल्कि यह राष्ट्रीय सुरक्षा, आर्थिक स्थिरता और व्यक्तिगत गोपनीयता का भी अहम हिस्सा बन गई है। अक्सर लोग साइबर सुरक्षा को उतनी गंभीरता से नहीं लेते, जितनी गंभीरता से लिया जाना चाहिए। विशेषकर पासवर्ड को लेकर लापरवाही बरतते हैं, जबकि आज के डिजिटल नेटवर्क में पासवर्ड को डिजिटल दुनिया की ‘तिजोरी’ का ताला कहा जाए तो अतिशयोक्ति नहीं होगी। जिस प्रकार कोई व्यक्ति अपनी ‘तिजोरी’ की चाबी किसी अनजान व्यक्ति को नहीं सौंपता, उसी प्रकार पासवर्ड को भी पूरी तरह गोपनीय रखना आवश्यक है, लेकिन व्यवहार में अक्सर इसके उलट देखने को मिलता है। लोग आसान पासवर्ड रखते हैं, एक ही पासवर्ड कई खातों में इस्तेमाल करते हैं या फिर उसे दूसरों के साथ साझा कर देते हैं। कई बार सिस्टम तक को खुला छोड़ देते हैं। यही लापरवाही साइबर अपराधियों के लिए अवसर बन जाती है। हाल ही में सीबीएसई की ओर से सी-इवेल्यूपश के लिए खोले गए पोर्टल को महज 2 मिनट के भीतर 15 लाख से ज्यादा बार हैक करने की कोशिश की गई। यह दर्शाता है कि साइबर अपराधी कितने शातिर हो गए हैं। केंद्र सरकार ने तमाम राज्यों को आगाह किया है कि कोई बड़ा साइबर अटैक हो सकता है। यह हमला तभी रूकेगा, जब हमारी साइबर सुरक्षा मजबूत होगी। सुरक्षा के विभिन्न चरणों में पासवर्ड भी इसे सुरक्षा प्रदान करते हैं। अब कोई कर्मचारी अपने पासवर्ड को किसी के साथ शेयर करता है तो वह उसकी घोर लापरवाही है। कर्मचारी कई बार अपने सिस्टम को खुला छोड़ देते हैं, इससे सिस्टम अपराधियों के प्रति संवेदनशील हो जाते हैं। इससे दुनिया के तमाम साइबर अपराधी प्रतिष्ठानों को निशाना बनाते हैं और उनकी साइबर सुरक्षा में संध लगा देते हैं। भारत में साइबर हमलों की बढ़ती घटनाएं इस खतरे का प्रत्यक्ष प्रमाण हैं। हर वर्ष लाखों साइबर सुरक्षा घटनाएं दर्ज की जा रही हैं और प्रतिदिन हजारों वेब-आधारित हमलों का सामना करना पड़ रहा है। साइबर अपराधी डेटा चोरी, फिशिंग, रैसमवेयर और पहचान की जालसाजी जैसे हथकंडों का इस्तेमाल कर रहे हैं, जिनसे बचाव के लिए केवल तकनीकी उपाय ही नहीं बल्कि जागरूकता भी आवश्यक है। दिल्ली स्थित एम्स पर हुए रैसमवेयर हमले ने देश को यह दिखा दिया था कि साइबर सुरक्षा में एक छोटी सी कमजोरी भी कितनी बड़ी समस्या बन सकती है। इस हमले के कारण अस्पताल की सेवाएं कई सप्ताह तक प्रभावित रहीं और लाखों मरीजों का डेटा खतरे में पड़ गया। चिंता की बात यह भी है कि देश के कई राज्य साइबर अपराधों के हॉटस्पॉट बनकर उभर रहे हैं। राजस्थान, हरियाणा, दिल्ली, झारखंड, बिहार, पश्चिम बंगाल, असम, उत्तर प्रदेश, गुजरात और आंध्र प्रदेश में साइबर अपराधों के मामले तेजी से सामने आ रहे हैं। इसके अर्थ है कि समस्या अब किसी एक क्षेत्र या संस्थान तक सीमित नहीं रह गई है। यह राष्ट्रीय स्तर की चुनौती बन चुकी है, जिसके समाधान के लिए समन्वित प्रयासों की आवश्यकता है। ऐसे में सरकार को भी अपने साइबर सुरक्षा तंत्र को मजबूत करना चाहिए, ताकि कोई भी साइबर अपराधी वहां तक न पहुंच सके। अगर हम समय रहते नहीं चेते तो भविष्य में बड़ा नुकसान हो सकता है।

दिवस विशेष

अरविंद जयतिलक



आइए, सभी पर्यावरण सुरक्षा का संकल्प लें

आज विश्व पर्यावरण दिवस है। यह दिवस प्रत्येक वर्ष 5 जून को पर्यावरण की सुरक्षा और संरक्षण हेतु विश्व भर में मनाया जाता है। इस दिवस को मनाने की घोषणा संयुक्त राष्ट्र ने पर्यावरण के प्रति वैश्विक स्तर पर राजनीतिक व सामाजिक जागृति लाने हेतु वर्ष 1972 में की थी। विडंबना यह है कि इस दिवस पर हम एक ओर पर्यावरण सुरक्षा के प्रति चिंता जाहिर करते हैं, संगोष्ठियां करते हैं, नए कानून पढ़ते हैं, वहीं अंधाधुंध विकास के नाम पर प्रति वर्ष 7 करोड़ हेक्टेयर वनों का विनाश करते हैं। ऐसे में पर्यावरण दिवस मनाया अपने आप में बेमानी हो जाता है। आंकड़े बताते हैं कि पिछले सैकड़ों सालों में मनुष्य जाति ने विकास के नाम पर करोड़ों हेक्टेयर वनों का विनाश किया है। उसके इस कृत्य से प्रकृति की तकरीबन एक तिहाई से अधिक प्रजातियां नष्ट हुई हैं। जंगली जीवों की संख्या में 50 फीसद की कमी आई है। उदाहरण के लिए भारत में पिछले एक दशक में पर्यावरण को बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले गिद्धों की संख्या में 97 फीसद की गिरावट दर्ज की गई है। इससे मृत पशुओं की सफाई, बीजों का प्रकीर्णन और परागण कार्य काफी हद तक प्रभावित हुआ है।

गिद्धों की तरह अन्य प्रजातियां भी तेजी से विलुप्त हो रही हैं। वनों के विनाश से वातावरण भी जहरीला होता जा रहा है। यानी प्रतिवर्ष 2 अरब टन अतिरिक्त कार्बन-डाइआक्साइड वायुमण्डल में घुल-मिल रहा है। इससे जीवन का सुरक्षा कवच मानी जाने वाली ओजोन परत को नुकसान पहुंच रहा है। नेचर जिओसाइंस की मार्ने तो ओजोन परत को होने वाले नुकसान से कुछ खास किस्म के अत्यंत अल्पजीवी तत्वों (बीएसएलएप्स) की संख्या में तेजी से वृद्धि हुई है जो मानव जाति के अस्तित्व के लिए खतरनाक है। गौरतलब है कि दुनिया के 20 सबसे ज्यादा क्लोरोफ्लोरो कार्बन उत्सर्जित करने वाले देशों के बीच ओजोन परत के क्षरण को रोकने के लिए 16 सितंबर, 1987 को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर एक संधि हुई जिसे मांट्रियाल प्रोटोकॉल नाम दिया गया। इसका मकसद ओजोन परत के क्षरण के लिए जिम्मेदार गैसों एवं तत्वों के इस्तेमाल पर रोक लगाना था। इस दिशा में अभी तक अपेक्षित सफलता हासिल नहीं हुई है। अब तक वायुमण्डल में 36 लाख टन कार्बन डाइआक्साइड की वृद्धि हो चुकी है और वायुमण्डल से 24 लाख टन आक्सीजन समाप्त हो चुकी है। यदि पृथ्वी के तापमान में मात्र 3.6 डिग्री सेंल्सियस तक वृद्धि हो जाए तो आर्कटिक एवं अण्टार्क्टिका के विशाल हिमखण्ड पिघल जाएंगे जिससे समुद्र के जल स्तर में 10 इंच से 5 फुट तक वृद्धि हो सकती है। वर्ष 2007 की इंटरगवर्नमेंटल पैलर की रिपोर्ट के मुताबिक दुनिया भर के करीब 30 पर्वतीय ग्लेशियरों की मोटाई वर्ष 2005 में आधे मीटर से ज्यादा कम हो गई। वैज्ञानिकों का मानना है कि इसके लिए मुख्य रूप से ग्रीन हाउस गैसों का उत्सर्जन जिम्मेदार है। हिमालय क्षेत्र में पिछले पांच दशकों में माउंट एवरेस्ट के ग्लेशियर 2 से 5 किलोमीटर सिकुड़ गए हैं। इसके अलावा हिमालय के 76 फीसद ग्लेशियर चिंताजनक गति से सिकुड़ रहे हैं। कश्मीर और नेपाल के बीच गंगोत्री ग्लेशियर तेजी से सिकुड़ते ग्लेशियर का एक अन्य उदाहरण है। अनुमानित भूमंडलीय तापन से जीवों का भौगोलिक वितरण भी प्रभावित हो सकता है। पृथ्वी पर करीब 12 करोड़ वर्षों तक राज करने वाले डायनासोर नामक दैत्याकार जीवों के समाप्त होने का कारण संभवतः ग्रीन हाउस प्रभाव ही था। निश्चित रूप से मनुष्य के विकास के लिए प्रकृति प्रदत्त संसाधनों का दोहन आवश्यक है। पर उसकी सीमा भी निर्धारित होनी चाहिए। स्टाकहोम सम्मेलन 1972 में मानवीय पर्यावरण पर घोषणा हुई।

सैद्धांतिक रूप से पृथ्वी के प्राकृतिक द्रव्यों जिनमें वायु, पानी, भूमि तथा पेड़-पौधे शामिल हैं, को वर्तमान तथा भावी पीढ़ियों के लिए सावधानीपूर्ण तथा उपयुक्त योजना तथा प्रबंध द्वारा सुरक्षित रखने पर बल दिया गया। 1992 के रियो शिखर सम्मेलन में कहा गया कि स्थायी विकास के सभी संरोकारों का केंद्र-बिंदु मानव जाति ही है और उसे प्रकृति के साथ पूर्ण समरसता रखते हुए स्वस्थ एवं उत्पादनशील जीवन जीना चाहिए, लेकिन ये सभी सिद्धांत कागजों तक ही सीमित है। उसका अनुपालन नहीं हो रहा है। लेकिन गौर करें तो आज भी मनुष्य अपने दुराग्रहों के साथ ही खड़ा है। प्रकृति से उसका खिलवाड़ का तरीका पहले से भी जघन्य हो गया है। नतीजा सामने है। प्रकृति भी प्रतिक्रियावादी बनती जा रही है। पर विडंबना है कि मानव जाति समझने को तैयार नहीं। किंतु उसे समझना ही होगा कि पर्यावरण को नुकसान पहुंचाकर वह स्वयं को सुरक्षित नहीं रख सकता।

(लेखक स्वतंत्र संस्थाकर्ता हैं, ये उनके अपने विचार हैं)

विकास की दौड़ में दम तोड़ती धरती



पर्यावरण दिवस

राज कुमार सिन्हा

पर्यावरण को समझने के लिए अपने आस-पास के जैविक और अजैविक घटकों जैसे हवा, पानी, मिट्टी, पेड़-पौधे और जीव-जंतुओं के आपसी संबंधों को जानना बहुत जरूरी है। जैविक घटक में सभी सजीव चीजें शामिल हैं, जैसे पेड़-पौधे, सूक्ष्मजीव, जानवर और मनुष्य। अजैविक घटक में सभी निर्जीव लेकिन जीवन के लिए आवश्यक तत्व आते हैं, जैसे हवा, पानी, मिट्टी, धूप, और तापमान। पर्यावरण को समझने के लिए परिस्थितिकी तंत्र को जानना आवश्यक है। यह एक ऐसा प्राकृतिक वातावरण है जहां सभी जीव एक-दूसरे पर और अपने आस-पास के निर्जीव वातावरण पर निर्भर रहते हैं जैसे पौधे धूप और मिट्टी से बढ़ते हैं और जीव-जंतु उन पौधों पर निर्भर रहते हैं। एक प्राकृतिक परिस्थितिकी तंत्र मानव हस्तक्षेप के बिना बनता है। जैसे वन और घास के मैदान, रेगिस्तान और पहाड़, झीलें, नदियां और महासागर आदि। ये पर्यावास अपने आप विकसित होते हैं, और विशिष्ट परिस्थितियों के अनुकूल ढलने वाले विविध जीवों को सहारा देते हैं। पर्यावरण हमारे जीवन-रक्षक तंत्र के रूप में कार्य करता है, जो हमें ऑक्सीजन और स्वच्छ हवा, जल संसाधन, खाद्य आपूर्ति और प्रजातियों के लिए आवास विकसित करता है।जिससे एक स्वस्थ वातावरण और जैव विविधता को बढ़ावा मिलता है, जो परिस्थितिक संतुलन के लिए आवश्यक है। प्रांरिक मानव ने स्वयं को प्रकृति के अनुरुप बना लिया था। उनका जीवन सरल था एवं आस-पास की प्रकृति से उनकी आवश्यकताएं पूरी हो जाती थीं। समय के साथ कई प्रकार की आवश्यकताएं बढ़ीं। मानव ने पर्यावरण के उपयोग और उसमें परिवर्तन करने के कई तरीके सीख लिए। उसने फसल उगाना, पशु पालना एवं स्थायी जीवन जीना सीख लिया। पहिदा का आविष्कार हुआ, आवश्यकता से अधिक अन्न उपजाया गया, वस्तु-विनिमय पद्धति का विकास हुआ, व्यापार आरंभ हुआ एवं वाणिज्य का विकास हुआ। औद्योगिक क्रांति से बड़े पैमाने पर उत्पादन प्रारंभ हो गया। परिवहन तेज

गति से प्रारंभ हुआ। सूचना क्रांति से पूरे विश्व में संचार सहज और द्रुत हो गया है। प्रकृति एवं मानवीय पर्यावरण के बीच सही संतुलन होना आवश्यक है। मानव को पर्यावरण के साथ समरसता से रहने एवं उसका उपयोग सीखना चाहिए। इन तत्वों के सामंजस्यपूर्ण ढंग से कार्य किए बिना, पृथ्वी पर जीवन खतरे में पड़ जाएगा, जो हमारे पर्यावरण को बचाने की आवश्यकता को रेखांकित करता है। पर्यावरण केवल वैज्ञानिक या तकनीकी मुद्दा नहीं है, बल्कि यह लोकातांत्रिक अधिकारों से जुड़ा हुआ है। जबकि



कारण तापमान में वृद्धि, समुद्र के स्तर में वृद्धि, और चरम मौसमी घटनाओं जैसे प्रभाव होते हैं। तीव्र होती समुद्री ऊष्मा तरंगें मानवजनित जलवायु परिवर्तन की व्यापक और विनाशकारी संकेत हैं। जलवायु परिवर्तन के संकेत से निपटने के लिए आइर्भूमि (वेटलैंड) हमारा सबसे प्रभावी परिस्थितिकी तंत्र है। ये कार्बन डाइऑक्साइड अवशोषित कर तापमान कम करने और प्रदूषण घटाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। परन्तु वर्ष 1970 से लेकर अब तक दुनिया की 35 प्रतिशत आइर्भूमि विलुप्त हो चुकी है। ‘वेटलैंड इंटरनेशनल’ के अनुसार भारत की करीब 30 प्रतिशत आइर्भूमि पिछले तीन दशकों में विलुप्त हो चुकी है। इसी तरह महासागर एक प्रमुख कार्बन सिंक होने के अलावा, महासागर जलवायु नियमन और पोषक चक्रण में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। यह पृथ्वी के वायुमंडलीय ऑक्सीजन का 50% से 85% तक उत्पादन करता है। वैश्विक तापमान वृद्धि के कारण समुद्र का जलस्तर बढ़ रहा है, जिससे तटीय समुदायों और बाढ़ की चपेट में आने वाले शहरों के जीवन और आजीविका को खतरा है। दूसरी ओर सेंटर फॉर साइंस एण्ड एनवायरनमेंट (सीएसई) दिल्ली के

यदि हम जल को सहेजेंगे, तभी हमारा भविष्य सुरक्षित रहेगा

जल की हर बूंद में भविष्य की धड़कन छिपी हुई है...इसे सुनें



प्रहलाद सिंह पडेल
मंत्री, मध्यप्रदेश शासन

विश्व पर्यावरण दिवस केवल एक औपचारिक आयोजन नहीं, बल्कि आत्म मंथन और संकल्प का अवसर है। यह वह क्षण है जब हमें प्रकृति के प्रति अपने दायित्वों को पुनः स्मरण करते हुए एक ऐसे भविष्य की कल्पना करनी चाहिए, जहां जल, जंगल और जमीन सुरक्षित हों। आज आवश्यकता केवल एक दिन के संकल्प की नहीं, बल्कि आने वाले युगों तक चलने वाले जन-संकल्प की है। पीढ़ियों से हम सुनते आए हैं—जल ही जीवन है। किंतु विडंबना यह है कि इस सत्य को समझने में हमें एक गंभीर जल संकट का सामना करना पड़ा। आज यह संकट किसी एक मोहल्ले, शहर, राज्य या देश तक सीमित नहीं है, बल्कि सम्पूर्ण पृथ्वी के अस्तित्व से जुड़ा वैश्विक प्रश्न बन चुका है। बढ़ती जनसंख्या, अनियंत्रित शहरीकरण, वनों की कटाई और जलवायु परिवर्तन ने प्राकृतिक जल स्रोतों को तेजी से क्षीण कर

दिया है। ऐसे समय में पानी की प्रत्येक बूंद को सहेजना मानवता का सबसे बड़ा दायित्व बन गया है। जल संकट की गंभीरता केवल पानी की कमी तक सीमित नहीं है। भू-जल स्तर का निरंतर गिरना, नदियों का प्रदूषित होना, पारंपरिक जल स्रोतों का लुप्त होना और वर्षा जल का व्यर्थ बह जाना इस संकट के प्रमुख कारण हैं। गांवों और नगरों की जीवन रेखा रहे तालाब, बावड़ियां और कुएं आज उपेक्षा, अतिक्रमण और कचरे के बोझ तले दम तोड़ रहे हैं। कृषि और उद्योगों में भूजल के अंधाधुंध दोहन ने स्थिति को और अधिक विकट बना दिया है। ऐसी चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में जल गंगा संवर्धन अभियान आशा की एक सशक्त किरण बनकर उभरा है। यह अभियान केवल सरकारी योजना नहीं, बल्कि जनभागीदारी पर आधारित एक सामाजिक आंदोलन है, जिसका मूल मंत्र है—जन सहयोग से जल संरक्षण और संवर्धन। मैंने स्वयं अपने विधानसभा

क्षेत्र नरसिंहपुर तथा गृह नगर गेटोगांव में सिंगरी नदी के पुनर्जीवन के लिए सफाई अभियान चलाकर जल स्रोतों के संरक्षण का प्रयास किया है। मैं सदैव आह्वान करता हूँ—नदियों को नाला बनाना बंद करें। नदी का उद्गम स्थल ऊर्जा का केंद्र होता है और जहां नदियों का संगम होता है, वहां जीवन की नई संभावनाएं जन्म लेती हैं। इसलिए नदियों के उद्गम और उनके प्राकृतिक स्वरूप की रक्षा करना हमारा सामूहिक दायित्व है। जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत पुराने तालाबों, कुओं, बावड़ियों और नदियों का जीर्णोद्धार किया जा रहा है। वर्षा जल संचयन को बढ़ावा दिया जा रहे है ताकि बारिश का पानी धरती में समाहित होकर भू-जल स्तर को पुनर्जीवित कर सके। जल स्रोतों के आसपास व्यापक पौधरोपण किया जा रहा है, जिससे जल संरक्षण मजबूत हो सके। जल की हर बूंद भविष्य के लिए जरूरी है। यदि हम जल को सहेजेंगे, तभी भविष्य सुरक्षित रहेगा।

सटाका

श्रॉति वार्ता

आज की पाती

जरूरत से ज्यादा विनम्र होना भी ठीक नहीं

जरूरत से ज्यादा विनम्र होना और किसी को अधिक सम्मान देना भी आज के समय में कई बार एक बड़ी सुर्खता प्रतीत होती है। वे लोग आपको/हमें लाभमा उनका दास ही समझने लगते हैं, विशेषकर बड़े प्रशासनिक अधिकारियों और राजनीतिक नेताओं के विषय में। मुख्यतः, यदि कुछ प्रशासनिक अधिकारी ईमानदार और पुरातः सैवैज्ञानिक विषयों, कार्यों में भी सहयोग नहीं करते हैं, तो ऐसे अधिकारियों के विरुद्ध निर्भीक होते हुए कानूनी तरीके से निःसंकोच होकर अवश्य ही अपनी आवाज बुलंद करनी चाहिए। हमारा पूर्ण मर्यादा में रहते हुए, उन लोगों को भी कुछ संको/अव महसूस होनी चाहिए। ये हम सभी को बिल्कुल स्पष्ट होना चाहिए कि बड़े से बड़े प्रशासनिक अधिकारी और चुने हुए प्रतिनिधि जनता की सेवा करने के लिए ही होते हैं, जनमानस-नागरिकों पर राज करने के लिए नहीं।
- मनोज कुमार, समाजतज्ञ, पानीपत

करंट अफेयर

थ्येनआनमन स्वचायर पर नहीं जाने की चेतावनी

चीन का प्रशासन 1989 में थ्येनआनमन स्वचायर पर विद्यार्थियों के नेतृत्व में हुए लोकतंत्र समर्थक प्रदर्शनों के खिलाफ की गयी सैन्य कार्रवाई की यादों को मिटाने के लिए हरसंभव प्रयास कर रहा है। इस वर्ष प्रशासन ने इस घटना के पीड़ितों के परिजनों को बताया कि उन्हें बरसों पर बीजिंग के एक कब्रिस्तान में जाने की अनुमति नहीं दी जाएगी यह घटना बहुरूपतिवार को आज के ही दिन 37 साल पहले घटी थी। यह जनमानस से इस घटना को पूरी तरह मिटाने के लिए वर्षों से जारी अभियान का एक और कड़ा कदम है। मामले की जानकारी रखने वाले एक व्यक्ति ने नाम न छापने की शर्त पर बताया कि पुलिस ने इस कार्रवाई में जान गंवाने वाले लोगों के परिजनों को बताया कि उन्हें बरसी पर बीजिंग के एक कब्रिस्तान में जाने की अनुमति नहीं दी जाएगी। एमनेस्टी इंटरनेशनल के अनुसार, इस घटना में मारे गये लोगों के परिजन पिछले 30 सालों के दौरान पुलिस की निगरानी में कब्रिस्तान में जाकर श्रद्धांजलि देते रहे हैं। ये परिजन, ‘थ्येनआमन मदर्स’ नाम के एक समूह से जुड़े हैं। चीनी सेना ने वर्ष 1989 में थ्येनआनमन चौक पर प्रदर्शकारियों को पकड़ने से रोकने की कोशिश करने वाली भीड़ को कुचलते हुए हजारों लोगों को मार गिराया था।

ऑफ बीट

दर्द का आकलन ‘लाई डिटेक्टर टेस्ट’ की तरह नहीं हो सकता

आधुनिक मस्तिष्क स्कैनिंग तकनीक और कुत्रिम बुद्धिमत्ता (आईई) के बढ़ते उपयोग के बीच वैज्ञानिकों ने चेतावनी दी है कि किसी व्यक्ति के दर्द का आकलन ‘लाई डिटेक्टर टेस्ट’ (झूठ पकड़ने वाली मशीन से जांच) की तरह नहीं किया जा सकता, क्योंकि दर्द एक व्यक्तिगत अनुभव है जिसे केवल तकनीकी संकेतों के आधार पर प्रमाणित या खारिज नहीं किया जा सकता। वैज्ञानिकों का कहना है कि पुराना या दीर्घकालिक दर्द अक्सर दिखाई नहीं देता, लेकिन इसका असर व्यक्ति के जीवन पर गहरा पड़ता है। वैज्ञानिक ने दावा किया कि मस्तिष्क स्कैन में कोच के दर्द के संकेत दिखाई दे रहे हैं। इसके बाद मामला उस राशि से दस गुना अधिक पर सुलझा, जितनी राशि नियोजता पहले देने को तैयार था। विशेषज्ञों का कहना है कि यह निष्कर्ष वैज्ञानिक रूप से उतना स्पष्ट नहीं है जितना प्रतीत होता है। उनका तर्क है कि यदि कोई विशेषज्ञ यह दावा कर सकता है कि स्कैन में दर्द दिखाई दे रहा है, तो वही तकनीक किसी दूसरे मामले में यह भी निष्कर्ष निकाल सकती है कि व्यक्ति दर्द का नाटक कर रहा है। यही स्थिति इस तकनीक को विवादास्पद बनाती है। वैज्ञानिकों के अनुसार, पुराना दर्द उन चिकित्सीय स्थितियों में से एक है जिन पर अक्सर संदेह किया जाता है।

टैंड

कल्याणकारी राजनीति

पिछले एक दशक में, भारत में मोदी जी के नेतृत्व में कल्याणकारी राजनीति का स्थापित हुआ है और यह सेवा, सुरासन और सशक्तिकरण के एक नए मॉडल ने तदीही हो गई है।
- सयाद चौधरी, सीएन, बिहार

कबीले के साथ विश्वासघात

जो आपने ही कबीले के साथ विश्वासघात करते हैं..वे अत नै दुष्टी आलाओं के रूप में भटकते रहते हैं! कुछ लोग बड़े-बड़े दावे करने के लिए मोहरे बान रहे हैं; अगर मोहरा बनना ही है, तो कब नै कम कुछ बेइतद्द बाने—सिर्फ एक सिपाही बनकर रहना ठीक नहीं है।
- अखिलेश यादव, सांवद, सपा

माजपा की अक्षमता

मोदी सरकार न केवल स्वास्थ्य सेवा और पोषण को लेकर भारत की महिलाओं और बच्चों को धोखा देती है, बल्कि यह जानबूझकर महत्वपूर्ण डेटा भी छिपाती है जो इसकी विफलताओं को उजागर करता है। एनएफएचएस-6 डेटा से माजपा की पूर्ण अक्षमता उजागर हो गई है।
-मलिकाजुन्न खरगे, कांग्रेस अध्यक्ष

अपार जनविश्वास

मोदी सरकार को विरासत में एक कगबूत अर्थव्यस्था, सुदृढ़ संस्थाएं और अपार जनविश्वास मिला था। लेकिन महज एक दशक में इसने इन तीनों को कगबूत कर दिया है। मोदी जी का समय समाप्त हो गया है।
-नाईस शर्मा, कोयलास्थ, आंध्र प्रदेश

अपने विचार हरिमिले कार्यालय

पीबी-2, चतुर्थ तल, मानसरोवर कॉम्प्लेक्स, वार्ड नं. 50, शिवाजी नगर, निकट रावनी कमलापति रेल्वे स्टेशन, होशंगाबाद रोड, भोपाल, (म.प्र.) 462016
aapkepatra.haribhoomi@gmail.com
पर भेज सकते हैं।

अग्निकांड मामले में आरोपी और होटल ‘फ्लोरिश स्टेज’ के मालिक बजाज को 4 दिन की कस्टडी में भेजा, कई धाराओं में मामला भी दर्ज कर लिया

एजेंसी ►►नई दिल्ली

मालवीय नगर अग्निकांड मामले में आरोपी और होटल ‘फ्लोरिश स्टेज’ के मालिक लवकेश बजाज को गिरफ्तार कर गुरुवार को न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी भानु प्रताप सिंह की कोर्ट में पेश किया गया। साकेत कोर्ट ने उन्हें 4 दिन की पुलिस हिरासत में भेज दिया है। सुनवाई के दौरान पुलिस ने 4 दिनों की कस्टडी की मांग की थी। होटल का मैनेजर जय मिश्रा अभी पुलिस की पहुंच से दूर है जिसकी तलाश की जा रही है। होटल के को-ओनर को गिरफ्तार कर लिया। इन पर गैर-इरादतन हत्या, लापरवाही और फायर सेफ्टी नियमों के घोर उल्लंघन की धाराएं लगाई गई हैं। गिरफ्तार मालिक की आसपास के इलाके में ही इसी तरह के दो और होटल-रेस्तरां चल रहे हैं।

दिल्ली आग मामले में कम नहीं हो रही परेशानी

दिल्ली में कम से कम 2 और ऐसे होटल-रेस्तरां चल रहे



फॉरेंसिक टीम नौके पर पहुंची

अधिकारियों ने लिया जायजा

अग्निकांड के बाद आज फॉरेंसिक टीम मौके पर पहुंची है। मामले की जांच कर रही है। तेज बारिश भी हो रही है। वहीं आंधी तूफान में होटल से शीशे नीचे गिर रहे हैं। इससे होटल के आसपास मौजूद लोगों में भगदड़ मच गई। पुलिस कर्मी भी बैठे थे जो की दूर हो गए हैं।

बुरी तरह जल गए शव... फोटो देखकर भी पहचान नहीं पा रही

एम्स और सफदरजंग अस्पताल के बाहर बुधवार को सिर्फ भीड़ नहीं थी, वहां बिखरे हुए परिवार थे।



पहचानने की कोशिश कर रहा था। मौत के बाद सबसे दर्दनाक लड़ाई अब पहचान की है। आग इतनी भयावह थी कि कई शव बुरी तरह जल गए। कई परिवार अपने ही लोगों को देखकर पहचान नहीं पा रहे। एक रिश्तेदार की सिसकियां अस्पताल की दीवारों से टकरा रही थीं।

विदेशी कपल तो ऐसे जल गया

इस हादसे में एक विदेशी (अफ्रीकी) कपल अपनी जान बचाने के लिए एक बाथरूम में छिप गया था, जहां महिला का सिर पुरुष के कंधे पर टिका था और वे एक-दूसरे की बांहों में लिपटे हुए दम तोड़ते मिले।

रिसोप्शन लड़की भी जली

घायलों से मिलीं मुख्यमंत्री रेखा

मुआवजे का ऐलान, मृतक के परिजनों को 10 लाख और घायलों को 5 लाख

दिल्ली सरकार ने मालवीय नगर में होटल में लगी आग में मारे गए और घायल हुए लोगों के लिए मुआवजे की घोषणा की है। इससे पहले



पीड़ितों से मिलती सीएम रेखा गुप्ता

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने साकेत स्थित मैक्स अस्पताल का दौरा कर इस दुखद अग्निकांड में घायल हुए लोगों से मुलाकात की। उन्होंने घायलों और उनके परिवार वालों से बातचीत की। डॉक्टरों से घायल लोगों के इलाज के बारे में जानकारी ली। सभी

आवश्यक सहायता प्रदान करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि अस्पताल अधिकारियों के समन्वय से घायलों के इलाज के खर्च की व्यवस्था की जाएगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रत्येक मृतक के परिजनों को 10 लाख रुपए की अनुग्रह राशि प्रदान की जाएगी और गंभीर रूप से घायल लोगों को 5 लाख की सहायता राशि दी जाएगी।

बचाव कार्य में लगे अमिर खान ने बताया कि ग्राउंड फ्लोर और फर्स्ट फ्लोर पर भयंकर आग लगी थी। उन्होंने कहा कि आग बुझने के बाद भी मंजर इतना भयानक था कि कमजोर दिल वाला ईसान अंदर का हाल नहीं देख सकता। अंदर इतना धुंआं भरा था कि सांस लेना मुश्किल था। उन्होंने बताया कि फर्स्ट फ्लोर के रिसोप्शन पर बैठी लड़की उन्हें उसी हालत में जली हुई मिली।

खबर संक्षेप

पीएम मोदी सूत्र, दमन को आज देंगे सौगातें

नई दिल्ली। पीएम नरेंद्र मोदी शुक्रवार को सूत्र और केंद्र शासित प्रदेश दमन का दौरा करेंगे। इस

दौरान वे सूत्र में लगभग 18,800 करोड़ की विभिन्न विकास परियोजनाओं का उद्घाटन, राष्ट्र को समर्पण और आधारशिला रखेंगे। दमन में 2,970 करोड़ की परियोजनाओं का उद्घाटन करेंगे। सड़क प्रोजेक्ट को भी समर्पित करेंगे।

एडीएम की मौत की सीबीआई जांच होगी

तिरुवनंतपुरम। केरल सरकार ने पूर्व कन्नूर अतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट नवीन बाबू की मौत की जांच सीबीआई को सौंपने की सिफारिश की है। राजनीतिक रूप से संवेदनशील और बड़ा विवाद पैदा करने वाले मामले की जांच अब सीबीआई की निगरानी में होगी। यह फैसला सीएम ने लिया है।

हरियाणा खालिस्तान बनेगा, धमकी दी

कुरुक्षेत्र। खालिस्तान नेशनल आर्मी के नाम से भेजे गए एक धमकी भरे ईमेल में कुरुक्षेत्र जिला के 2 मंदिरों को बम से उड़ाने की धमकी दी गई है। इनमें थानेसर के स्थाण्विधर मंदिर में 8 जून को मुख्यमंत्री नाथब

सिंह सैनी का दौरा प्रस्तावित है। दूसरा मंदिर पिहोवा का कार्तिकेय मंदिर है। इस तरह के ईमेल के बाद सुरक्षा एजेंसियां सतर्क हो गई हैं।

आज त्रिपुरा में शाह सीमा सुरक्षा की करेंगे समीक्षा

नई दिल्ली। भारत-बांग्लादेश सीमा पर सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत बनाने के उद्देश्य से केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह शुक्रवार को त्रिपुरा में सीमा सुरक्षा की समीक्षा करेंगे। वे बीएसएफ और अन्य सुरक्षा एजेंसियों की तैयारियों का भी आकलन करेंगे। शाह शुक्रवार को वह कई बैठकों और कार्यक्रमों में हिस्सा लेंगे।

अन्नामलाई के नई पार्टी की घोषणा की अटकलें

चेन्नई। तमिलनाडु में भाजपा को झटका लगा है। पूर्व अध्यक्ष के अन्नामलाई ने पार्टी से इस्तीफा दे दिया है। गुरुवार को का 42वां जन्मदिन है। सियासी गलियारों में हलचल इस बात को लेकर बढ़ गई है कि वह आज कोई बड़ी घोषणा कर सकते हैं। अन्नामलाई जल्द नई पार्टी की घोषणा कर सकते हैं।

एलओपी राहुल के ‘आर्थिक सुनामी’ वाले बयान पर भाजपा का हमला

विपक्ष के नेता देश में फैला रहे दहशत और अफवाह

एजेंसी ►►नई दिल्ली

राहुल गांधी के आर्थिक सुनामी वाले बयान पर भाजपा ने तीखा हमला बोला है। भाजपा ने राहुल गांधी से कहा है कि वह आम जनता के बीच दहशत फैलाना बंद करें। भाजपा के आईटी सेल के मुखिया, अमित मालवीय ने तर्क दिया कि ईरान युद्ध से उपजे हालात का मुकाबला करने के लिए भारत पूरी तरह से तैयार है। उन्होंने आर्थिक और रणनीतिक संकेतों का हवाला देते हुए कहाकि भारत अपनी हिफाजत करने में सक्षम है। मालवीय ने राहुल से आग्रह किया कि वह भय न बेंचें। साथ ही यह दावा किया कि भारत की आर्थिक सुरक्षा प्रणालियां यूपीए काल के दौरान कमजोर हो गई थीं। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने बुधवार को दावा किया था कि मोदी एक साल के भीतर प्रधानमंत्री नहीं रहेंगे क्योंकि चीजों को नियंत्रित करने का उनका जो सिस्टम था, वह ध्वस्त हो रहा है। मोदी सरकार जनता के दबाव को कुचलने के लिए आपातकाल जैसा कदम उठा सकती है।

भाजपा के आईटी सेल के मुखिया मालवीय ने कहा- भय न फैलाएं



आर्थिक संकेतों का हवाला दिया

मालवीय ने राहुल के दावे को धता बताते हुए कई आर्थिक संकेतों का हवाला दिया है। उन्होंने कहा कि मई 2026 में ई-वे बिल जेनरेट करने में 12.9 फीसदी का इजाफा हुआ है। मैन्यूफैक्चरिंग और सर्विसेज एक्टिविटी भी मजबूत रही है। दोनों की पीएमआई 56.6 और 58.9 फीसदी रही है। वहीं, रिटेल इन्फ्लेशन अप्रैल में 3.48 फीसदी रहा है जो आरबीआई के टारगे से नीचे है। इसके अलावा विदेशी निवेश ने वित्तवर्ष 2026 में 94.5 बिलियन की ऊंचाई को छुआ है।

सरकार के उपायों की दी जानकारी

उन्होंने कहा कि जब दुनिया में कच्चे तेल की कीमतें बढ़ीं तो पेट्रोल और डीजल पर उत्पाद शुल्क में कटौती ने उपभोक्ताओं को राहत दी। थरेलु उपलब्धता की रक्षा और मुद्रास्फीति को नियंत्रित करने के लिए आवश्यकतानुसार आपूर्ति में हस्तक्षेप और निर्यात प्रतिबंधों का उपयोग किया गया।

सरकार कर रही मजबूत

करने का काम मालवीय ने कहा कि केंद्र ने सतही कोयला और लिग्नाइट गैसीफिकेशन प्रोजेक्ट के लिए 37,500 करोड़ मंजूर किए हैं। यह 75 मिलियन टन गैसिफिकेशन क्षमता बनाने, 2.5-3 लाख करोड़ के निवेश को बढ़ाएगा।

अग्निवीर सैनिकों व सरकार के बीच पवित्र रिश्ते को तोड़ रही : राहुल

हरिभूमि ब्यूरो ►► नई दिल्ली। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने गुरुवार को उत्तराखंड के पौड़ी गढ़वाल में आयोजित पूर्व सैनिक सम्मेलन को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से संबोधित करते हुए अग्निवीर योजना पर तीखा हमला बोला। खराब मौसम के कारण कार्यक्रम स्थल तक नहीं पहुंच पाने पर उन्होंने पूर्व सैनिकों से क्षमा मांगी और कहा कि सरकार तथा सैनिकों के बीच एक ‘पवित्र और अलिखित समझौता’



होता है, जिसे अग्निवीर योजना ने तोड़ दिया है। राहुल गांधी ने कहा कि सेना में शामिल होने वाला प्रत्येक जवान देश की रक्षा के लिए अपना जीवन समर्पित करता है और बदले में सरकार की जिम्मेदारी होती है कि वह उसके

तथा उसके परिवार के भविष्य की सुरक्षा सुनिश्चित करे। उनका आरोप था कि अग्निवीर योजना इस व्यवस्था को कमजोर करती है। उन्होंने दोहराया कि कांग्रेस सत्ता में आने पर इस योजना की समीक्षा कर उसे समाप्त करेगी। पूर्व सैनिकों को संबोधित करते हुए राहुल गांधी ने उत्तराखंड की सैन्य परंपरा की सराहना की और कहा कि राज्य के युवाओं ने हर युद्ध और हर मोर्चे पर देश की रक्षा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

दिल्ली-एनसीआर में तूफानी बारिश

एजेंसी ►►नई दिल्ली

100 किमी प्रति घंटा की चली हवाएं, कई जगह गिरे पेड़, दिन में ही छा गया अंधेरा

तेज धूल भरी आंधी से जनजीवन ठहर गया



मौसम विभाग ने दी थी चेतावनी दिल्ली मौसम विभाग ने पहले दोपहर 2:00 बजे के आसपास दिल्ली में हल्की से मध्यम बारिश का पूर्वानुमान जताया था। इसके साथ मध्यम गरज-चमक, बिजली और तेज हवाएं चलेगी। हवाओं की रफ्तार 80 से 100 किलोमीटर प्रति घंटा रहने के आसार जताए थे।

टीएमसी की हार के बाद पार्टी में बगावत हो गई और तेज, अब तो ‘अपने’ ही उठाने लगे सवाल

पहली बैठक में ममता के तेवरों से भड़के विधायक, नेतृत्व पर ही दागे सवाल

एजेंसी ►►कोलकाता

पश्चिम बंगाल में टीएमसी अपना वजूद बचाने की चुनौती से जूझ रही है। टीएमसी के 80 में से 60 विधायकों के पार्टी से बगावत करने का दावा किया जा रहा है। बंगाल चुनाव में मिली हार के बाद विधायकों के बगावत करने का खुलासा अब पार्टी से निष्कासित नेता संदीपन साहा ने कर दिया है। साहा ने बताया कि बगावत की नींव चुनाव नतीजे आने के बाद छह मई को हुई पार्टी बैठक में ही पड़ गई थी। साहा ने बताया कि इस पूरे घटनाक्रम का ‘ट्रिगर पॉइंट’ पार्टी की चुनावी हार के बाद आया। उन्होंने कहा कि जब वे पार्टी की बैठक में शामिल हुए, तो सभी विधायकों को एक निर्देश जारी किया गया कि अभिषेक बेनर्जी के बारे में कोई भी आलोचनात्मक शब्द कहने की इजाजत नहीं होगी।

विधायकों के बगावत करने की वजह का खुलासा किया

अभिषेक की आलोचना न हो, ताली भी बगानी होगी



पूर्व विधायक शौकत मोल्ला के घर छाप

एनआईए ने गुरुवार को बांग्ला के दक्षिण बामुनिया इलाके में टीएमसी के पूर्व विधायक शौकत मोल्ला के घर की तलाश ली है। पश्चिम बंगाल के विधानसभा चुनाव से ठीक पहले दक्षिण बामुनिया इलाके में बम धमाका हुआ था। धमाके में एक शख्स की जान चली गई थी।

सुरेंद्रनाथ कॉलेज हथियार मागला

टीएमसी नेता परितोष दत्ता गिरफ्तार



सुरेंद्रनाथ कॉलेज हथियार मामले में हुई है। पुलिस आयुक्त ने पुष्टि की कि बर्धमान से गिरफ्तार किया है।

पूर्व मुख्यमंत्री ममता को लगा एक और बड़ा झटका

अब करीबी नेता चक्रवर्ती ने दिया मेयर पद से इस्तीफा

ममता बेनर्जी इस वक्त सबसे मुश्किल घड़ी का सामना कर रही हैं। 28 साल पुरानी पार्टी तुयमूल कांग्रेस एक हार से टूट गई है। इस बीच टीएमसी में ममता बेनर्जी के कई करीबी नेता उनका साथ छोड़ रहे हैं। अब कृष्ण चक्रवर्ती ने बिधानसभा म्युनिसिपैलिटी के मेयर पद से इस्तीफा दे दिया है।

गृह मंत्रालय भड़काऊ दिव्याणी

ममता पर एफआईआर दर्ज

गृह मंत्रालय को लेकर भड़काऊ बयान देने के मामले में बंगाल की पूर्व सीएम ममता बेनर्जी के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है। सिलीगुड़ी साइबर क्राइम पुलिस स्टेशन में केस दर्ज हुआ है।

ईरान की होर्मुज चाल फेल करेगा भारत

एजेसी ►►बगदाद

होर्मुज स्ट्रेट में चल रही ईरान और अमेरिका की नाकबंदी के बीच पड़ोसी देश इराक ने अपने कच्चे तेल के निर्यात को 3 गुना करने के लिए बड़ी योजना तैयार की है। इराक की कैबिनेट ने कुर्दिस्तान-तुर्की पाइपलाइन की मदद से अगले ढाई महीने में अपना निर्यात 220,000 बैरल प्रतिदिन 770,000 बैरल प्रतिदिन करने की योजना को मंजूरी दे दी है।

वहीं यूएई ने भी कहा है कि वह नई पाइपलाइन बना रहा है ताकि होर्मुज स्ट्रेट के बिना ही कच्चे तेल की आपूर्ति की जा सके। इन रास्तों के जरिए तेल को किर्कुक और कुर्दिस्तान तेल फ़िल्ड से तुर्की के भूमध्य सागर स्थित पोर्ट सैयहान तक पहुंचाया जाएगा। इससे इराक को एक दुर्लभ वैकल्पिक रास्ता मिल जाएगा जिससे वह कच्चे तेल का दुनिया को निर्यात कर सकेगा।

मित्र देश इराक और यूएई पाइपलाइन से भेजेंगे कच्चा तेल

इराक की कैबिनेट ने कुर्दिस्तान-तुर्की पाइपलाइन की मदद से अगले ढाई महीने में अपना निर्यात 220,000 बैरल प्रतिदिन 770,000 बैरल प्रतिदिन करने की योजना को मंजूरी दे दी है

इराक तुर्की स्थित पोर्ट पर भेजेगा कच्चा तेल

1

इराक से सीरिया से होते हुए भी भारत आयेगा तेल

2

यूएई से ओमान के फुजैरा पोर्ट से होता हुआ भारत पहुंचेगा कच्चा तेल

3



होर्मुज के रास्ते कच्चा तेल लेकर आता भारतीय जहाज ‘ ग्रीन आशा ’

फाइल फोटो

तेल आयात में इराक की हिस्सेदारी 24 प्रतिशत

इराक ने सीरिया के रास्ते से भी तेल निर्यात करने को मंजूरी दी है। इराक ने 33 डॉलर प्रति बैरल का डिस्काउंट भी ऑफर कर दिया है। इराक से भारी मात्रा में भारत भी तेल लेता है। इस छूट से भारत को भी फायदा हो सकता है। भारत के कुल आयात का 21 से 24 फीसदी हिस्सा इराकी तेल का होता है।

यूएई की पाइपलाइन का 50 प्रतिशत काम पूरा

यूएई की द अबुधाबी नैशनल ऑयल कंपनी एक पाइपलाइन पर काम कर रही है जो पश्चिमी तेल क्षेत्र को फुजैरा पोर्ट को जोड़ेगी जो ओमान की खाड़ी में है।

► **ईरान से युद्ध को सीमित करने वाला प्रस्ताव पारित**

अब राष्ट्रपति ट्रंप को लेनी होगी मंजूरी



कार्रवाई से पहले अमेरिकी संसद की मंजूरी लेने की मांग की गई है। यह पहली बार है जब प्रतिनिधि सभा ने इस तरह का प्रस्ताव पारित किया है। प्रतिनिधि सभा में यह प्रस्ताव 215 के मुकाबले 208 मतों से पारित हुआ।

ट्रंप का आरोप: डेमोक्रेट्स देश को नुकसान पहुंचा रहे

प्रस्ताव पारित होने के बाद ट्रंप ने डेमोक्रेट्स पर आरोप लगाया कि वे देश को नुकसान पहुंचाना चाहते हैं। उन्होंने ट्यू सोशल पर एक पोस्ट में लिखा कि चार खराब रिपब्लिकन और सभी डेमोक्रेट्स ने मिलकर मेरी युद्ध शक्तियों को सीमित करने के लिए वोट किया।

खबर संक्षेप

कुवैत में घायलों से मिली भारत की राजदूत त्रिपाठी कुवैत सिटी। कुवैत में भारत की राजदूत पारमिता त्रिपाठी ने उन भारतीय नागरिकों से मुलाकात की, जो कुवैत अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर हुए हमले में घायल हुए हैं। उन्होंने घायल भारतीयों को दूतावास की तरफ से हर संभव सहायता देने का भरोसा दिया। राजदूत कुवैत के सेंट्रल मॉचुरी (शवगृह) भी गईं, जहां उस भारतीय नागरिक का पार्थिव शरीर रखा गया है जिसकी इस हमले में जान चली गई। राजदूत ने क्रिमिनल एविडेंस विभाग के जनरल मैनेजर ब्रिगेडियर अब्दुल रहीम अल-अवधी से भी मुलाकात की।

मेजर प्रभात मिश्रा को यूएस में मिले दो अवार्ड

नई दिल्ली। भारतीय सेना के मेजर प्रभात मिश्रा को अमेरिका के कंसास स्थित फोर्ट लीवनवर्थ में यूएस आर्मी कमांड एंड जनरल स्टाफ कॉलेज के कमांड एंड जनरल स्टाफ ऑफिसर कोर्स के दीर्घांत समारोह में सम्मानित किया गया। उन्हें विरर-ब्रूक्स अवॉर्ड फॉर आउटस्टैंडिंग मास्टर ऑफ मिलिट्री आर्ट्स एंड साइंस थीसिस और जनरल डगलस मैकआर्थर मिलिट्री लीडरशिप राइटिंग अवॉर्ड मिला। यह कोर्स 10 महीने का उन्नत सैन्य नेतृत्व कार्यक्रम है, जिसमें इस बैच में 951 अधिकारियों ने भाग लिया।

पीएम मोदी और वेनेजुएला की कार्यवाहक राष्ट्रपति रोड्रिगेज की अहम बैठक

दवा उद्योग, निवेश व्यापार और परिवहन पर भी विशेष फोकस

हरिभूमि ब्यूरो ►►नई दिल्ली

पांच दिवसीय भारत दौरे पर आई वेनेजुएला की कार्यवाहक राष्ट्रपति डेल्ली रोड्रिगेज ने पीएम नरेंद्र मोदी से विस्तृत और व्यापक बातचीत की। दोनों नेताओं ने भारत-वेनेजुएला द्विपक्षीय संबंधों के पूरे दायरे की समीक्षा की और विभिन्न क्षेत्रों में सहयोग को और मजबूत बनाने पर चर्चा की। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ‘एक्स’ पर बताया कि बैठक में ऊर्जा सुरक्षा, व्यापार, निवेश, दवा उद्योग, स्वास्थ्य सेवाओं, परिवहन और नवीकरणीय ऊर्जा और ऑटोमोबाइल उद्योग जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में सहयोग के नए अवसरों पर विचार-विमर्श किया गया।

ऊर्जा सुरक्षा और विकास के क्षेत्र में साथ काम करने पर बनी सहमति

बैठक में ऊर्जा सुरक्षा, व्यापार, निवेश, दवा उद्योग, स्वास्थ्य सेवाओं, परिवहन और नवीकरणीय ऊर्जा और ऑटोमोबाइल उद्योग जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में सहयोग के नए अवसरों पर विचार-विमर्श किया गया

◆ ‘ग्लोबल साउथ’ के हितों को बढ़ाने पर जोर



पीएम नरेंद्र मोदी और वेनेजुएला की कार्यवाहक राष्ट्रपति रोड्रिगेज बातचीत करते हुए

निवेश अवसरों पर हुई बातचीत



पीएम मोदी ने सिटीग्रुप चेयरपर्सन जेन फ्रेजर से की मुलाकात

पीएम नरेंद्र मोदी ने सिटीग्रुप की चेयरपर्सन और सीईओ जेन फ्रेजर से मुलाकात की। बैठक में भारत की तेज आर्थिक वृद्धि, निवेश अवसरों, वैश्विक पूंजी प्रवाह और ‘विकसित भारत 2047’ के लक्ष्य को हासिल करने पर विस्तृत चर्चा हुई। पीएम मोदी ने बैठक में अपने विजन को साझा करते हुए आर्थिक विकास की रफ्तार तेज करने, भारतीय कंपनियों को वैश्विक बाजारों में विस्तार के अवसर प्रदान करने और देश में विदेशी निवेश बढ़ाने पर जोर दिया।

क्षेत्रीय मुद्दों पर भी हुई चर्चा

विदेश मंत्रालय के अनुसार, बातचीत के दौरान वैश्विक और क्षेत्रीय मुद्दों पर भी विचारों का आदान-प्रदान हुआ। दोनों पक्षों ने सहमति व्यक्त की कि बदलते वैश्विक परिदृश्य में भारत और वेनेजुएला के बीच सहयोग को और सशक्त बनाना आवश्यक है। बैठक में ‘ग्लोबल साउथ’ के हितों को आगे बढ़ाने पर विशेष ध्यान दिया गया।

‘सिटी इंडिया कॉन्फ्रेंस 2026’ में बोले केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल भारत बना वैश्विक निवेशकों की पहली पसंद देश की विकासगाथा में दुनिया जता रही भरोसा

एजेसी ►►नई दिल्ली

केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि दुनिया भर का दीर्घकालिक निवेश अब तेजी से भारत की ओर रुख कर रहा है। मुंबई में आयोजित ‘सिटी इंडिया कॉन्फ्रेंस 2026’ को वचुअली संबोधित करते हुए केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि हाल ही में न्यूयॉर्क और टोरंटो के प्रमुख निवेशकों के साथ हुई उनकी बैठकों में हर चर्चा में भारत की भविष्य की विकास यात्रा पर भरोसे को और मजबूत किया। उन्होंने कहा कि अब निवेशकों के सामने सवाल यह नहीं है कि भारत में निवेश करना है या नहीं, बल्कि यह है कि वे भारत की विकास गाथा को कितनी जल्दी पहचानते हैं और उसमें कितनी तेजी से भागीदारी करते हैं।

हर संकट को अवसर में बदला

गोयल ने कहा कि भारत ने हर संकट को अवसर में बदलने का काम किया है। देश ने बदलते भू-राजनीतिक और आर्थिक हालात के अनुरूप अपनी प्रक्रियाओं और कारोबारी रणनीतियों को ढाला है, जबकि व्यापार, विनिर्माण, निवेश और उद्योग के लिए आकर्षक गंतव्य बना हुआ है। उन्होंने भारत-कनाडा मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) को लेकर मिले सकारात्मक संकेतों और पेंशन फंड, बीमा कंपनियों तथा अन्य संस्थागत निवेशकों की मजबूत रुचि का उल्लेख किया। गोयल ने कहा कि भारत को दुनिया का सबसे भरोसेमंद निवेश गंतव्य बताया।

राष्ट्रपति पुतिन ने की पीएम मोदी की तारीफ कहा- वे झुकने वाले नेता नहीं उन पर दबाव बनाना असंभव

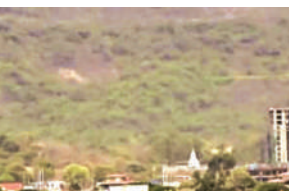


एजेसी ►►मॉस्को

रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने भारत और पीएम नरेंद्र मोदी की जमकर तारीफ की है। उन्होंने सेंट पीटर्सबर्ग इंटरनेशनल इकोनॉमिक फोरम में कहा कि अमेरिका भारत पर रूस से दूरियां बनाने के लिए दबाव डाल रहा है। उनकी कोशिशें

बेअसर साबित हुई हैं। पीएम मोदी किसी के आगे झुकने वाले नेता नहीं हैं। भारत पर दबाव बनाना नामुमकिन है। पुतिन ने कहा भारत के साथ हमें मिलकर बहुत काम करना है। हमें पूरा भरोसा है कि आने वाले सालों में हम 100 अरब डॉलर का व्यापारिक लक्ष्य हासिल कर लेंगे। अभी यह लगभग 58-60 अरब डॉलर है। उन्होंने कहा कि भारत दुनिया की उन अग्रणी अर्थव्यवस्थाओं में से एक है जो सबसे ज्यादा आर्थिक विकास दिखा रही है। यह कड़ी मेहनत का नतीजा है। पुतिन ने विश्वास जताया कि दोनों देशों के संबंध और भी गहरे होंगे।

नवी मुंबई एयरपोर्ट पर उतरा सुखोई-30 एमकेआई



सामरिक शक्ति और सेन्य तैयारी का प्रदर्शन

मुंबई। भारतीय वायुसेना ने गुरुवार को एक नया इतिहास रच दिया। वायुसेना का अत्याधुनिक लड़ाकू विमान सुखोई-30 एमकेआई पहली बार वजी मुंबई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर उतरा। इस ऐतिहासिक क्षण का वहां मौजूद लोगों ने उत्साहपूर्वक स्वागत किया। सुखोई-30 एमकेआई भारतीय वायुसेना का प्रमुख बहुउद्देशीय लड़ाकू विमान है, जो वायु श्रेष्ठता स्थापित करने के साथ-साथ सटीक जमीनी हमले करने में भी सक्षम माना जाता है।

अरुणाचल प्रदेश को अपना हिस्सा बताने पर सीएम पेमा खांडू की चीन को दो टूक

यह 1962 वाला दौर नहीं, 2026 नए और विकसित भारत का युग

एजेसी ►►इटानगर

चीन बार-बार अरुणाचल प्रदेश को अपना हिस्सा बताता है। यहां तक कि अरुणाचल प्रदेश के कई जगहों के नाम भी खुद बदलता रहता है। एक बार फिर जब उसने यह हिमाकत की तो अरुणाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री पेमा खांडू ने दो टूक शब्दों में कहा कि चीन कौन होता है, हमारे बारे में बात करने वाला। हमारा सीमा चीन से नहीं बल्कि तिब्बत से लगती है।

ये भी बोले सीएम

हमारी सीमा चीन से नहीं तिब्बत से लगती है

हम चीन के दावों को गंभीरता से नहीं लेते हैं

अरुणाचल बेहद सुरक्षित

सीएम खांडू ने कहा कि अरुणाचल प्रदेश बेहद सुरक्षित है, और हमारी सीमा चीन से नहीं, बल्कि तिब्बत से लगती है। यह 1962 वाला दौर नहीं है। उस दौर के इंफ्रास्ट्रक्चर की तुलना आज के इंफ्रास्ट्रक्चर से करना सरासर गलत है। यह

2026 का युग है- नए भारत और विकसित भारत का युग। आजकल, हमारे सभी सीमा इलाकों में कश्मरी क्षेत्र से लेकर अरुणाचल प्रदेश तक, मैं विशेष रूप से सभी उत्तरी सीमाओं की बात कर रहा हूँ, जबरदस्त काम हुआ है।

अरुणाचल भारत का अभिन्न अंग

पेमा खांडू ने कहा कि अरुणाचल प्रदेश भारत अभिन्न और अविभाज्य हिस्सा था, है और हमेशा रहेगा। बता दें, बीजिंग अरुणाचल प्रदेश को जांगनाग यांनी दक्षिण तिब्बत का हिस्सा बताता है और दावा करता है कि यह क्षेत्र ऐतिहासिक रूप से तिब्बत से जुड़ा रहा है। अप्रैल 2026 में चीन ने अरुणाचल प्रदेश के भीतर स्थित कई पहाड़ों, दरों, नदियों और बस्तियों को नए चीनी नाम दिए। भारत ने इस कदम को शरारतपूर्ण और काल्पनिक दावों पर आधारित बताते हुए खारिज कर दिया था।

सप्लाई चेन को मिलेगी मजबूती

क्रिटिकल मिनरल्स ऑब्जर्वेटरी सेंटर का भारत व यूके ने किया उद्घाटन

एजेसी ►►नई दिल्ली

भारत और यूनाइटेड किंगडम (यूके) के बीच क्रिटिकल मिनरल्स के क्षेत्र में रणनीतिक साझेदारी को नई मजबूती मिली है। केंद्रीय कोयला एवं खान मंत्री जी. किशन रेड्डी और ब्रिटेन की विदेश मंत्री यवेटे कूपर ने संयुक्त रूप से भारत-यूके क्रिटिकल मिनरल्स ग्लोबल सप्लाई चेन ऑब्जर्वेटरी (जीएससीओ) सेंटेलाइट सेंटर का उद्घाटन किया। दोनों देशों के पीएम नरेंद्र मोदी और कीर स्टार्मर द्वारा वर्ष 2025 में क्रिटिकल मिनरल्स सप्लाई चेन ऑब्जर्वेटरी स्थापित करने की



जी. किशन रेड्डी और यवेटे कूपर घोषणा की थी। किशन रेड्डी ने कहा कि यह ऑब्जर्वेटरी दुनिया के सबसे बड़े डिजिटल मॉनेटरिंग प्लेटो मैप के प्रमुख केंद्र के रूप में कार्य करेगी। यह दुनिया भर में क्रिटिकल मिनरल्स की सुरक्षा, टिकाऊ और भरोसेमंद सप्लाई चेन विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

पुराने शहर में नए शहर की तुलना में हो रही अधिक वारदात, रोडरेज की घटना भी शामिल

हरिभूमि न्यूज ►►भोपाल

राजधानी में इस वर्ष चाकूबाजी की घटनाओं में एकाएक वृद्धि देखने को मिली है। बात अगर गत वर्ष की करें तो राजधानी में 200 फीसदी चाकूबाजी की घटनाएं बढ़ी हैं। गत दिनों कोतवाली इलाके में तीन दिन में सात वारदात हुए हैं। इसमें एक युवक की मौत भी हो गई। पुलिस के आंकड़ों के अनुसार, इस वर्ष 1 जनवरी से 30 अप्रैल के बीच हत्या के प्रयास (अटेम्प्ट टू मर्डर) के मामलों में पिछले वर्ष की तुलना में करीब 200 प्रतिशत की वृद्धि

एक महीने में बीस प्रकरण

केवल मई महीने में हत्या के प्रयास के करीब 20 और गैर-इरादतन हत्या के प्रयास के 21 मामले दर्ज किए गए। पुलिस के अनुसार मामूली विवाद, पुरानी रंजिश और युवाओं में बढ़ती आक्रामकता के कारण चाकूबाजी की घटनाएं बढ़ रही हैं। हाल ही में कोतवाली थाना क्षेत्र के इतवारा ट्रांसपोर्ट क्षेत्र का है। जहां गुस्सारा तड़के करीब 22 वर्षीय एक युवक पर अज्ञात हमलावर ने चाकू से ताबड़तोड़ हमला कर दिया। अशोका गार्डन में अपनी ही एक्स गर्लफ्रेंड और उसकी बड़ी बहन पर चाकू से ताबड़तोड़ हमला करने की घटना सामने आई है।

खबर संक्षेप

बाइक सवार बदमाशों ने किशोर का मोबाइल झपटा

भोपाल। छोला मंदिर थाना क्षेत्र स्थित बायपास पर गिरनार व्हेली परिसर के सामने बाइक सवार बदमाशों ने 17 साल के किशोर का मोबाइल झपट लिया। घटना बुधवार रात की बताई जा रही है। किशोर ने घटना की सूचना अपने पिता को दी। पिता उसे लेकर थाने पहुंचे और शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने झपटमारी का प्रकरण दर्ज कर बदमाशों की तलाश शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार संजीव कुमार पुरोहित (45) मूलतः ललितपुर उ्तर प्रदेश के रहने वाले हैं और गिरनार व्हेली में परिवार के साथ रहते हैं। वे प्राइवेट काम करते हैं। उन्होंने पुलिस को शिकायत करते हुए बताया कि उनका बेटा पुष्कल पुरोहित बुधवार रात घर के सामने टहल रहा था और मोबाइल पर बात कर रहा था। इसी दौरान पीछे से आए बाइक सवार बदमाशों ने उसके हाथ से मोबाइल झपट लिया। झपटे गए मोबाइल की कीमत दस हजार रुपए है।

डॉ. विनय गरीबों का करते हैं सस्ता इलाज

औबेदुल्लागंज। भोजपुर क्षेत्र के वरिष्ठ चिकित्सक और भाजपा के कार्यकर्ता डॉ. कैलाश विनय पिछले 44 वर्षों से राजनीति और समाज सेवा में सक्रिय हैं। मध्य प्रदेश मछुआ कल्याण बोर्ड के अध्यक्ष के रूप में कैबिनेट मंत्री का दर्जा प्राप्त कर कुछ डॉ. विनय ने औबेदुल्लागंज भाजपा मंडल अध्यक्ष और म.प्र. मछुआरा प्रकोष्ठ के प्रदेश संयोजक जैसी कई अहम जिम्मेदारियां निभाई हैं। उन्होंने पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी, पूर्व मुख्यमंत्री सुंदरलाल पटवा, केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान और पूर्व विदेश मंत्री स्व. सुषमा स्वराज जैसे दिग्गज नेताओं के चुनाव कार्यों का कुशल संचालन किया है। गुजरात, बड़ोदरा और कर्नाल सहित देश के तीन दर्जन से अधिक विधानसभा, लोकसभा व उपचुनावों में अपनी सक्रिय भागीदारी निभाने वाले डॉ. विनय वर्तमान में सहकारिता प्रकोष्ठ के प्रदेश सदस्य और चिकित्सा प्रकोष्ठ के प्रदेश सदस्य के रूप में कार्यरत हैं। डॉ. कैलाश विनय आज भी औबेदुल्लागंज में गरीबों और असहाय लोगों का सस्ता व उत्तम इलाज कर रहे हैं।

एसपीएम कॉलेज में 31 विद्यार्थी शॉर्टलिस्ट

भोपाल। राजधानी स्थित शासकीय डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी महाविद्यालय में स्वामी विवेकानंद करियर मार्गदर्शन प्रकोष्ठ के तत्वावधान में गुरुवार को जय अंबे एमरजेंसी सर्विसेज जेआईएस (एम्बुलेंस -108) द्वारा इमरजेंसी रिसपास ऑफिसर पद के लिए कैंपस ड्राइव का आयोजन किया गया। इस अवसर पर कंपनी के एचआर रचित श्रीवास्तव उपस्थित रहे। ड्राइव में 31 विद्यार्थियों को शॉर्ट लिस्ट किया गया। शॉर्टलिस्ट किए गए विद्यार्थियों का सेकंड राउंड कैपिटल मॉल स्थित हेडऑफिस में आयोजित किया जाएगा।

थुगांक			
कल्याण:	2716		
दिन:	800	83	247
रात:	133	72	679
तिन:			
दिन:	789	40	226
रात:	489	15	267

राजधानी में बढ़ीं अचानक चाकूबाजी की घटनाएं गत वर्ष की तुलना में दो सौ फीसदी बढ़ीं वारदात

घर से बुलाकर ले गया दोस्त, फिर चाकू से गोदा, अस्पताल में मौत

कोतवाली में गत दिनों दो दोस्तों में दर रात हुए विवाद के बाद एक दोस्त ने दूसरे दोस्त को चाकू से गोद दिया। करीब दर्जनभर धांव चाकू के होने के कारण अस्पताल में इलाज के दौरान युवक की मौत हो गई। पुलिस के अनुसार मोतीलाल नगर पुलिसिया के पास करौद निवासी मुईन खान (19) बेटी आँटो चलाता था। साजिद नामक उसका दोस्त उसे घर से बुलाकर ले गया था। रात करीब तीन बजे दोनों कोतवाली थाना क्षेत्र स्थित इतवारा रोड पहुंचे। वहां किसी बात को लेकर दोनों के बीच विवाद हो गया। उसी दौरान साजिद ने अपनी जेब से चाकू निकालकर मुईन पर ताबड़तोड़ वार कर दिए। पेट, सीने और चेहरे सहित पीठ पर उसे करीब दर्जनभर गंभीर चोटें आई थीं। प्राइवेट वाहन से लोगों ने उसे हमीदिया अस्पताल में भर्ती कराया। वहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।

कैफे संचालक को मारा चाकू

कोतवाली क्षेत्र में मामूली सी बात पर तीन बदमाशों ने कैफे संचालक पर चाकू से हमला कर दिया। इतवारा क्षेत्र में रोडरेज के दौरान यह घटना घटी। 36 वर्षीय कैफे संचालक पर तीन अज्ञात स्कूटर सवार युवकों ने हमला कर दिया।

आरोपियों के खिलाफ सख्त धाराओं में की जा रही कार्रवाई

शहर में होने वाली हर चाकूबाजी की घटना को गंभीरता से लिया जा रहा है और आरोपियों के खिलाफ सख्त धाराओं में कार्रवाई की जा रही है।

पुलिस आयुक्त संजय कुमार

पति का आरोप-शराब की बोतलें व हड्डियां फेंकने पर पड़ोसी से हुआ विवाद

पड़ोसी रिश्तेदार से विवाद के बाद नव विवाहिता ने फांसी लगाकर दी जान

हरिभूमि न्यूज ►►भोपाल

अशोका गार्डन थाना क्षेत्र स्थित सुंदर नगर में बुधवार रात एक नव विवाहिता ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। उसके पास से सुसाइड नोट नहीं मिला है। पति ने आरोप लगाया है कि रिश्तेदारों से परेशान ही पत्नी ने फांसी लगाई है। पड़ोस में रहने वाला रिश्तेदार चार-पांच लोगों के शराब पार्टी कर उनके घर के सामने शराब की खाली बोतलें व हड्डियां फेंक देता था। आत्महत्या से पहले पड़ोसी से उनका इसी बात को लेकर विवाद भी हुआ था। पुलिस ने मर्ग कायम कर शव पीएम के बाद परिजन को सौंप दिया है।

पुलिस के अनुसार डबल डीपी के पास सुंदर नगर अशोका गार्डन निवासी सुनील कुशवाहा प्राइवेट काम करते हैं। उनकी पत्नी जूली कुशवाहा (28) गृहणी थीं। सुनील कुशवाहा और जूली के दो साल और छह महीने के दो बच्चे हैं। सुनील बुधवार रात करीब 9 बजे वह सब्जी लेने बाजार गए थे। करीब 20-25 मिनट बाद घर लौटे तो कमरे में उनकी पत्नी जूली फांसी के फंदे पर लटक मिलीं। दोनों बच्चे वहीं पास बैठकर रो रहे थे। किसी तरह फंदे से उतारकर वह पत्नी को लेकर पास के अस्पताल पहुंचे, वहां डॉक्टर ने चेक करने के बाद जूली को मृत घोषित कर दिया। सूचना मिलते ही पुलिस भी एफएसएल टीम के साथ मौके पर पहुंच गई। घटनास्थल का निरीक्षण करने के बाद पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। गुरुवार सुबह हमीदिया अस्पताल में पोस्टमार्टम के बाद शव परिजन को सौंप दिया है।



गंदगी से परेशान होकर तनाव में रहने लगी थी पत्नी

पति सुनील का कहना है कि पड़ोस में उनका रिश्तेदार परिवार के साथ रहता है। चार-पांच लोग शराब पार्टी कर शराब की खाली बोतलें और हड्डियां घर के सामने फेंक देते थे। इसी बात को लेकर आए दिन विवाद होता रहता है। पत्नी घर के सामने साफ-सफाई करती थी, लेकिन पड़ोसी रिश्तेदार गंदगी कर देता था। माहौल से परेशान होकर तनाव में रहने लगी थी। इसी जगह से उसकी तबीयत भी खराब रहने लगी थी। घटना से कुछ समय पहले भी पड़ोसियों से विवाद हुआ था। दोनों रिश्तेदारों के परिवार एक ही परिसर में रहते हैं। परिसर की जगह साझा करने को लेकर उनके बीच विवाद होता था। मामले की जांच की जा रही है।

शासकीय कार्य में बाधा पहुंचाने की धाराओं में एफआईआर दर्ज मुख्यमंत्री के कारकेड के पीछे बाइक से जाने का प्रयास, सूबेदार से की गाली-गलौज

हरिभूमि न्यूज ►►भोपाल

श्यामला हिल्स थाना क्षेत्र स्थित पॉलिटेक्निक चौराहा से गुजर रहे मुख्यमंत्री के कारकेड के पीछे जबरन बाइक ले जाने का प्रयास कर रहे बाइक सवारों को सूबेदार ने रोका तो आरोपियों ने उनसे गाली-गलौज और झमाझटकी कर दी। सूबेदार और साथ मौजूद स्टाफ ने एफआरवी को घटना की जानकारी दी। एफआरवी मौके पर पहुंची और आरोपियों को थाने ले गई। वहां उनके खिलाफ शासकीय कार्य में बाधा पहुंचाने की धाराओं में एफआईआर दर्ज की गई।

पुलिस के अनुसार सूबेदार जितेन्द्र कुमार अटेरिया, यातायात में

पदस्थ हैं। उन्होंने शिकायत करते हुए बताया कि बुधवार शाम करीब 4 से 5 बजे के बीच मुख्यमंत्री का कारकेड मुख्यमंत्री निवास से स्टेट हैंगर जा रहा था।

कारकेड के पॉलिटेक्निक चौराहा से निकलने के पहले थे ट्रैफिक रोका गया। इसके बाद कारकेड निकाला गया। कारकेड निकलते ही एक बाइक पर सवार दो युवक आए। दोनों युवक जबरदस्ती कारकेड के पीछे जाने का प्रयास करने लगे। जितेंद्र अटेरिया ने उन्हें रकने का कहा, लेकिन वह जल्दबाजी करने लगे। जितेंद्र अटेरिया ने कहा कि कारकेड को कुछ दूर जाने दो इसके बाद बाइक लेकर जाना, पर वह मानने को तैयार

नहीं थे। बाइक चला रहे युवक ने मोहम्मद बिलाल (26) बैड मास्टर चौराहा कहने लगा कि मुझे अभी निकलना है।

इस बात को लेकर जितेंद्र और बिलाल की बहस होने लगी। इसी बीच आरोपी ने जितेंद्र अटेरिया की कार्लर पकड़ ली और उनकी जेब से मोबाइल निकाल लिया। वह गाली-गलौज कर रहा था। लिहाजा स्टाफ के अन्य लोगों ने उसे पकड़कर एफआरवी को सूचना दी। एफआरवी मौके पर पहुंची और आरोपी को थाने ले आईं। वहां बिलाल के खिलाफ शासकीय कार्य में बांधा पहुंचाने और गाली-गलौज की धाराओं में प्रकरण दर्ज किया गया।

मोबाइल अपडेट होते ही खाते से कट गए 2 लाख 44 हजार

पुलिस के अनुसार अंकित शिवहरे (48) लक्ष्मी परिसर, कजलीखेड़ा कोलार में रहते हैं और दवा कंपनी में नौकरी करते हैं। कंपनी के काम से उन्हें अक्सर दूर पर जाना पड़ता है। गत 5 मई को वह कंपनी के काम से नीमच आए थे। नीमच में उनका मोबाइल अचानक अपडेट होने लगा। उन्हें संदेह हुआ और उन्होंने मोबाइल की सिम निकाल ली। बावजूद इसके उनके मोबाइल से 2 लाख 44 हजार रुपए का

ट्रांजेक्शन हो गया। उन्हें खुद समझ नहीं आया कि उनके अकाउंट से पैसे कैसे कट गए। उनका कहना है कि उन्होंने न तो किसी लिंक पर क्लिक किया था और न ही उनके मोबाइल पर अपडेट का मैसेज आया था।

घटना की शिकायत उन्होंने तत्काल साइबर फ़्राइम के टोल फ्री नंबर पर की। वहां से केस डायरी कजलीखेड़ा पुलिस को सौंप दी गई है। अनुमान है कि उनका मोबाइल हैक किया गया है।

51 बच्चों का विधि-विधान से कल होगा समूहिक जनेऊ संस्कार साईं संजय देव का भोपल आगवन आज, निकलेगी भव्य शोभायात्रा

हरिभूमि न्यूज ►►संतनगर

पूज्य सुखराम दास मसंद अहमदाबाद दरबार के गद्दीनशीन साईं संजय देव मसंद साहेब 5 जून को संत नगर में 51 बच्चों के जनेऊ संस्कार के कार्यक्रम में आगमन हो रहा है। सुखशील सेवा ट्रस्ट द्वारा साईं का स्वागत किया जाएगा।

ट्रस्ट के गोप मूलानी व प्रकाश वीधानी ने बताया कि 5 जून को साईं का आगमन होगा। शाम 6 बजे शोभा यात्रा निकाली जाएगी, जो सुखशील दरबार से साधु वासवानी स्कूल तक जाएगी। शाम 7 बजे सत्संग सनी मूलचंदानी नवसारी वालों और गिरिश विधानी जूनागढ़ वालों का होगा। उसके बाद साईं संजय देव मसंद साहेब के आशीर्वाद वचन सत्संग साधु वासवानी स्कूल में होगा।



अहमदाबाद दरबार के गद्दीनशीन साईं संजय देव।

बहराणा साहेब कल

6 जून को सुबह 9 बजे बहराणा साहेब और 10 बजे 51 बच्चों का सामूहिक जनेऊ संस्कार साईं जी के आशीर्वाद और सनिध्य में पण्डित जय कुमार शर्मा द्वारा विधि विधान से कराए जाएंगे। यह कार्यक्रम सुखशील सेवा ट्रस्ट बैरागढ़ के द्वारा लगातार 10 वर्षों से किया जा रहा है।

स्थानीय प्रेस क्लब के अध्यक्ष व सदस्यों ने उठाई अवाज, बन रही रणनीति औबेदुल्लागंज स्टेशन पर कोरोना काल से बंद है कई ट्रेनों का स्टॉपेज, फिर से शुरू किया जाए

स्थानीय लोग लंबे समय से ट्रेनों के ठहराव की कर रहे मांग

हरिभूमि न्यूज ►►औबेदुल्लागंज

नगर के औबेदुल्लागंज रेलवे स्टेशन पर कोरोना काल से बंद पड़ी ट्रेनों के ठहराव (स्टॉपेज) को दोबारा शुरू कराने और नई ट्रेनों की मांग को लेकर स्थानीय प्रेस क्लब ने अपनी आवाज बुलंद कर दी है। प्रेस क्लब के तत्वावधान में आयोजित होने वाली एक विशेष बैठक में इस जनहित के मुद्दे पर आगामी रणनीति तैयार की जाएगी, जिसमें नगर और क्षेत्र के

गणमान्य नागरिकों का सहयोग तथा मार्गदर्शन लिया जाएगा। इस संबंध में प्रेस क्लब के अध्यक्ष भारत निहाल ने बताया कि कोरोना काल के समय से ही औबेदुल्लागंज स्टेशन पर नर्मदा एक्सप्रेस का स्टॉपेज बंद है, जिसे फिर से बहाल करने की मांग लंबे समय से उठ रही है। उन्होंने आगे कहा कि क्षेत्र के अशोक मित्तल, अशोक सेठी, गिरिश चावला, व्यापार महासंघ के अध्यक्ष जगदीश चंदानी, संजीव, प्रदीप अरोरा, कैलाश डब्बू, नरगर, नीरज चावला, विक्रम धाड़ी, आशीष दीक्षित, वागीश अग्रवाल, शीतल सरदार, प्रमोद सराठे और गगन सरदार ने ट्रेनों के स्टॉपेज की मांग की है।

सांसद व विधायक को सौंपेगे ज्ञापन

प्रेस क्लब के संरक्षक ऋषभ जैन, पुरुषोत्तम शर्मा, मनोज चौरसिया, हरजीत सिंह मग्गू व अन्य साथियों के सहयोग से क्षेत्र की रेल समस्याओं को लेकर एक ज्ञापन तैयार किया जाएगा, जिसे जल्द ही क्षेत्र के सांसद और विधायक को सौंपा जाएगा। इसके साथ ही एक प्रति सीधे डीआरएम को भी दिया जाएगा ताकि औबेदुल्लागंज में जबलपुर-राजकोट एक्सप्रेस, हबीबगंज-जबलपुर जनशताब्दी एक्सप्रेस, झेलम एक्सप्रेस, इंदरसिटी जंक्शनपुर और भोपाल-इंदरसिटी मेमू गाड़ी जैसी प्रमुख ट्रेनों का स्टॉपेज शुरू करें, जिससे लोगों की सुविधा मिल सके।

हरिभूमि न्यूज ►►भोपाल

बागसेवनिया थाना क्षेत्र स्थित टू-सी साकेत नगर के होटल में नाबालिगों से दुष्कर्म करने वाले आरोपियों को पुलिस ने गुरुवार को कोर्ट में पेश कर दिया। आरोपियों को दो दिन की रिमांड मांगी गई थी। कोर्ट से दो दिन की रिमांड मिल गई है। पुलिस ने गुरुवार को पृथताळ कर रही है।

उन्सें पृथताळ की जा रही है कि उन्होंने केवल दो नाबालिगों से ही दुष्कर्म किया और धर्म परिवर्तन का दबाव बनाया है या फिर और भी नाबालिग और युवतियों के साथ



उन्होंने इस तरह की घटना की है। हालांकि अब तक की पृथताळ में आरोपियों से केवल दो ही नाबालिगों के साथ दुष्कर्म और धर्म परिवर्तन कराने के दबाव की बात स्वीकारी है। पुलिस ने उक्त मामले में फैश, वासिद और अंशित को गिरफ्तार किया था।

पर्यावरण संरक्षण के लिए लोगों को बांटे पौधे

हरिभूमि न्यूज ►►भोपाल

विश्व पर्यावरण दिवस के उपलक्ष्य में ब्रह्माकुमारीज के क्षेत्रीय कार्यालय राजयोग भवन अरेंरा कॉलोनी सेवाकेंद्र द्वारा पर्यावरण संरक्षण के लिए जन जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें पर्यावरण संरक्षण के लिए लोगों को प्रेरित किया गया एवं पौधे वितरित किए गए। सेवाकेंद्र प्रभारी बी के नीता दीदी ने बताया कि ब्रह्माकुमारीज संस्था द्वारा आध्यात्मिकता के जरिए प्रकृतिपति परमात्मा और मानव में सामंजस्य बिठाया जा सकता है। उन्होंने सभी से आह्वान किया कि हम सब अपने अपने वाले भविष्य के लिए काम से कम प्रति वर्ष एक पौधा लगाए उस पौधे की संपालक करें और उसको बढ़ा कर आने वाली पीढ़ी का भविष्य सुरक्षित करें। शुद्ध विचारों से हम प्रकृति को भी शुद्ध वाइब्रेशन दे सकते हैं। इस अवसर पर बी के रॉनी रानी दीदी ने प्रकृति हमारी माँ है। माँ से प्रेम करें। इस अवसर पर पूर्व प्रिंसिपल चीफ कंजारेवेटिव ऑफ फारेस्ट डिपार्टमेंट पुरुषोत्तम धीमान ने सभी से पर्यावरण संरक्षण की अपील की।

कंपनी की एचआर से इंजीनियर ने होटल में किया दुष्कर्म

छोटी जाति का कहरकर शब्दी से किया इकार आरोपी को किया गिरफ्तार

भोपाल। शाहपुरा पुलिस थाना क्षेत्र में ऑंटोमोबाइल कंपनी की महिला एचआर की शिकायत पर कथित प्रेमी पर दुष्कर्म, दैहिक शोषण व एट्रोसिटी एक्ट की धाराओं के तहत प्रकरण दर्ज किया है। पॉडिता का आरोप है कि वर्ष 2022 से वह शादी का प्रलोभन देकर दुष्कर्म कर रहा था। बाद में जातिस्मृक शब्दों से अपमानित करने लगा और छोटी जाति का कहरकर शब्दी से इंकार कर दिया। पुलिस के अनुसार बंगरसिया इलाके में रहने वाली 23 साल की युवती एक ऑंटोमोबाइल कंपनी के शोरूम में एचआर है। वर्ष 2022 में युवती की दोस्ती इंजीनियर नरेन्द्र राजपूत से हुई थी। नरेन्द्र 11 मील इलाके का रहने वाला है। दोनों के बीच दोस्ती हुई और फिर प्रेम-प्रसंग शुरू हो गया। इस बीच शादी का प्रलोभन देकर आरोपी ने युवती के साथ शारीरिक संबंध बनाया शुरू कर दिए। अंतिम बार आरोपी ने ओरा माल के पास एक होटल में युवती के साथ संबंध बनाए थे। पुलिस का कहना है कि लंबे समय तक दैहिक शोषण करने के बाद आरोपी ने शादी करने से इंकार कर दिया। उसका कहना था कि छोटी जाति की होने के कारण मेरा परिवार शादी के लिए तैयार नहीं होगा। इस पर युवती ने शाहपुरा थाने में शिकायत की। तब आरोपी ने समझौता करते हुए एग्रीमेंट कर युवती से शादी करने की बात कही लेकिन बाद में अपने वादे से मुकर गया। महिला पुलिस अधिकारी का कहना है कि आरोपी नरेन्द्र राजपूत लगातार पॉडिता को परेशान कर रहा था। वह न तो शादी करने के लिए तैयार था और न ही उससे संबंध खत्म कर रहा था। युवती जब बात करना बंद कर देती तो आरोपी जबरन बात करने का दबाव बनाता था। आरोपी ने कई बार युवती के साथ माथपीट की और मगानगी करने से मना करने पर आत्महत्या करने की धमकी भी दी। पुलिस ने पॉडिता की शिकायत पर दुष्कर्म, मारपीट, जान से मारने की धमकी व एट्रोसिटी उमेत अन्ध धाराओं के तहत प्रकरण दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है।

भाजपा मंडल औबेदुल्लागंज की मासिक बैठक में लिया निर्णय केंद्र सरकार के सफल 12 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में 5 से 21 जून तक आयोजित होंगे कई कार्यक्रम

हरिभूमि न्यूज ►►औबेदुल्लागंज

भाजपा मंडल औबेदुल्लागंज की मासिक बैठक गुरुवार को संपन्न हुई। मंडल द्वारा केंद्र सरकार के सफल 12 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में 5 जून से 21 जून तक विभिन्न जनसंपर्क, सेवा, पर्यावरण संरक्षण एवं योग संबंधी कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

भाजपा मंडल अध्यक्ष डॉ. भूपेन्द्र नागर ने बताया कि अभियान के अंतर्गत विश्व पर्यावरण दिवस पर ‘एक पेड़ माँ के नाम’ अभियान चलाकर पौधरोपण किया जाएगा। इसके साथ ही केंद्र सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं के लाभार्थियों से संपर्क, सेवा बस्तियों में स्वच्छता अभियान, जनसंवाद कार्यक्रम, चौपाल, संगोष्ठी एवं विभिन्न सामाजिक गतिविधियों का आयोजन किया जाएगा। उन्होंने बताया कि अभियान का उद्देश्य प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में हुए विकास कार्यों एवं जनहितकारी योजनाओं की जानकारी आमजन तक पहुंचाना है।



मासिक बैठक में कार्यकर्ताओं को जानकारी देते डॉ. भूपेन्द्र नागर।

सरकार की उपलब्धियों से कराएंगे अवगत

अभियान के दौरान कार्यकर्ता घर-घर संपर्क कर केंद्र सरकार की उपलब्धियों से नागरिकों को अवगत कराएंगे। 21 जून अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर मंडल एवं बृथ स्तर पर सामूहिक योग कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इस अवसर पर बैठक में वरिष्ठ नेता कन्हैया नंदवंशी, अशोक यादव, माधव यादव, माखन परमार, प्रकाश लोधी, कोमल सिंह चौहान, शंकर पाल, पार्षद मनोज चौरसिया, पार्षद सुनील शेरिया, कैलाश पटेल, सुरजीत सिंह चौहान, अतर् सिंह राजपूत, शिवराज उईके, रूचेश चौहान आदि उपस्थित रहे।

बजरंग दल के सक्रिय कार्यकर्ताओं की मदद से पकड़ा ये आरोपी

नाबालिगों को अठावा कर होटल में लेजाकर दुष्कर्म करने वाले तीनों आरोपी दो दिन की रिमांड पर

अशोका गार्डन के होटल की तलाश

उल्लेखनीय है कि एक नाबालिग का दो महीने से दैहिक शोषण हो रहा था। उसने पुलिस को बताया कि अशोका गार्डन की होटल में शेफ के दोस्त ने वासिद ने अशोका गार्डन के होटल में उससे दो बार दुष्कर्म किया था। वह कहता था कि मुस्लिम धर्म अपना लो। वह अजान धर्म परिवर्तन नहीं करना चाहती थी और उसने वासिद से बातचीत करनी बंद कर दी। उसे शेफ भी कहला था कि तुम हमारा धर्म अपना लो। बुरखा पहनकर आया करो। इससे मुझे अच्छ लगेगा। अब पुलिस अशोका गार्डन के उस होटल की तलाश कर रही है, जिसमें नाबालिग से वासिद और शेफ द्वारा दुष्कर्म किया गया था।

होटल संचालक पर कार्रवाई नहीं

साकेत नगर के उस होटल पर पुलिस ने अब तक कार्रवाई नहीं की है, जिस होटल में दोनों नाबालिगों से दुष्कर्म हुआ है उस होटल में मैनेजर ने नाबालिगों से आधार कार्ड नहीं मांगा था। बिना आधार कार्ड लिए उन्हें आरोपियों के साथ देव इन कार्ड दिया।

खबर संक्षेप

शिक्षकों और कर्मियों के तबादला आवेदन 8 तक

भोपाल। स्थानांतरण नीति 2026-27 के तहत जनजातीय कार्य एवं अनुसूचित जाति कल्याण विभाग ने स्थानांतरण आवेदनों के संबंध में निर्देश जारी किए हैं। स्वेच्छिक स्थानांतरण के आवेदन 3 से 8 जून तक पोर्टल पर ऑनलाइन स्वीकार किए जाएंगे। आवेदक स्थानांतरण के लिए अधिकतम 15 कार्यालयों/संस्थाओं का चयन कर सकेंगे। आवेदन में दर्शाए गए कारणों के समर्थन में आवश्यक दस्तावेज पीडीएफ स्वरूप में अपलोड करना अनिवार्य होगा। एक बार आवेदन सबमिट होने के बाद उसमें संशोधन नहीं किया जा सकेगा। आवेदन में गलत जानकारी या सत्यापन में अनियमितता पर कर्मचारी, सत्यापन अधिकारी के विरुद्ध कार्रवाई की जाएगी।

बांधवगढ़: नियम तोड़ें तो 1 माह के लिए गाड़ी बैन

भोपाल। बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व में सफारी के दौरान नियमों की अनदेखी करने वाले पर्यटकों, गाइड और वाहन चालकों पर अब वाइल्ड लाइफ प्रोटेक्शन एक्ट के तहत सख्त कार्रवाई होगी। फोल्ड डायरेक्टर अनुपम सहाय ने एक बैठक के बाद सफारी के दौरान नियम तोड़ने पर दंडात्मक कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं। वन्यजीवों के अत्यधिक समीप जाने पर संबंधित वाहन को एक माह तक रिजर्व में प्रवेश से प्रतिबंधित किया जाएगा। साथ ही आर्थिक जुर्माना भी लगाया जाएगा।

भोपाल में फायर एनओसी पर कांग्रेस ने उठाए सवाल

भोपाल। राजधानी भोपाल में होटल और रेस्तेरेंटों की फायर सुरक्षा व्यवस्था को लेकर कांग्रेस ने राज्य सरकार पर गंभीर आरोप लगाए हैं। कांग्रेस का कहना है कि शहर में संचालित हजारों होटल और रेस्तेरेंटों में से अधिकांश के पास फायर एनओसी (अनुमति प्रमाण पत्र) नहीं है, जिससे खसरे नागरिकों की सुरक्षा खतरे में पड़ सकती है। कांग्रेस द्वारा जारी बयान में दावा किया गया है कि भोपाल में करीब 3200 होटल और रेस्तेरेंट संचालित हैं, लेकिन इनमें से केवल 38 के पास ही फायर एनओसी है।

कुशाभाऊ ठाकरे अंतर्राष्ट्रीय सभागार में आयोजन

मुख्यमंत्री आज करेंगे ‘एक पेड़ मां के नाम 2.0’ अभियान का शुभारंभ

विशेष प्रतिनिधि►► भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव विश्व पर्यावरण दिवस पर शुक्रवार को प्रातः 11 बजे कुशाभाऊ ठाकरे अंतर्राष्ट्रीय सभागार में आयोजित राज्य स्तरीय समारोह में ‘एक पेड़ मां के नाम 2.0’ अभियान का शुभारंभ करेंगे। कार्यक्रम में 8 श्रेणियों में 11 राज्य स्तरीय पर्यावरण पुरस्कार प्रदान किए जाएंगे।

उक्त पुरस्कार पर्यावरण संरक्षण, प्रदूषण नियंत्रण और सतत विकास के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने

वाली औद्योगिक इकाइयों, शैक्षणिक संस्थाओं, सामाजिक संगठनों तथा व्यक्तियों को वर्ष 2024-25 के लिए दिए जाएंगे। डॉ. यादव सकुलर इकॉनॉमी विषय से संबंधित 5 कोर्स माॅड्यूल्स और एफको एवं इन्स्टेक द्वारा मध्यप्रदेश में संचालित जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत 16 जिलों की 500 बावड़ियों के प्रलेखन दस्तावेजों का विमोचन करेंगे। इस अवसर पर सकुलर इकॉनॉमी तथा जल संरक्षण के क्षेत्र में किए गए उल्लेखनीय कार्यों का भी प्रदर्शन किया जाएगा।

सैहतनामा

मेरी कोशिश है सूरत बदलनी चाहिए

सिर्फ हंगामा खड़ा करना मेरा मकसद नहीं। मेरी कोशिश है कि सूरत बदलनी चाहिए। यह कविता काटजू अस्पताल पर इन दिनों बहुत सटीक बैठती है। अस्पताल की गोडल अधिकारी डॉ. रचना दुबे अस्पताल की सूरत बदलने में काफी प्रयास कर रही हैं। मरीजों की अस्पताल में ऐसी आवश्यकता हो रही है कि वह भूल जा रहे हैं कि काटजू अस्पताल है। जितना ध्यान इलाज करने में है उतनी ही फोकस छवि सुधारने में है। पहले जिस अस्पताल को छेड़कर मरीज गेटे बिलखते चले जाते थे, वहां तो अब फूल देकर उनका विदाई की जा रही। फूलों की माला पहनाई जा रही है। वह भी इतने मान-सम्मान के साथ कि देखने लायक ही है।

दवा देने वाले कमीशन के मर्ज का हूँद रहे इलाज

दवा देने वाले खुद कमीशन के मर्ज का इलाज हूँद रहे हैं पर उन्हें यह नहीं सूझ रहा कि करें तो क्या करें। दरअसल दवा रिटेलरों के बीच ग्राहकों को कमीशन देने की ऐसी होड़ मची कि अब यह उनके गले की हड्डी बन गई है। दवा व्यापारियों ने ऑनलाइन और भारी डिस्काउंट देने के विरोध में एक दिन हड़ताल भी की। बला है कि पहले प्रिंट दर पर दवाइयां बेचने वाले रिटेलर अब 20 फीसदी तक कमीशन देने में नहीं हिचक रहे हैं। यह होड़ वाप फीसदी से शुरू हुई, जो लगातार बढ़ रही है। इस होचोच से दवा बाजार के होलसेलर भी परेशान हैं। ऊपर से बड़ी दवा कंपनियों की दस्तक सुनाई देने लगी है। कुल मिलाकर दवा देकर मरीजों को राहत पहुंचाने वाली के हाल इन दिनों खुद लाहलाज बीमारी जैसी हो चले हैं।

नैडम ने छीना मरीजों का हक

हमींदिया अस्पताल में डॉक्टरों के बीच अच्छे कक्ष को कब्जे में लेने की बात तो खुब सुनी थी, लेकिन बात इससे आगे निकल गई है। कॉलेज की एक महिला अधिकारी ने अस्पताल में एक बिज्जी वाई अपने कब्जे में कर ताला बंद कर दिया है। बताया जाता है कि वह सिर्फ हजेरतान लगवाने के लिए ही इस कक्ष में जाती हैं। बिज्जी वाई की वैसे भी यहां काफी मारामारी है। ऊपर से इस तरह की तालाबंदी किसी दूसरे मरीज का डरक औनने जैसा ही है। बिज्जी वाई खाली करने के लिए यहां अपने ही एक डॉक्टर को जबरिया कुर्सी देकर पिछले हफ्ते पर भेज दिया गया था। वहीं मैडम के पास ब्रे-ब्रे कम्प्रे है। डॉक्टर तो यह भी कहते हैं मैडम के लिए लिए बोपी उपकरण, पदों से लेकर हर चीज वाई में बंद चाहिए।

सचिन सिंह बैस

हरिभूमि न्यूज़►►भोपाल

भाजपा ने मध्य प्रदेश से राज्यसभा के लिए रजनीश अग्रवाल को उम्मीदवार बनाया है। रजनीश अग्रवाल ने उम्मीदवार घोषित होने के बाद मुख्यमंत्री मोहन यादव और प्रदेश अध्यक्ष से मुख्यमंत्री आवास में मुलाकात की। उनके साथ विधायक भगवान दास सबनानी भी मौजूद रहे। मुख्यमंत्री से मुलाकात करने से पहले हरिभूमि से रजनीश अग्रवाल ने बात की उन्होंने पार्टी के सभी नेताओं का धन्यवाद दिया। पेश है बातचीत के प्रमुख अंश...

भाजपा में चेहरा नहीं, काम बोलता है, यहां सिफारिश नहीं चलती, नेतृत्व अद्भुत है



रजनीश अग्रवाल

सवाल: आपने कहा कि नेतृत्व ने घर बैठे आपका काम पहचान लिया। कैसे?

जवाब: जी, मैं ईश्वर को साक्षी मानकर कह रहा हूं कि मैं न कभी दिल्ली गया, न प्रदेश कार्यालय। किसी बड़े नेता से मिला भी नहीं। घर पर रहकर ही संगठन का काम करता रहा। फिर भी पीएम नरेंद्र मोदी, केंद्रीय मंत्री अमित शाह, भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन, सीएम डॉ. मोहन यादव और प्रदेश अध्यक्ष डॉ. हेमंत खंडेलवाल के नेतृत्व ने मेरे काम और प्रतिबद्धता का आकलन किया।

सवाल: आपने नेतृत्व को देवतुल्य क्यों कहा?

जवाब: क्योंकि देवताओं की तरह हमारा नेतृत्व कार्यकर्ता की निष्ठा को खुद परख लेता है।

उन्हें बताना नहीं पड़ता। भाजपा में चेहरा नहीं, काम बोलता है। यहां सिफारिश नहीं चलती, समर्पण देखा जाता है। नेतृत्व अद्भुत है।

सवाल: इस व्यवस्था से कार्यकर्ताओं को क्या संदेश मिलता है?

जवाब: यही कि ईमानदारी से काम करते रहिए। नेतृत्व सब देख रहा है। मुझे किसी के दरवाजे पर जाना नहीं पड़ा। यह संगठन की आंतरिक मजबूती है। पार्टी में कार्यकर्ता ही असली ताकत है।

सवाल: आखिर में कुछ कहना चाहेंगे?

जवाब: बस इतना ही कि इस व्यवस्था के बारे में मैं इसके अलावा कुछ कह नहीं सकता।

युवा वर्ष के लिए उच्च शिक्षा सहित संबंधित विभाग करें आवश्यक तैयारी

प्रदेश में नैक की तर्ज पर गठित करें सैक: मुख्यमंत्री डॉ. यादव

► उच्च शिक्षा विभाग की समीक्षा बैठक में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा- शहरी क्षेत्रों में उच्च शिक्षा की आवश्यकता के अनुसार नए महाविद्यालय शुरू किए जाएं



बैठक में अधिकारियों से चर्चा करते मुख्यमंत्री मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और मंत्री परमार।

उच्च शिक्षा में गुणवत्ता में निरंतर सुधार के कदम उठाए जाएं

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि उच्च शिक्षा में गुणवत्ता में निरंतर सुधार के कदम उठाए जाएं। पीएमश्री महाविद्यालयों में भी इस दिशा में ठोस प्रयास किए जाएं। अन्य सभी शासकीय महाविद्यालयों में भी शिक्षण और अन्य गतिविधियों का सुचारु संचालन होता रहे, इस पर ध्यान दिया जाए। बैठक में जानकारी दी गई कि प्रदेश में इंटीर, उज्जैन और चित्रकूट में तीन वर्षीय विमानन पाठ्यक्रम बीबीए शुरू किया गया है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव के प्रमुख निर्देश

बैठक के दौरान मुख्यमंत्री डॉ. यादव के कुछ निर्देश दिए। इनमें महाविद्यालय और विवि में रोजगार परक पाठ्यक्रम के संचालन पर जोर हो। पार्ट टाइम महाविद्यालय संचालित किए जाएं। प्रातः और शाम की शिफ्ट में कॉलेज चलाए जा सकते हैं। आवश्यकता के अनुसार सांदीपनि विद्यालयों के भवन में भी महाविद्यालय संचालित करें। कक्षा 12वीं उत्तीर्ण करने वाले विद्यार्थियों के लिए कॉउंसलिंग की भी व्यवस्था हो।

मेट्रो रेल यात्रियों की संख्या बढ़ाने के लिए पर्यटन विभाग का लें सहयोग : मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रदेश में भोपाल और इंदौर में मेट्रो रेल संचालन के प्रथम चरण के कार्य पूर्ण होने के बाद परियोजना के आगामी चरणों के कार्य समय-सीमा में पूर्ण किए जाएं। सघन आबादी के क्षेत्रों और कामकाजी नागरिकों की सुगम आवाजाही के लिए मेट्रो रेल व्यवस्था एक वरदान है। प्रदेश की राजधानी भोपाल और प्रमुख व्यवसायिक केन्द्र इंदौर में मेट्रो रेल यात्रियों की संख्या बढ़ाने के लिए पर्यटन विभाग का आवश्यक सहयोग प्राप्त किया जाए।

भोपाल मेट्रो परियोजना

बैठक में बताया गया कि भोपाल मेट्रो रेल परियोजना में फेज-1 में सुभाष नगर से एक्स तक दिसम्बर 2025 से संचालन हो रहा है। इस ट्रेक पर 7.1 किलोमीटर क्षेत्र में 8 एलिवेटेड स्टेशन बनाए गए हैं। फेज-2 में सुभाष नगर से कोरोड चौराहा तक 9.64 से किलोमीटर सेक्शन में कार्य हो रहा है, जो जून 2028 तक पूर्ण होना प्रस्तावित है। इस सेक्शन में 6 एलिवेटेड और दो भूमिगत स्टेशन होंगे।



छात्रों पर ध्यान

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि विद्यार्थियों सहित अन्य नागरिकों के लिए प्रबंध होने से मेट्रो रेल का उपयोग बढ़ेगा। इन प्रयासों में पर्यटन विभाग सहित मेपकास्ट की बेहद महत्वपूर्ण भूमिका रहेगी।

दिल्ली होटल अग्निकांड के बाद अलर्ट, मप्र में सप्ताह भर में ऑडिट के निर्देश

हरिभूमि न्यूज़►►भोपाल

दिल्ली में होटल में हुई आगजनी की घटना के बाद मध्यप्रदेश सरकार ने प्रदेशभर में अग्नि सुरक्षा व्यवस्थाओं को लेकर सतर्कता बढ़ा दी है। नगरीय प्रशासन मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने कहा है कि राज्य के सभी नगरीय निकायों को फायर ऑडिट करने के निर्देश दिए गए हैं और इस संबंध में लगातार समीक्षा की जा रही है। कैलाश विजयवर्गीय ने बताया कि प्रदेश में पिछले दो महीनों से फायर ऑडिट का अभियान चल रहा है। इस दौरान विधान सभा की और निजी भवनों में अग्निशमन सुरक्षा उपकरणों, आपातकालीन निकास मार्गों तथा अन्य सुरक्षा व्यवस्थाओं की जांच की जा रही है। उन्होंने कहा कि सरकार किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं करेगी। मंत्री

ने बताया कि फायर ऑडिट की प्रगति की समीक्षा के लिए अधिकारियों की बैठक बुलाई गई है। बैठक में यह जानकारी ली जाएगी कि अब तक कितने संस्थानों की जांच हुई है और जहां कमियां मिली हैं वहां क्या कार्रवाई की गई है। कैलाश विजयवर्गीय ने कहा कि सभी प्रकार की इमारतों की जांच की जा रही है। विशेष रूप से कोचिंग संस्थानों, होटलों, छात्रावासों और अन्य व्यावसायिक प्रतिष्ठानों की सुरक्षा व्यवस्था पर ध्यान दिया जा रहा है। जहां भी अग्नि सुरक्षा मानकों का पालन नहीं पाया जाएगा, वहां नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि नागरिकों की सुरक्षा सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है और किसी भी संभावित दुर्घटना को रोकने के लिए हर जरूरी कदम उठाए जाएंगे।

दिवंगत कर्मचारियों के परिवार को मिलेगा सहारा

14 साल के ऊपर के बच्चों की जेल विभाग में होगी बाल आरक्षक की नियुक्ति, इसका प्रस्ताव शासन को भेजा

हरिभूमि न्यूज़►►भोपाल

जेल विभाग में अब सेवा के दौरान दिवंगत हुए कर्मचारियों के परिवार के 14 साल से ऊपर के बच्चों को अनुकंपा नियुक्ति दी जा सकेगी। इसको लेकर जेल मुख्यालय ने शासन को एक प्रस्ताव भेजा है। प्रस्ताव के अनुसार अगर किसी जेल कर्मचारी या अधिकारी की सेवा का समय में मृत्यु हो जाती है और उसकी पत्नी नौकरी नहीं करना चाहती, तो परिवार की सहमति से 14 साल से बड़े बच्चे को बाल आरक्षक के पद पर नियुक्त किया जाएगा। दरअसल, पुलिस विभाग में यह व्यवस्था पहले से लागू है। पुलिस में सेवा के दौरान कर्मचारी की मृत्यु होने पर उसके परिवार के नाबालिग बच्चे को बाल आरक्षक के तौर पर अनुकंपा नियुक्ति दी जाती है। इसी तर्ज पर जेल विभाग ने भी यह कदम उठाया है। जेल डीआईजी एसके पांडे ने बताया कि



बाल आरक्षक की सेवा शर्तें

प्रस्ताव में बाल आरक्षक की सेवा शर्तों का भी साफ उल्लेख किया गया है। बाल आरक्षक से रोजाना सिर्फ 4 घंटे ही काम लिया जाएगा। उससे कोई भी भारी या जोखिम भरा काम नहीं करایा जाएगा। उसकी नियुक्ति परिवार के सभी सदस्यों की लिखित सहमति के बाद ही होगी। ड्यूटी के लिए उसे मुख्यालय या जेल के कार्यालय में अटैच किया जाएगा और आसान काम दिए जाएंगे। प्रस्ताव में यह भी प्रावधान है कि जब बाल आरक्षक 18 वर्ष की उम्र पूरी कर लेता और प्रहरी पद की उम्र अर्हताएं पूरी करता है, तो उसे नियमित नियुक्त कर दिया जाएगा।

कर्मचारियों के वेलफेयर को लेकर बड़ा कदम

जेल विभाग में कर्मचारियों के वेलफेयर की दिशा में इसे बड़ा कदम माना जा रहा है। विभाग में काफी समय से यह मांग उठ रही थी कि पुलिस की तरह जेल विभाग में भी परिवार के बच्चों को अनुकंपा नियुक्ति के नियम बनाए जाएं। कई बार कर्मचारी की असमय मृत्यु के बाद परिवार के सामने आर्थिक संकट आ जाता है। पत्नी की उम्र ज्यादा होने या अशिक्षित होने के कारण बच्चे नौकरी नहीं कर पाती। ऐसे में बच्चे को नियुक्ति मिलने से परिवार को तुरंत सहारा मिल जाएगा। केंद्रीय जेल भोपाल के कर्मचारियों ने भी इस प्रस्ताव का स्वागत किया है। उनका कहना है कि जेल और पुलिस दोनों ही अनुशासनात्मक बल हैं। दोनों का काम लगभग एक जैसा है। फिलहाल यह प्रस्ताव शासन स्तर पर विचारधीन है।

ऐसा रहा राज्यसभा उम्मीदवार रजनीश अग्रवाल का सफर

भाजपा संगठन को डिजिटल रूप देने में रजनीश अग्रवाल की अहम भूमिका रही है। इससे पहले दिनेश अग्रवाल ने तत्कालीन प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा के साथ काम किया था। रजनीश अग्रवाल ने त्रिदेव मॉडल तैयार कर पार्टी के 64,000 से अधिक बूथों की मैपिंग की। इस डिजिटल मैपिंग से भाजपा को हर पन्ना प्रमुख और ब्लॉक प्रमुख की सटीक जानकारी मिलती है। साथ ही यह भी तय होता है कि हर बूथ पर कितने नेताओं की जिम्मेदारी है। इस पूरे डिजिटल सिस्टम की वजह से भाजपा को 2023 विधानसभा और

2024 लोकसभा चुनाव में काफी मदद मिली। डेटा आधारित रणनीति से संगठन ने जमीनी स्तर पर बेहतर प्रबंधन किया। इसी काम के बाद रजनीश अग्रवाल को प्रदेश मंत्री की जिम्मेदारी दी गई। इसके साथ ही प्रदेश के कई महत्वपूर्ण मामलों की जिम्मेदारी भी उन्हें सौंपी गई है। भाजपा का त्रिदेव मॉडल बूथ प्रबंधन का डिजिटल आधार बना। इससे पन्ना प्रमुख से लेकर प्रदेश नेतृत्व तक सीधी जानकारी पहुंचती है। संगठन का मानना है कि डिजिटल ताकत ने चुनावी जीत में निर्णायक भूमिका निभाई।

विधायक लोधी के बयान को लेकर अभा गुर्जर महासभा ने हेमंत से की कार्रवाई की मांग



हरिभूमि न्यूज़►►भोपाल

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष व विधायक हेमंत खंडेलवाल से अखिल भारतीय गुर्जर महासभा के प्रतिनिधिमंडल ने मुलाकात कर भाजपा विधायक प्रीतम सिंह लोधी द्वारा डकैत रामबाबू गडरिया के समर्थन में दिए गए बयान पर कड़ी आपत्ति जताते हुए कार्रवाई की मांग की है। गुर्जर महासभा ने इस संबंध में खंडेलवाल को ज्ञापन सौंपा है। खंडेलवाल ने प्रतिनिधि मंडल से कहा कि भाजपा गुर्जर समाज के साथ है और गुर्जर समाज का सम्मान करती है। भाजपा विधायक लोधी द्वारा गत दिवस दिए गए बयान से पार्टी का कोई लेनादेना नहीं है, वह उनका निजी बयान है।

भाजपा सदैव गुर्जर समाज के सम्मान के साथ : खंडेलवाल

प्रदेश अध्यक्ष खंडेलवाल ने कहा कि पार्टी के विधायक प्रीतम सिंह लोधी द्वारा गत दिवस दिए गए बयान को संज्ञान में लिया है। पार्टी संगठन जल्दी ही इस संबंध में विधायक लोधी से चर्चा करेगा। गुर्जर समाज का देश की सुरक्षा व विकास में अहम योगदान है। भाजपा सदैव उनके हितों व सम्मान के साथ है। प्रतिनिधिमंडल ने विषय पर त्वरित संज्ञान लेने एवं समाज की भावनाओं को गंभीरता से सुनने के लिए खंडेलवाल का आभार व्यक्त किया।

यह रहे प्रतिनिधिमंडल में शामिल

खंडेलवाल से मुलाकात करने वाले प्रतिनिधिमंडल में अखिल भारतीय गुर्जर महासभा के प्रदेश अध्यक्ष देवेन्द्र सिंह पटेल, अखिल भारतीय गुर्जर महासभा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष व पूर्व विधायक रामबजन सिंह गुर्जर, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष उमराव सिंह गुर्जर, महासभा के युवा विंग के प्रदेश अध्यक्ष सोनू गुर्जर, रघुराज गुर्जर मिश्र आदि शामिल रहे।

गुणवत्ता से समय पर पूरे हों निर्माण कार्य : शुक्ल



हरिभूमि न्यूज़►►भोपाल

उप मुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल ने स्वास्थ्य अघोषरचना विकास कार्य की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी निर्माण कार्य निर्धारित समय-सीमा में और उच्च गुणवत्ता के साथ पूरे किए जाएं। उन्होंने कहा कि निर्माण कार्यों की नियमित मॉनिटरिंग की जाए और स्वास्थ्य संस्थानों को जल्द से जल्द जनता के लिए शुरू करने की दिशा में आवश्यक व्यवस्थाएं समय रहते पूरी की जाएं। मंत्रालय में

आयोजित समीक्षा बैठक में उप मुख्यमंत्री ने कहा कि भवन निर्माण के साथ-साथ फर्निचर, चिकित्सा उपकरणों और मानव संसाधन (एचआर) की उपलब्धता भी समय पर सुनिश्चित की जाए, ताकि भवन तैयार होने के तुरंत बाद स्वास्थ्य सेवाएं शुरू की जा सकें। उन्होंने अधिकारियों को ऐसे प्रस्तावों को प्राथमिकता से भेजने के निर्देश दिए, जिनमें स्थल की आवश्यकता के अनुसार डिजाइन परिवर्तन या अतिरिक्त कार्य की जरूरत हो।

प्रदेश में 78 सड़क ब्लैक स्पॉट खत्म: अनूपपुर-इंदौर अव्वल

भोपाल। मध्य प्रदेश में सड़क हादसों की बड़ी वजह माने जाने वाले ब्लैक स्पॉट की संख्या में उल्लेखनीय कमी आई है। लोक निर्माण विभाग, एमपीआरडीसी, परिवहन विभाग, जिला प्रशासन और पुलिस की संयुक्त मुहिम के चलते पिछले एक साल में पूरे प्रदेश में 78 ब्लैक स्पॉट समाप्त किए गए हैं। ब्लैक स्पॉट सुधार में अनूपपुर जिला सबसे आगे रहा। यहां 11 में से 7 ब्लैक स्पॉट खत्म कर दिए गए। रायसेन में 6 ब्लैक स्पॉट समाप्त हुए और जिला दूसरे स्थान पर रहा। इंदौर ने बड़ी कामयाबी हासिल करते हुए अपने सभी 16 ब्लैक स्पॉट खत्म कर दिए। इंदौर ग्रामीण में भी 16 में से 15 ब्लैक स्पॉट समाप्त हुए, अब वहां केवल एक बचा है। ग्वालियर के सभी 6 ब्लैक स्पॉट खत्म होने से जिला ब्लैक स्पॉट मुक्त घोषित हो गया है। राजधानी भोपाल में भी 16 में से 5 ब्लैक स्पॉट कम होकर संख्या 11 रह गई है। जहां कई जिलों में सुधार हुआ, वहीं टीकमगढ़ में स्थिति उलट रही। यहां एक साल में 16 नए ब्लैक स्पॉट बढ़ गए। भोपाल ग्रामीण में भी 8 से बढ़कर 9 ब्लैक स्पॉट हो गए हैं। तमाम प्रयासों के बाद भी जबलपुर में सबसे ज्यादा 41 ब्लैक स्पॉट बचे हैं। हालांकि यहां भी 47 में से 6 ब्लैक स्पॉट कम किए गए हैं। इसके बाद खरगोन में 24, उज्जैन में 20 और टीकमगढ़ में 19 ब्लैक स्पॉट हैं। भोपाल, रायगढ़, सीहोर, विदिशा, बैतूल, रायसेन, शिवपुरी, अशोकनगर, भिंड, श्योपुर, इंदौर, झाबुआ, खरगोन आदि में संख्या घटी है।

इतवारा स्थित श्री हित रसिक राधावल्लभ मंदिर में चल रहे अधिमास महा-महोत्सव

हरिभूमि न्यूज ►►भोपाल

इतवारा स्थित श्री हित रसिक राधावल्लभ मंदिर में चल रहे अधिमास महा-महोत्सव के 19वें दिन गुरुवार को ठाकुर श्री राधावल्लभ लाल एवं श्रीजी को दिव्य नेह लता कुंज में विराजमान कराया गया। इस मनोरथ के अंतर्गत मंदिर परिसर में विशेष रूप से नेह लता कुंज का निर्माण किया गया, जिसे आम, अशोक एवं कदंब की पत्तियों तथा सुगंधित मोगरे के पुष्पों से सजाकर शीतल एवं रमणीय स्वरूप प्रदान किया गया। नेह लता कुंज के भाव में ठाकुर श्री एवं श्रीजी अलग-अलग निकुंजों में विराजमान होकर भक्तों को दर्शन देते हैं। हरियाली, पुष्पों की सुगंध एवं कुंज की शीतलता के मध्य विराजमान युगल सरकार के दर्शन कर श्रद्धालु भाव-विभोर हो उठे।



दीपदान करते हुए श्रद्धालु।

सैकड़ों दीपों की ज्योति से संपूर्ण मंदिर जगनगाया

इस अवसर पर मनोरथ के अंतर्गत भाव स्वरूप गहवर कुंड का भी निर्माण किया गया। गहवर कुंड के भाव से श्रद्धालुओं ने दीपदान कर अपनी भक्ति अर्पित की। सैकड़ों दीपों की ज्योति से सम्पूर्ण मंदिर परिसर आलोकित हो उठा तथा वातावरण दिव्य एवं आध्यात्मिक आभा से भर गया। दीपों की मनमोहक रोशनी ने कुंज उत्सव की शोभा को और अधिक बढ़ा दिया। उत्सव के दौरान रसिक भक्तों द्वारा श्रद्धा एवं भावपूर्वक वृंदावन शत लीला का पाठ भी किया गया। इस आयोजन में बड़ी संख्या में श्रद्धालु मौजूद थे।

वृंदावन के भाव से नेह लता कुंज में विराजे ठाकुर जी, गहवर कुंड के भाव से भक्तों ने किया दीपदान

एम्स स्थित करुणेश्वरी सेवा केंद्र के 8 वर्ष पूर्ण

गुरुदेव श्री शांडिल्य महाराज ने किया भोजन वितरण

एम्स भोपाल परिसर में संचालित करुणेश्वरी सेवा केंद्र के 8 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर करुणाधाम आश्रम के पीठाधीश्वर गुरुदेव सुदेश शांडिल्य महाराज ने परिवार सहित विश्वामालय पहुंचकर मरीजों के परिजनों के बीच भोजन वितरण किया। कार्यक्रम के दौरान सेवा कार्यो को याद करते हुए बताया गया कि करुणाधाम का यह विश्वामालय लगभग 11 हजार वर्ग फीट क्षेत्र में निर्मित है। यहां मरीजों के परिजनों के लिए रहने एवं दिन में तीन समय भोजन की निःशुल्क व्यवस्था उपलब्ध कराई जाती है। उल्लेखनीय है कि अब तक 22 लाख 49 हजार 919 लोग इस सेवा का निःशुल्क लाभ प्राप्त कर चुके हैं। सेवा केंद्र लगातार जरूरतमंद परिवारों के लिए सहारा बनकर कार्य कर रहा है।



गुरुदेव श्री शांडिल्य महाराज भोजन बांटते हुए।



मरीजों के परिजनों को भोजन करवाते हुए।

एनएसयूआई ने दी चेतावनी, फैसला नहीं बदला तो होगा उग्र आंदोलन
बीयू के नाम बदलने पर बढ़ा विवाद, कांग्रेस भाजपा सहित कई संगठन आमने-सामने

हरिभूमि न्यूज ►►भोपाल

राजधानी स्थित बरकतउल्ला विश्वविद्यालय के नाम में बदलाव को लेकर विवाद बढ़ता नजर आ रहा है। मामलों में अब भाजपा और कांग्रेस के आमने सामने होने के साथ ही एनएसयूआई, युवा कांग्रेस, जमीअत उलमा सहित कुछ संगठन विरोध में तो वहीं कुछ हिंदू संगठन बदलाव के समर्थन में आ गए हैं। मामले में एनएसयूआई ने इसे विश्वविद्यालय में सामने आ रहे



भाजपा-हिंदू संगठनों ने बताया जनभावनाओं के अनुरूप लिया निर्णय

एनएसयूआई, युवा कांग्रेस के कार्यकर्ता विरोध स्वरूप यज्ञ करते हुए।

जनभावनाओं के अनुरूप निर्णय

भाजपा प्रदेश प्रवक्ता अजय सिंह यादव ने कहा कि लंबे समय से बुद्धिजीवियों, प्रबुद्धजनों और आम नागरिकों की मांग रही है कि भोपाल विश्वविद्यालय का नाम राजा भोज और विद्या की देवी वारदेवी से जोड़ा जाए। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय की कार्यपरिषद ने भी जनभावनाओं को ध्यान में रखकर प्रस्ताव पारित किया है। भाजपा सरकार सदैव जनभावनाओं के अनुरूप निर्णय लेती है और यह फैसला भी उसी दिशा में उठाया गया कदम है।

प्रस्ताव का स्वागत, थाने का नाम बदलने की मांग

श्री हिंदू उत्सव समिति और संस्कृति बचाओ मंच ने इस प्रस्ताव का स्वागत किया। संगठन के अध्यक्ष चंद्रशेखर तिवारी ने कहा कि वर्षों से विवि का नाम बदलने की मांग की जा रही थी। साथ ही हबीबगंज रेलवे स्टेशन का नाम रानी कमलापति करने का हवाला देते हुए हबीबगंज थाने का नाम बदलने की मांग उठाई।

एक बड़े नायक के योगदान को नजरअंदाज करने जैसा

जमीअत उलमा जिला अध्यक्ष, हाफिज इस्माईल बैग का कहना है कि यह केवल नाम परिवर्तन का मामला नहीं, बल्कि देश के स्वतंत्रता संग्राम के एक बड़े नायक के योगदान को नजरअंदाज करने जैसा है। मौलाना बरकतउल्लाह भोपाली ने 1915 में अफगानिस्तान में बनी भारत की पहली निवासित सरकार में प्रधानमंत्री के रूप में अहम भूमिका निभाई थी। वे गदर पार्टी के संस्थापक सदस्यों में रहे और विदेशी धरती से अंग्रेजों के खिलाफ संघर्ष किया।

नाम बदलना अपमान

मप्र सर्वधर्म सुद्धावन मंच के सचिव जहांगीर मोहम्मद इमरान हारून ने इसे अनुचित बताते हुए कहा कि महान शिक्षाविद और स्वतंत्रता सेनानी बरकतउल्ला भोपाली भोपाल के गौरव थे, जिन्होंने देश की आजादी के लिए जुनिया मर में संघर्ष किया। उन्होंने कहा कि भारत की पहली निवासित सरकार में प्रधानमंत्री के रूप में उनकी भूमिका ऐतिहासिक रही है, ऐसे में उनके नाम पर स्थापित विश्वविद्यालय का नाम बदलना उनके योगदान का अपमान है।

नाए संस्थान की नींव रखनी चाहिए

मप्र कांग्रेस कमेटी के प्रवक्ता विवेक त्रिपाठी ने इसे छात्रों व युवाओं को गुमराह करने वाली सस्ती राजनीति करार दिया। त्रिपाठी ने स्वतंत्रता संग्राम सेनानी अब्दुल हाफिज मोहम्मद बरकतुल्लाह की रसूची दिखाते हुए कहा, प्रो. बरकतुल्लाह भोपाल की माटी के लाल थे, जिन्होंने भोपाल से शिक्षा दीक्षा ग्रहण की और विदेशों में जाकर भारत की आजादी के लिए अलख जगाई।

इनका कहना है

शासन के निर्णय को सबको मानना होगा

अगर शासन चाहता है कि बरकतउल्लाह विश्वविद्यालय के नाम में बदलाव किया जाए, तो नाम में बदलाव होगा। शासन के निर्णय लिया है तो निर्णय सबको मानना होगा। सुनील सूद, पूर्व महापौर



समस्याओं से ध्यान भटकाने का उदाहरण

आप किसी के योगदान को कम नहीं कर सकते हैं, योगदान उनका भी था। ऐसे में बरकतउल्लाह विश्वविद्यालय के नाम में इस प्रकार के बदलाव का निर्णय गलत है। यह भाजपा की आदत हो गई है, कि असल समस्याओं से ध्यान भटकाने के लिए इस प्रकार के बदलाव किए जा रहे हैं। इसका यह एक और उदाहरण सामने आया है। इसके बजाय शैक्षणिक व्यवस्थाओं में सुधार की दिशा में काम होना चाहिए। विमा पटेल, पूर्व महापौर



नाम बदलना क्रांतिकारी विरासत का अपमान

कांग्रेस विधायक आरिफ मसूद ने बीयू का नाम बदलने की चर्चाओं पर कड़ी आपत्ति जताई है। उन्होंने कहा कि यह निर्णय दुर्भाग्यपूर्ण है और महान क्रांतिकारी मौलाना बरकतउल्ला का अपमान है। इसकी जितनी निंदा की जाए, वह कम है। उन्होंने कहा सरकार को विवि के नाम बदलने के बजाय विद्यार्थियों और शिक्षा से जुड़े मुद्दों पर ध्यान देना चाहिए।



28 रुम वाले नीना पैलेस होटल में नहीं मिला फायर सिस्टम सिटी वॉक में दो लोगों के खींचने के बाद भी बाहर नहीं निकला फायर एस्टिंगुशर

हरिभूमि न्यूज ►►भोपाल

दिल्ली के मालवीय नगर के एक होटल में भीषण आग से 21 मौतों के बाद राजधानी में भी रिहायशी होटलों की जांच शुरु कर दी गई है। गुरुवार को बैरागढ़ तहसीलदार हर्ष विक्रम सिंह की टीम ने हलालपुरा स्थित होटल नीना पैलेस, सिटी वॉक और आरके रोजेंसी का मुआयना किया।



फायर एस्टिंगुशर खींचते हुए।

जहां पर सिटी वॉक होटल में दो लोगों के खींचने पर भी फायर एस्टिंगुशर नहीं निकला। यहां पर फायर के डिटेक्टर भी बंद पड़े थे। इधर 28 रुम वाली होटल नीना पैलेस में तो फायर सिस्टम ही नहीं मिला, जिसको लेकर संचालक को नोटिस दिया गया है। होटल आरके रोजेंसी में फायर सिस्टम एक्टिव मिला। आग से बचाव को लेकर

जांच करने पहुंची टीम ने होटलों के स्टॉफ को इमरजेंसी के लिए तैयार रहने की बात कही। संचालक को बताया गया कि आग से बचाव को लेकर कर्मचारियों को ट्रेनिंग भी दी जाए, जिससे हादसे के दौरान कर्मचारियों खुरद के साथ होटल में मौजूद लोगों को बचा सकें।

सिटी वॉक से 12 कॉमर्शियल सिलेंडर जब्त

होटल सिटी वॉक में जांच के दौरान 12 कामर्शियल गैस सिलेंडर मिले। संचालक से जब इसका रिकार्ड मांगा गया तो वह नहीं दे सका, जिसके आधार पर खाद्य विभाग की टीम ने सिलेंडर जब्त कर लिए हैं। इसके साथ एमपी नगर स्थित बापू की कुटिया और हकीम होटल का किचन बैसमेंट में मिला है। यहां पर आग से बचाव के इंतजाम भी नाकाफी थे, जिसको लेकर फायर इंजार्ज सौरभ पटेल ने दोनों संस्थाओं के संचालकों को नोटिस जारी किए हैं।

वार्ड 85 समस्याओं का बना डेरा

भोपाल। शहर के वार्ड 85 में समस्याओं का डेरा बन चुका है। वार्ड 85 में स्थित अमलतास स्वर्ण कुंज कालोनी में रोड, नालियों, जल निकासी, पेयजल और स्वच्छता को लेकर कोई भी व्यवस्था नहीं है। पूरी कॉलोनी गंदगी का ढेर बन चुकी है। नगर निगम के जोन 19 और वार्ड 85 के अधिकारी और कर्मचारी भी अव्यवस्थाओं पर कोई ध्यान नहीं दे रहे हैं। वार्ड 85 में रहने वाले मध्यप्रदेश युवा कांग्रेस के प्रदेश सचिव अनिकेत द्विवेदी ने बताया कि वार्ड 85 में स्थित अमलतास स्वर्ण कुंज कॉलोनी में समस्याओं ने वीभत्स रूप धारण कर लिया है। अमलतास स्वर्ण कुंज कॉलोनी में रोड, नालियों, जल निकासी, सीवेज, पेयजल की कोई व्यवस्था नहीं है। बरसात में यहां हर वर्ष रहवासी जल भराव की समस्या से परेशान रहते हैं और बरसात में जिसके कारण हादसे भी होते हैं।

मौजूद एक दर्जन से अधिक उपभोक्ताओं ने लगाए आरोप

एक दिन पहले हमीदिया रोड स्थित इंडेन कंपनी की ऑटो हाउस गैस एजेंसी पर हंगामा होने के बाद गुरुवार को जिला आपूर्ति नियंत्रक चंद्रभान सिंह जादौन गैस एजेंसी और गोदाम पहुंचे।

मौके पर मौजूद एक दर्जन से अधिक उपभोक्ताओं ने कहा कि यहां से सिलेंडरों की डिलीवरी में गड़बड़ी की जाती है। कंट्रोलर ने जब जांच की तो पता चला कि गैस एजेंसी कर्मचारियों ने डीएसी नंबर जनरेट होने के बाद डीएसी रिजेक्ट किए हैं। जिसकी वजह से उपभोक्ताओं को सिलेंडर मिलने में देरी हुई है।

हरिभूमि न्यूज ►►भोपाल

मौजूद एक दर्जन से अधिक उपभोक्ताओं ने लगाए आरोप

हरिभूमि न्यूज ►►भोपाल

एक दिन पहले हमीदिया रोड स्थित इंडेन कंपनी की ऑटो हाउस गैस एजेंसी पर हंगामा होने के बाद गुरुवार को जिला आपूर्ति नियंत्रक चंद्रभान सिंह जादौन गैस एजेंसी और गोदाम पहुंचे। मौके पर मौजूद एक दर्जन से अधिक उपभोक्ताओं ने कहा कि यहां से सिलेंडरों की डिलीवरी में गड़बड़ी की जाती है। कंट्रोलर ने जब जांच की तो पता चला कि गैस एजेंसी कर्मचारियों ने डीएसी नंबर जनरेट होने के बाद डीएसी रिजेक्ट किए हैं। जिसकी वजह से उपभोक्ताओं को सिलेंडर मिलने में देरी हुई है।

एक दर्जन उपभोक्ताओं ने कहा- हमारी एजेंसी बदलों

सिलेंडर नहीं देना पड़े इसलिए एजेंसी संचालक ने उपभोक्ताओं के रिजेक्ट कर दिए डीएसी नंबर



ऑटो हाउस गैस एजेंसी पर कार्रवाई करते हुए अधिकारी।

सिलेंडरों से गैस चोरी में लीपापोती

दो हफ्ते पहले हमीदिया रोड स्थित ऑटो हाउस गैस एजेंसी का 210 सिलेंडरों से भरा वाहन टीटी नगर के दशहरा मैदान में मिला था, जिसके जांच के बाद जब्त कर लिया गया। मौके पर सिलेंडरों से भरे वाहन से रैडमली 25 सिलेंडर निकालकर तैल कराय गया था, जबकि सिलेंडरों के तैल के लिए नापतौल विभाग की सूचना नहीं दी गई। बताया जा रहा है कि सिलेंडरों में दो से तीन किलो तक गैस कम निकली थी, लेकिन खाद्य अफसरों ने मिलीभगत कर कम तैल का केस दर्ज नहीं किया।

गोदाम के स्टॉक में कम मिले 58 गैस सिलेंडर

टीम जब गैस एजेंसी के गोदाम पर पहुंची, तो वहां स्टॉक के डिस्टाब से 58 गैस सिलेंडर कम मिले। एजेंसी संचालक अजित खट्टर ने बताया कि सिलेंडरों डिलीवरी के लिए वाहन गया है, जिसकी वजह से स्टॉक में अंतर आ रहा है। उपभोक्ताओं को सिलेंडर नहीं देने की बात पर उन्होंने कुछ नहीं कहा। जिला आपूर्ति नियंत्रक ने बताया कि इंडेन कंपनी से ऑटो हाउस एजेंसी में आए लोड का रिकॉर्ड मांगा गया है, जिससे पता चलेंगा कि उपभोक्ताओं को दिए जाने वाले कितने सिलेंडरों की कालाबाजारी की गई है।



ट्रेनों से जानवरों को बचाने भोपाल मंडल की योजना बीना से खंडवा के बीच 580 किमी ट्रैक के किनारे बनेगी बाउंड्रीवाल

भोपाल। राजधानी, वंदे भारत सहित हाई स्पीड ट्रेनों को मवेशियों से टकराने से अब बाउंड्रीवाल बनाई जाएगी। ये भोपाल से बीना और भोपाल से इटारसी और इटारसी से खंडवा तक कुल 580 किमी एरिया में बनेगी। इसके निर्माण पर लगभग 246 करोड़ रुपए खर्च होंगे। यह पटरी से डेढ़-डेढ़ मीटर ऊंची होगी। इसके निर्माण पर सबसे ज्यादा प्री-कास्ट मटेरियल का उपयोग किया जाएगा। हाईवे जहां से निकलते हैं, वहां पर आरसीसी के मटेरियल और बोल्डर जैसे सामान से वाल बनाई जाएगी।

इंजीनियरिंग विभाग के अधिकारियों के मुताबिक प्री-कास्ट मटेरियल से बनाई जाने वाली बाउंड्री वाल को टेस्टिंग में सही पाया गया है।

अप-डाउन ट्रेक पर होगी फेंसिंग

ट्रेनों के गुजरते समय जंगली जानवर जैसे बाघ, तेंदुआ, हिरण ट्रेन एक्सीडेंट में मारे जाते हैं। पमरे के सीपीआर हर्षित श्रीवास्तव ने बताया कि पश्चिम मध्य रेलवे ने रेलवे ट्रैक की सुरक्षा के लिए बाउंड्रीवाल और फेंसिंग लगाने का काम शुरू कर दिया है।

तेजी से चल रहा काम

भोपाल मंडल में की बात करें तो 2027 तक में बीना से खंडवा तक रेलवे ट्रैक के किनारे बाउंड्रीवाल बनकर तैयार हो जाएगी। काफी तेजी से काम चल रहा है। इससे जानवरों की सुरक्षा होगी और ट्रेनों की स्पीड बढ़ने से किसी प्रकार का नुकसान होने की संभावना नहीं रहेगी। नवल अगवाला एसीएम, भोपाल मंडल

तीन महिला डॉक्टर समेत 9 डॉक्टरों के खिलाफ दर्ज किया प्रकरण मेडिकल काउंसिल का फर्जी रजिस्ट्रेशन लगाकर हासिल की नौकरी, पुलिस ने की कार्रवाई

हरिभूमि न्यूज ►►भोपाल

जनवरी 2026 से अब तक 81 डॉक्टर्स की नियुक्ति हुई

मध्यप्रदेश मेडिकल काउंसिल का फर्जी रजिस्ट्रेशन व एमबीबीएस का फर्जी प्रमाण पत्र लगाकर नेशनल हेल्थ मिशन (एनएचएम) में नौकरी करने का मामला सामने आया है। घटना की शिकायत संयुक्त संचालक ने चूनाभट्टी पुलिस पुलिस से की थी। पुलिस ने तीन महिला डॉक्टर्स सहित 9 डॉक्टर्स के खिलाफ धोखाधड़ी की धाराओं के तहत प्रकरण दर्ज किया है। डॉक्टर जनवरी 2026 से फर्जी दस्तावेज लगाकर नौकरी कर रहे थे। पुलिस के अनुसार चूनाभट्टी थाना क्षेत्र में नेशनल हेल्थ मिशन का ऑफिस है। नेशनल हेल्थ मिशन के संयुक्त संचालक की ओर से लिखित आवेदन प्रस्तुत किया गया। इसमें कहा गया कि प्रदेश भर के सभी जिला अस्पतालों, मेडिकल शिक्षण संस्थानों और अन्य सरकारी स्वास्थ्य संस्थाओं में कहा-कितने डॉक्टर्स की कमी है इसकी सूचना जारी की जाए।

रिक्तियों के हिसाब से विज्ञापन प्रकाशित कराया जाएगा। इसी आधार पर डॉक्टर अपने जरूरी दस्तावेजों के साथ ऑनलाइन आवेदन करते हैं। डॉक्टर्स को ऑरिजनल सर्टिफिकेट के साथ इंटरव्यू के लिए बुलाया जाता है और दस्तावेजों के सत्यापन के बाद संबंधित सीएमएचओ के पास जिले में भेज दिया जाता है। सीएमएचओ दस्तावेज चेक करने के बाद डॉक्टर को नियुक्ति देता है। एसआई लालजी मिश्रा ने बताया कि जनवरी 2026 से अब तक कुल 81 डॉक्टर्स की नियुक्ति इसी आधार पर की गई है। इनमें से तीन महिला डॉक्टरों समेत 9 डॉक्टरों की नियुक्ति में फर्जीवाड़ा पाया गया है। फर्जीवाड़ा करने वाले डॉक्टरों

का मध्यप्रदेश मेडिकल काउंसिल में रजिस्ट्रेशन नहीं है, इसके बावजूद इन डॉक्टरों ने रजिस्ट्रेशन के फर्जी दस्तावेज तैयार कर आवेदन के साथ प्रस्तुत किए। जालसाज डॉक्टरों ने जो रजिस्ट्रेशन नंबर बताए हैं, वो रजिस्ट्रेशन नंबर किन्हीं और डॉक्टरों के नाम से रजिस्टर्ड हैं। इतना ही नहीं, आरोपी डॉक्टरों ने एमबीबीएस के प्रमाण पत्र भी किसी और के नाम के प्रस्तुत किए थे जो साल भर पहले सिलेक्ट हुए थे। आरोपियों ने उन डॉक्टरों के दस्तावेजों की प्रतिकृति बनाकर फर्जी प्रमाण पत्र प्रस्तुत किए थे। पुलिस का कहना है कि फर्जी रजिस्ट्रेशन नंबर और फर्जी प्रमाण-पत्र के आधार पर नौकरी प्राप्त कर ली।

नाले नालियों की सफाई को लेकर महापौर ने की समीक्षा

निगम की सफाई के हाल, एक दर्जन नालों की सफाई में निकला आठ डंपर कचरा

हरिभूमि न्यूज ►►भोपाल

शहर में चल रहे नाला सफाई अभियान के हाल को लेकर गुरुवार को महापौर मालती राय भड़क गईं, दरअसल नाला सफाई अभियान की समीक्षा बैठक में बताया कि जनवरी ने नाला सफाई का स्टेटस पूछा तो सहायक स्वास्थ्य अधिकारी ने बताया कि एक दर्जन नालों की सफाई से आठ डंपर मलबा निकला है।

जिस पर महापौर ने कहा कि आठ डंपर मलमा तो नालियों से निकल जाता है। आपको कोई जानकारी ही नहीं है। महापौर ने एक-एक जोन के प्रभारी एएचओ से उनके इलाकों में चल रहे अभियान की जानकारी ली। समय पर कचरा नहीं उठने को लेकर उन्होंने जमकर फटकार लगाई। निगम मुख्यालय अटल भवन में नाला सफाई अभियान की समीक्षा बैठक लेते हुए उन्होंने सहायक स्वास्थ्य अधिकारी से पूछा कि कितने नालों की सफाई हुई और कितना कचरा निकला।



अशोका गार्डन रोड नाले में भरा कचरा।

महापौर ने जताई नाराजगी

इस पर उन्हें 12 नालों की सफाई के दौरान 8 डंपर कचरा निकलने की जानकारी दी गई। इससे नाराज महापौर ने कहा कि एक छोटी नाली में ही एक से दो डंपर कचरा निकल जाता है, यानि सही जानकारी ही नहीं है।



नाले में भरा कचरा।

‘किंग ऑफ मैंगो’ नूरजहां की खुशबू से महका मैंगो फेस्टिवल 9.0

हरिभूमि न्यूज ►► भोपाल

मध्य प्रदेश का ‘नूरजहां’ आम, दुनिया के सबसे बड़े और दुर्लभ आमों में से एक, प्रदेश के अलीराजपुर जिले के कड़ीवाड़ा क्षेत्र में उगाए जाने वाले 2 से 5 किलोग्राम वजनो यह आम अपनी अनूठी मिठास और भारी आकार के लिए मशहूर है, यही वजह है कि इस ‘किंग ऑफ मैंगो’ भी कहा जाता है, जिसकी कीमत करीब एक से तीन हजार रुपए तक है। ‘नूरजहां’ आम की इसी खुशबू से सरोबार हुई मैंगो फेस्टिवल 9.0 की थीर, नाबार्ड द्वारा आयोजित इस मैंगो फेस्टिवल 9.0 के शुभारंभ अवसर पर विश्वास सारंग, खेल एवं युवा कल्याण मंत्री, मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।



आमपाली, दशहरी, लंगड़ा, केसर सहित आम की ढेरों वैरायटी मौजूद

आदिवासी किसानों को बाजार उपलब्ध कराने के उद्देश्य से 8 जून तक आयोजित इस मैंगो फेस्टिवल में आम की करीब एक दर्जन किस्में प्रदर्शित की गईं, जिसमें आमपाली, दशहरी, लंगड़ा, केसर, चौसा, नीलम, मल्लिका, तोतापुरी, राजापुरी, सुंदरजा एवं नूरजहां प्रमुख हैं।



किसानों के लिए बेहतर बाजार सुनिश्चित करने का मंच

मुख्य अतिथि विश्वास सारंग ने कहा कि आम उत्पादन एवं सहकारिता को बढ़ावा देकर किसानों की आय में वृद्धि की जा सकती है। सी. सरस्वती, सीजीएम, नाबार्ड ने कहा कि यह महोत्सव किसानों के लिए बेहतर बाजार और उचित मूल्य सुनिश्चित करने का प्रभावी मंच है।

कैमिकल फ्री प्रोसेस से पकाते हैं आम

शहडोल से आए विक्रेता संतोष अहीरे ने बताया कि आमपाली, केसर और दशहरी की सबसे ज्यादा मांग रहती है। इन आमों की खास बात यह है कि इन्हें पकाने के लिए किसी भी प्रकार के रासायनिक पदार्थ (कैमिकल) का उपयोग नहीं किया जाता। ये आम प्राकृतिक तरीके से पेड़ों पर ही पकते हैं, जिससे उनका स्वाद बरकरार रहता है। हम पिछले तीन साल से नाबार्ड मेले में शहडोल से आम लाते हैं, और अच्छे दाम पर बेचते हैं, जिसको लोग शोक से खरीदते हैं इस बार भी अच्छी बिक्री होने की उम्मीद है।

स्वर संक्षेप

पॉलिटेक्निक कॉलेज में आज ‘सिर्फ किशोर दा’ संगीत संध्या

भोपाल। स्वर सम्राट किशोर कुमार को समर्पित एक विशेष संगीतमय संध्या ‘सिर्फ किशोर दा’ का आयोजन 5 जून को पॉलिटेक्निक कॉलेज ऑडिटोरियम, में शाम 6 बजे से किया जाएगा। इस अनूठे कार्यक्रम में केवल किशोर दा के एकल गीतों की प्रस्तुतियां दी जाएंगी, जिससे श्रोताओं को स्वर्णिम संगीत युग की यादों से रूबरू होने का अवसर मिलेगा। कार्यक्रम के आयोजक विपिन शर्मा एवं इंजीनियर आशु हैं। कार्यक्रम में देशभर में अपनी गायकी की विशेष पहचान बना चुके कलाकार किशोर दा को संगीतमय श्रद्धांजलि अर्पित करेंगे।

भारत भवन में भवानुभाव समारोह का शुभारंभ आज

भोपाल। भारतीय शास्त्रीय नृत्य की समृद्ध परंपरा, आध्यात्मिक भावबोध और सौंदर्य चेतना पर केंद्रित ‘भवानुभाव समारोह’ का शुभारंभ शुक्रवार को होगा। भारत भवन में आयोजित यह कार्यक्रम 7 जून तक चलेगा। समारोह के पहले दिन शाम 7 बजे प्रसिद्ध कथक कलाकार करण गंगानी एवं उनके साथी कलाकारों द्वारा ‘वन्दे कृष्ण जगत्गुरु’ की प्रस्तुति दी जाएगी। इसके बाद सायं 7:40 बजे श्वेता देवेन्द्र और उनके साथी कलाकार भरतनाट्यम शैली में ‘माधव दर्शनम्’ की मनोहारी प्रस्तुति देंगे। दोनों प्रस्तुतियों में श्रीकृष्ण के विविध रूपों, भावों और आध्यात्मिक आयामों की कलात्मक अभिव्यक्ति देखने को मिलेगी।

भोपाल में पहली बार ‘मेट्रो मूव्स’ का आयोजन 7 को

भोपाल। इस रविवार 7 जून, शाम 6.30 बजे भोपाल में पहली बार एक अनोखा अनुभवात्मक कार्यक्रम ‘मेट्रो मूव्स’ आयोजित किया जा रहा है। इस विशेष आयोजन में प्रतिभागियों को मेट्रो के सफर के साथ संगीत, डांस, मनोरंजन और नए लोगों से जुड़ने का अवसर मिलेगा। कार्यक्रम में 60 से अधिक चयनित प्रतिभागी शामिल होंगे। आयोजन को सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर्स, प्रोफेशनल फोटोग्राफी और वीडियोग्राफी के माध्यम से व्यापक प्रचार-प्रसार मिलेगा। जरा हटके इवेंट्स एवं बॉस लेडी भोपाल द्वारा आयोजित यह कार्यक्रम मध्यप्रदेश में अपनी तरह का पहला मेट्रो-आधारित सामाजिक और मनोरंजक आयोजन माना जा रहा है।

22वां स्मरण हबीब रंग आलाप नाट्य महोत्सव रवींद्र भवन में 8 से

भोपाल। रवींद्र भवन में 22वां स्मरण हबीब रंग आलाप नाट्य महोत्सव का आयोजन 8 से 12 जून तक, शाम 7 बजे से किया जा रहा है, जिसमें पांच दिनों, पांच धमाकेदार नाटकों का मंचन किया जाएगा। इसके अंतर्गत 8 जून को जिन लाहौर नई वेखो को जय्याई नई का मंचन होगा, नाटक में निर्देशन हबीब तनवीर का और प्रस्तुति नया थियेटर के कलाकार देंगे। 9 जून को गुडिया की शादी का मंचन होगा जिसमें निर्देशन संजय श्रीवास्तव का है। 10 जून को नाटक अगारवती का, 11 जून को नाटक चेकमेट का मंचन एवं 12 जून को नाटक चरणदास चोर का मंचन किया जाएगा, जिसमें प्रस्तुति नया थियेटर के कलाकारों की होगी।

‘यादे बशीर बद’ में उमड़ा साहित्य प्रेमियों का सैलाब...

ये एक पेड़ है...आ इससे मिलके रो लें हम, यहां से तिरे-मिरे रास्ते बदलते हैं...

हरिभूमि न्यूज ►► भोपाल

ये एक पेड़ है आ इससे मिलके रो लें हम, यहां से तिरे-मिरे रास्ते बदलते हैं..... बशीर बद की इन पंक्तियों ने मुझे इतना मोहित किया कि मैंने उनके और अशआर खोजने शुरू कर दिए। मेरी बहन उनकी बेटी की सहेली थीं, अतः मैंने उनके उपलब्ध ग़ज़ल-संग्रह को एक रात के लिए उधार लिया और पूरी रात जागकर उसे अपनी डायरी में उतार लिया.... बशीर बद से अपनी पहली मुलाकात का जिक्र करते हुए यह शब्द कहे प्रख्यात फिल्म निर्माता-निर्देशक एवं संगीतकार विशाल भारद्वाज का, जो गुरुवार को उर्दू अकादमी द्वारा रवीन्द्र भवन में आयोजित ‘यादे बशीर बद’ में मुख्य अतिथि के रूप में बोल रहे थे।



डॉ. बशीर बद की याद में एक कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें प्रख्यात फिल्म निर्माता-निर्देशक विशाल भारद्वाज, सिंगर रेखा भारद्वाज एवं कई मशहूर शायरों ने डॉ. बशीर बद से जुड़े अपने किस्से साझा किए।



मुशायरे में पढ़े गए कुछ अशआर....

दूसरे सत्र में आयोजित अखिल भारतीय मुशायरे की अध्यक्षता प्रो. वसीम बरेलवी ने की। मुशायरे में पढ़े गए कुछ अशआर....

ये नाक़दी हमारी इसलिए है
तिरा होने में जल्दी कर गए हम।
नदीम शाद (देवबंद)

जो देखना हो मुझे तो जरा ठहर जाना
मैं मंज़रों के बहुत बाद का नज़ारा हूं
गौतम राजऋषि (मेरठ)

हम अपने दिल की दुनिया में हैं, लेकिन
यहां भी जी नहीं लगता हमारा
पूजा भाटिया (मुंबई)

सूरत ए हाल तो नहीं बदली,
हाल बदला, बदल गई सूरत
हिना अब्बास (अलीगढ़)

हमारी याद में जन्मदा है वो शायर
को कहता है
न जाने किस गली में ज़िंदगी की
शाम हो जाए
शाहनवाज अंसारी (इंदौर)

बशीर बद हैं शायर, वो कोई आम नहीं,
निगाह-ए-नाज़ से उनको निहारते
ज्योति आज़ाद खत्री (ग्वालियर)

इसी खिलहान में मैंने मेरा बचपन
गुज़ारा है
दरगा बन भी जाऊं तो किसानी याद
आएगी
चित्रांश खरे (भोपाल)

रहो उम्र भर मेरे साथ-साथ, मुझे तुमसे कोई गिला नहीं
मगर आफ़तों, ये बता तो दो, मेरे घर का किसने पता दिया
फ़रहान मंज़र (कोरवाई)

वैसे ही सारे शहर में वो खुश लिबास थी
ऊपर से उसने रंग भी गहरा पहन लिया
नौमान गाज़ी (भोपाल)

अजीब ढंग से मुझ को मिली है आजादी
परिदा पिंजरे में पिंजरा हवा में रक्खा गया
सलमान सईद (दिल्ली)

बड़ी संख्या में मौजूद रहे साहित्य प्रेमी साहित्यकार घनश्याम ‘उदन्त मार्तण्ड लोकसंवाद सम्मान’ से सम्मानित



हरिभूमि न्यूज ►► भोपाल

सामाजिक साहित्यिक आध्यात्मिक संस्था -दृष्टि गुना द्वारा एक गरिमापूर्ण आयोजन में भोपाल के साहित्यकार एवं सांस्कृतिक पत्रकार घनश्याम मैथिल अमृत, भोपाल को हिंदी पत्रकारिता साहित्य एवं सेवा के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान हेतु ‘उदन्त मार्तण्ड लोक समान सम्मान -2026’ से सम्मानित किया गया। इस सम्मान के अंतर्गत अतिथियों डॉ. विकास दवे निदेशक साहित्य अकादमी मप्र, डॉ. श्रीराम परिहार वरिष्ठ साहित्यकार पूर्व निदेशक निराला सृजन पीठ, सहित बड़ी संख्या में साहित्य प्रेमी मौजूद रहे।

योगदान हेतु ‘उदन्त मार्तण्ड लोक समान सम्मान -2026’ से सम्मानित किया गया। इस सम्मान के अंतर्गत अतिथियों डॉ. विकास दवे निदेशक साहित्य अकादमी मप्र, डॉ. श्रीराम परिहार वरिष्ठ साहित्यकार पूर्व निदेशक निराला सृजन पीठ, सहित बड़ी संख्या में साहित्य प्रेमी मौजूद रहे।

आरएनटीयू और एसजीएसयू के संयुक्त तत्वावधान में आज प्लेसमेंट डे मनाया जाएगा

भोपाल। आईसेक्ट ग्रुप ऑफ यूनिवर्सिटीज के प्रमुख दो विश्वविद्यालय रवीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय (आरएनटीयू) और स्कोप ग्लोबल स्किल्स विश्वविद्यालय (एसजीएसयू) द्वारा 5 जून को रैंडिसन होटल, गुलमोहर में भव्य प्लेसमेंट डे का आयोजन किया जा रहा है। इस अवसर पर दोनों विश्वविद्यालयों के उन 650 से अधिक विद्यार्थियों को ऑफर लेटर और सर्टिफिकेट दिये जाएंगे, जिनका चयन देश की अलग अलग प्रतिष्ठित कंपनियों में हुआ है। इस वर्ष दोनों विश्वविद्यालयों में 130 से अधिक कंपनियों ने भर्ती प्रक्रिया में भाग लिया, जिसके बाद 650 से अधिक विद्यार्थियों का चयन अलग अलग क्षेत्रों की कंपनियों में हुआ। इस कार्यक्रम में संतोष चौबे, चांसलर, आरएनटीयू, डॉ. सिद्धार्थ चतुर्वेदी, चांसलर, एसजीएसयू, डॉ. अदिति चतुर्वेदी वत्स, प्रो-चांसलर, आरएनटीयू, डॉ. रवि प्रकाश दुबे, वाइस-चांसलर, आरएनटीयू, डॉ. विजय सिंह वाइस चांसलर, एसजीएसयू, डॉ. संगीता जौहरी, रजिस्ट्रार, आरएनटीयू, डॉ. सोमेश कुमार सिन्हा, रजिस्ट्रार, एसजीएसयू, सहित दोनों विश्वविद्यालयों के सहयोगी फैकल्टी सदस्य उपस्थित रहेंगे।

पीएसएससीआईवीई में दस दिवसीय कार्यशाला का आयोजन टाई एंड डाई के साथ पारंपरिक ब्लॉक प्रिंटिंग तकनीकों का प्रशिक्षण दिया

हरिभूमि न्यूज ►► भोपाल

पंडित सुंदरलाल शर्मा केंद्रीय व्यावसायिक शिक्षा संस्थान (पीएसएससीआईवीई), में गुरुवार को करके सीखना कार्यशाला में विद्यार्थियों ने टाई एंड डाई, ब्लॉक प्रिंटिंग, फूड प्रोसेसिंग एवं फायरलेस कुकिंग जैसी व्यवहारिक गतिविधियों में भाग लिया। समर कैप का मागदर्शन डॉ. दीपक पालीवाल ने किया। गृह विज्ञान एवं आतिथ्य प्रबंधन विभाग में विद्यार्थियों को टाई एंड डाई और पारंपरिक ब्लॉक प्रिंटिंग तकनीकों का प्रशिक्षण दिया गया। वहीं फूड लैब में विद्यार्थियों ने स्वस्थ भोजन, सलाद निर्माण, कुकीज एवं केक बनाने की प्रक्रिया को समझा। फायरलेस कुकिंग गतिविधि में विद्यार्थियों ने भेल तैयार कर सुरक्षित एवं पौष्टिक भोजन बनाने का



व्यवहारिक अनुभव प्राप्त किया। समर कैप का उद्देश्य विद्यार्थियों को रचनात्मक एवं व्यावसायिक कौशलों से परिचित कराना है।

‘दिव्य फॉल हेरिटेज वॉक’ आज फेमिना मिस इंडिया वर्ल्ड निकिता बनेंगी शो स्टॉपर

हरिभूमि न्यूज ►► भोपाल

विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर सदर मंजिल में शुक्रवार, 5 जून को संस्कृति, विरासत और फैशन का अनूठा संगम देखने को मिलेगा। फैशन डिजाइनर अरुणा रावल द्वारा प्रस्तुत ‘दिव्य फॉल हेरिटेज वॉक’ में फेमिना मिस इंडिया वर्ल्ड निकिता पोरवाल सैलिब्रिटी गेस्ट एवं शोस्टॉपर के रूप में विशेष आकर्षण होंगी। फैशन शो से सांस्कृतिक धरोहर को आधुनिक फैशन की

भाषा में प्रस्तुत किया जाएगा। कार्यक्रम में पारंपरिक परिधानों के साथ मग्न की समृद्ध हस्तकरघा परंपरा भी प्रदर्शित होगी। शो के मंचर और विशिष्ट अतिथि हरिओम जटिया ने बताया कि शो में एक विशेष प्रस्तुति भी शामिल की गई है। कार्यक्रम के माध्यम से चंदेरी, महेश्वरी, बाग प्रिंट जैसी वस्त्र एवं हस्तशिल्प उत्पादों को राष्ट्रीय स्तर पर प्रोत्साहित करने का प्रयास किया जाएगा। शो शाम 7 बजे से शुरू होगा।



कचरा कैफे में पर्यावरण संरक्षण, प्लास्टिक मुक्त और जल संरक्षण पर चर्चा

विश्व पर्यावरण दिवस पर सस्टेनेबल लाइफस्टाइल का संदेश

हरिभूमि न्यूज ►► भोपाल

विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर 10 नंबर मार्केट स्थित कचरा कैफे में युवाओं और पर्यावरण विशेषज्ञों के साथ संवाद कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में पर्यावरण संरक्षण और दैनिक जीवन में सस्टेनेबल लाइफस्टाइल अपनाने पर जोर दिया गया। यूनिसेफ मध्य प्रदेश के कम्युनिकेशन स्पेशलिस्ट अनिल गुलाटी ने कहा कि पर्यावरण को बचाने के लिए हर व्यक्ति की छोटी-छोटी जिम्मेदारियां भी महत्वपूर्ण हैं। वहीं मनन सोशल वेलफेयर की सीईओ अंजीता सभलोक ने कहा कि सस्टेनेबल जीवनशैली अपनाकर हम पर्यावरण संरक्षण में बड़ा योगदान दे सकते हैं।

जलवायु परिवर्तन से निपटने में युवाओं की भूमिकाएं जोर

अदिति जी लाड़ा की जीवन बिजनेस की अपनी यात्रा



मधुनविक्षयां पारिस्थितिकी तंत्र के लिए बेहद जरूरी

जैव विविधता विशेषज्ञ आनंद पटेल ने मधुमक्खियों के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि वे खाद्य सुरक्षा और पारिस्थितिकी तंत्र के लिए बेहद जरूरी हैं। पर्यावरणविद विवेक सक्सेना और नीतू नायक ने जलवायु परिवर्तन से निपटने में युवाओं की भूमिका को महत्वपूर्ण बताया। छात्रा एवं युवा उद्यमी अदिति अब्राहम ने पर्यावरण-अनुकूल उत्पादों के जरिए ग्रीन बिजनेस की अपनी यात्रा साझा की।

खबर संक्षेप



श्रीलंका ने पहले वनडे में वेस्टइंडीज को हराया

किंग्स्टन (जमैका)। पथुम निसंका के 79 रन और कप्तान कुसल मोंडिस के 72 रन की मदद से श्रीलंका ने वेस्टइंडीज को पहले एक दिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच में 41 रन से हराया। निसंका और मोंडिस ने दूसरे विकेट के लिए 136 रन की साझेदारी की। उनके अलावा चरित असालंका ने 45 और जनिथ लियानागे ने नाबाद 44 रन का योगदान दिया जिससे श्रीलंका ने पहले बल्लेबाजी करने के लिए आमंत्रित किए जाने के बाद सात विकेट पर 303 रन बनाए। इसके जवाब में वेस्टइंडीज की टीम 49.2 ओवर में 262 रन पर आउट हो गई। उसकी तरफ से कप्तान शाई होप ने 66 गेंदों में 56 रन और सलामी बल्लेबाज जस्टिन ग्रीव्स ने 38 गेंदों में 45 रन बनाए, लेकिन यह लक्ष्य तक पहुंचने के लिए पर्याप्त नहीं थे।

फीफा मैत्री मैच में भारत को बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद हिंसोर (ताजिकिस्तान)। पिछले महीने यूनिटी कप में लगातार दो हार से हताश भारतीय फुटबॉल टीम आज शुक्रवार को यहां फीफा अंतरराष्ट्रीय मैत्री मैच में ताजिकिस्तान के खिलाफ बेहतर प्रदर्शन करने के इरादे से उतरेगी। भारत ने पिछले साल सीएएफए नेशंस कप में इसी विरोधी के खिलाफ जीत दर्ज की थी। भारत की हालांकि लंदन में यूनिटी कप के दौरान 27 और 30 मई को क्रमशः जमैका (0-2) और जिम्बाब्वे (0-1) के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा था। दूसरा मैच भी रविवार को यहीं खेला जाएगा। मैच



भारतीय समयानुसार रात 8:30 बजे शुरू होगा। एशियाई कप 2027 के लिए क्वालीफाई करने में नाकाम रहने के बाद से भारत की फीफा कप्तान लगातार गिर रही है जबकि इस टूर्नामेंट के लिए क्वालीफाई करने वाले ताजिकिस्तान की रैंकिंग में सुधार हुआ है। भारत की विश्व रैंकिंग 137 जबकि ताजिकिस्तान की 103 है। ताजिकिस्तान मैसेडोनिया के नए कोच इगोर एंजेलोव्स्की के मार्गदर्शन में अपना पहला मैच खेलेगा।

शैली सिंह और देव नीणा एथलेटिक्स टीम में नई दिल्ली। पोल वॉल्ट के प्रतिभावान खिलाड़ियों देव कुमार नीणा और कुलदीप कुमार के अलावा लंबी कूद की खिलाड़ी शैली सिंह और भाला फेंक खिलाड़ी शिवम लोखारे को नौ से 12 जुलाई तक चीन के आरडोस में होने वाले पहली एशियाई अंडर-23 एथलेटिक्स

चैंपियनशिप के लिए भारत की 54 सदस्यीय टीम में शामिल किया गया। देव और कुलदीप ने पोल वॉल्ट में नया राष्ट्रीय रिकॉर्ड (5.45 मीटर) बनाया है जबकि शिवम ने पिछले महीने रांची में फेडरेशन कप में 81.71 मीटर के प्रयास से भाला फेंक में स्वर्ण पदक जीता। शैली ने कीनिया के नेरोबी में विश्व अंडर-20 एथलेटिक्स चैंपियनशिप 2021 में रजत पदक जीता था।

हॉकी महिला नेशंस कप लालथंटलुआंगी और डबास को टीम में जगह

नई दिल्ली। युवा डिफेंडर लालथंटलुआंगी और शिल्पी डबास को न्यूजीलैंड के ऑकलैंड में 15 से 21 जून तक होने वाले एफआईएच हॉकी महिला नेशंस कप के लिए भारतीय टीम में शामिल किया गया है। भारत को टूर्नामेंट में जापान, अमेरिका और उरुग्वे के साथ पूल ए में रखा गया है जबकि पूल बी में मेजबान न्यूजीलैंड, चिली, कोरिया और फ्रांस शामिल हैं। भारत 15 जून को अमेरिका के खिलाफ अपने अभियान की शुरुआत करेगा, जिसके एक दिन बाद उसका सामना जापान से होगा। पूल चरण के अंतिम मैच में उसका मुकाबला 18 जून को उरुग्वे से होगा।

अफगानिस्तान के खिलाफ टेस्ट में राहुल, गिल, यादव बना सकते हैं खास रिकॉर्ड्स

एजेसी ►► नई दिल्ली

भारतीय क्रिकेट टीम को अफगानिस्तान क्रिकेट टीम के खिलाफ 6 जून से एकमात्र टेस्ट खेलना है। यह मैच मुल्लांपुर के महाराजा यादवेन्द्र सिंह अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में खेला जाएगा। ये दोनों टीमों 2018 में एक टेस्ट में आपस में भिड़ी थी, जिसे भारतीय टीम ने जीता था। ऐसे में अब भारत और अफगानिस्तान के बीच सिर्फ दूसरा ही टेस्ट होने जा रहा है। इस मैच में भारतीय खिलाड़ी कुछ रिकॉर्ड्स बना सकते हैं, उन पर एक नजर डालते हैं।



केएल राहुल बना सकते हैं 9,000 रन का रिकॉर्ड

केएल राहुल ने अपने प्रथम श्रेणी क्रिकेट करियर में अब तक 120 मैच खेले हैं, जिसमें 45.21 की औसत के साथ 8,997 रन बनाए हैं। इस बीच उन्होंने 25 शतक और 42 अर्धशतक लगाए हैं। इस प्रारूप में उनका सर्वोच्च स्कोर 337 रन रहा है। वह 3 रन और बनाते ही अपने 9,000 प्रथम श्रेणी रन पूरे कर लेंगे। अपने टेस्ट करियर में राहुल ने लगभग 36 की औसत से 4,053 रन बनाए हैं।



टेस्ट क्रिकेट में 3,000 रन पूरे कर सकते हैं गिल

भारतीय टीम के कप्तान शुभमन गिल का टेस्ट करियर शानदार चल रहा है। उन्होंने अब तक 73 पारियों में 43.07 की औसत के साथ 2,843 रन बनाए हैं। इस बीच उन्होंने 10 शतक और 8 अर्धशतक लगाए हैं। वह 157 रन और बनाते ही अपने 3,000 रन का आंकड़ा पूरा कर सकते हैं। इस आंकड़े को छूने के लिए उन्हें बड़े शतक की दरकार होगी। वह अपने करियर में पहले भी लंबी पारियां खेल चुके हैं।

यशस्वी बना सकते हैं ये रिकॉर्ड्स

भारतीय टीम के सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट (सभी प्रारूपों को मिलाकर) में एशिया में 1,954 रन बनाए हैं। वह एशिया में अपने 2,000 अंतरराष्ट्रीय रन पूरे कर सकते हैं। अपने प्रथम श्रेणी करियर में जायसवाल ने 55.30 की औसत के साथ 4,867 रन बनाए हैं। इस बीच उन्होंने 17 शतक और 18 अर्धशतक लगाए हैं। वह अपने प्रथम श्रेणी करियर में 5,000 रन पूरे कर सकते हैं।

कुलदीप की नजर 250 अंतरराष्ट्रीय विकेट पर

अगर कुलदीप यादव को एकमात्र टेस्ट में मौका मिलता है, तो उनके पास एशिया में 250 अंतरराष्ट्रीय विकेट पूरे करने का मौका होगा। इस चाहनामैन गेंदबाज ने एशिया में अब तक 126 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले हैं और इसकी 138 पारियों में 24.01 की औसत के साथ 246 विकेट लिए हैं। इस बीच उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 25 रन देते हुए 5 विकेट लेना रहा है। वह 5 पारियों में 5 विकेट हॉल भी ले चुके हैं।

टीम में जगह मिलना भी मुश्किल

भारत-अफगानिस्तान वनडे सीरीज 13 जून से

विराट कोहली नहीं खेलेंगे वनडे सीरीज, ऋतुराज को मिला मौका

एजेसी ►► नई दिल्ली

भारतीय क्रिकेट टीम को 13 जून से अफगानिस्तान क्रिकेट टीम से वनडे सीरीज खेलनी है। तीन मैचों की इस सीरीज से विराट कोहली चोट के चलते बाहर हो चुके हैं। इस बीच खबर है कि कोहली की जगह पर रतुराज गायकवाड़ को टीम में शामिल किया जा सकता है। वहीं, रजत पाटीदार को इंडिया-ए की टीम में जगह मिल सकती है।

आईपीएल फाइनल के दौरान चोटिल हुए कोहली

कोहली को यह चोट आईपीएल 2026 के फाइनल के दौरान लगी थी। उन्होंने गुजरात टाइटंस के खिलाफ नाबाद 75 रन की मैच जिताऊ पारी खेली थी। रिपोर्ट के मुताबिक, कोहली को कम से कम 2 हफ्ते आराम करने की सलाह दी गई है। वह 20 जून को होने वाले आखिरी वनडे तक फिट हो सकते हैं, लेकिन इसके बावजूद उन्हें इस सीरीज से आराम दिया गया है। इसकी औपचारिक घोषणा जल्द होने की उम्मीद है।



गायकवाड़ ने अब तक खेले हैं 9 वनडे मैच

गायकवाड़ ने 2022 में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ मैच से अपने वनडे करियर का आगाज किया था। उन्होंने अब तक 9 वनडे की 8 पारियों में 28.50 की औसत के साथ 228 रन बनाए हैं। वह 1 शतक से पहले 1 अर्धशतक भी लगा चुके हैं। बता दें कि उन्होंने अपना शतक दक्षिण अफ्रीका के विरुद्ध (123*) और इकलौता अर्धशतक ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ (79 रन) बनाया था। गायकवाड़ भारत की ओर से 23 टी-20 अंतरराष्ट्रीय मैच भी खेल चुके हैं।

क्या रोहित होंगे

रोहित शर्मा भी चोट के कारण अफगानिस्तान के खिलाफ होने वाली वनडे सीरीज से बाहर होने सकते हैं। अगर ऐसा होता है तो यशस्वी जायसवाल को टीम में मौका मिल सकता है।

अंडर-18 एशिया कप
 पुरुषों में भारत-पाकिस्तान और महिलाओं में चीन से मुकाबला आज



एजेसी ►► काकागिगाहारा

भारतीय पुरुष हॉकी टीम शुक्रवार को यहां अंडर-18 एशिया कप के सेमीफाइनल में पाकिस्तान के खिलाफ अपनी कमियों से उबरकर जीत दर्ज करने की कोशिश करेगी जबकि महिला टीम चीन के खिलाफ अपने शानदार प्रदर्शन को जारी रखने के लक्ष्य के साथ उतरेगी। भारतीय अंडर-18 पुरुष हॉकी टीम पूल ए में तीन जीत और एक हार के साथ दूसरे स्थान पर रही। भारत ने अब तक अपने अभियान में 32 गोल किए और सिर्फ छह गोल खाए। पुरुष टीम ने टूर्नामेंट की शुरुआत कजाखस्तान के खिलाफ 13-0 की शानदार जीत के साथ की जिसके बाद उसे मेजबान जापान के हाथों 2-4 से हार का सामना करना पड़ा।

भारतीय टीम ने जोरदार वापसी की

भारतीय टीम ने कोरिया पर 4-1 की जीत के साथ जोरदार वापसी की और उसके बाद चीनी ताइपे के खिलाफ 13-1 की बड़ी जीत दर्ज करके सेमीफाइनल में जगह पक्की कर ली। कप्तान केंतन कुशवहा सात गोल के साथ भारत के लिए सबसे अधिक गोल करने वाले खिलाड़ी हैं। आशीष टानी पति ने छह गोल किए हैं। गंजी खान और शाहरुख अली ने तीन-तीन गोल दागे हैं। पाकिस्तान ने अपने तीन मैच में दो जीत और एक हार के साथ पूल बी में शीर्ष स्थान हासिल किया।

भारतीय महिला टीम का चल रहा बेहतरीन प्रदर्शन

इस बीच भारतीय महिला टीम टूर्नामेंट में सबसे बेहतरीन प्रदर्शन करने वाली टीमों में से एक रही है। उन्होंने अपने तीनों मैच जीतकर पूल ए में शीर्ष स्थान हासिल किया जिसमें उन्होंने 30 गोल किए और सिर्फ दो गोल खाए। भारत ने अपने अभियान की शुरुआत मलेशिया पर 2-1 की कड़े मुकाबले वाली जीत के साथ की जिसके बाद उसने कोरिया के खिलाफ 3-1 से जीत दर्ज की। इसके बाद उन्होंने अपने अंतिम पूल मैच में शानदार प्रदर्शन करते हुए सिंगापुर को 25-0 से रौंदकर अंक तालिका में शीर्ष स्थान पक्का किया।

सिंधू इंडोनेशिया ओपन से बाहर
 हरिहरन और अर्जुन की जोड़ी क्वार्टर फाइनल में

जकार्ता। दो बार की ओलिंपिक पदक विजेता पीवी सिंधु को लगातार दूसरे सप्ताह विश्व की नंबर एक खिलाड़ी आन से यंग से हार का सामना करना पड़ा जिससे वह गुरुवार को यहां इंडोनेशिया ओपन बैडमिंटन टूर्नामेंट से बाहर हो गईं। सिंधू पिछले सप्ताह सिंगापुर ओपन के क्वार्टर फाइनल में भी दक्षिण कोरियाई खिलाड़ी से हार गई थीं। सिंधू ने इंडोनेशिया ओपन के राउंड ऑफ 16 के मुकाबले में टुकड़ों में अच्छा प्रदर्शन किया और आखिर में 17-21, 14-21 से हार गईं। इस हार से सिंधु की ओलिंपिक चैंपियन के खिलाफ हार का सिलसिला 10 मैच तक बढ़ गया। भारतीय खिलाड़ी अभी तक आन के खिलाफ एक भी जीत दर्ज नहीं कर पाई है।



मलेशिया की जोड़ी को भारतीयों ने हराया

इस बीच हरिहरन अस्साकरुणन और वसुआ अर्जुन की पुरुष युगल जोड़ी ने आरोन ताइ और केंग खाई शिंग की मलेशिया की बेहतर रैंकिंग वाली जोड़ी को हराकर उल्टफेर करते हुए पहली बार किसी बीडब्ल्यूएफ विश्व टूर सुपर 1000 टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई। हरिहरन और अर्जुन ने राउंड ऑफ 16 मैच में पहला गेम गंवाने के बाद 16-21, 21-15, 21-19 से जीत दर्ज की। हरिहरन और अर्जुन की जोड़ी ने पहला गेम गंवाने के बाद दूसरे गेम में जोरदार वापसी की और मैच को निर्णायक गेम में खींचा।

आईपीएल-2026 में रबाडा ने किए 177 डॉट बॉल

सबसे ज्यादा डॉट गेंदें फेंकने वालों में टॉप पर रहे रबाडा

एजेसी ►► नई दिल्ली।

इंडियन प्रीमियर लीग 2026 का समापन हो गया है। इस संस्करण में बल्लेबाजों का बोलबाला नजर आया और उन्होंने कुल 27,450 रन बना दिए। यह एक संस्करण में बने सर्वाधिक रनों का नया रिकॉर्ड है। हालांकि, इसके बाद भी कई गेंदबाज पूरी लय के साथ बल्लेबाजी कर रहे खिलाड़ियों के सामने भी बड़ी संख्या में डॉट गेंद फेंकने में सफल रहे हैं। ऐसे में आईए जानते हैं आईपीएल 2026 में कितने गेंदबाजों ने सबसे ज्यादा डॉट गेंदें फेंकी हैं।

रबाडा : 177 गेंदें

आईपीएल 2026 में सबसे ज्यादा डॉट गेंदें फेंकने का रिकॉर्ड गुजरात टाइटंस के तेज गेंदबाज और पर्पल कैप पर कब्जा जमाने वाले कगिसो रबाडा के नाम रहा है। वह इस संस्करण 17 मैचों में 21.58 की औसत और 9.68 की इकॉनमी रेट से सर्वाधिक 29 विकेट लेने में सफल रहे हैं। इस दौरान उन्होंने कुल 177 गेंदें डॉट फेंकी थीं। हालांकि, इस दौरान उन्होंने 40 छक्के और 60 चौके खाते हुए सर्वाधिक 626 रन भी लुटाए।



एजेसी ►► नई दिल्ली

गत विश्व चैंपियन जैस्मिन लंबोरिया नवीनतम विश्व मुक्केबाजी रैंकिंग में महिला 57 किग्रा वर्ग में शीर्ष पर हैं जबकि एशियाई चैंपियनशिप के स्वर्ण पदक विजेता प्रिया घघास (60 किग्रा) और विश्वनाथ सुरेश (50 किग्रा) अपने-अपने वर्ग में शीर्ष तीन में शामिल हैं। भारतीय मुक्केबाजों ने महिलाओं के 10 में से नौ वजन वर्ग में शीर्ष 10 में जगह बनाई है जबकि पुरुषों के 10 में से आठ वजन वर्ग में यह उपलब्धि हासिल की है।



मीनाक्षी 48 किग्रा वर्ग में नंबर एक

महिला वर्ग में मीनाक्षी 48 किग्रा वर्ग में दुनिया की नंबर एक मुक्केबाज बनीं हुई हैं जबकि प्रति पवार 54 किग्रा वर्ग में पांच स्थान के फायदे से तीसरे पायदान पर हैं। इस साल एशियाई चैंपियनशिप में रजत पदक जीतने वाली जैस्मिन एक स्थान के फायदे से दुनिया की नंबर एक

मुक्केबाज बन गईं। विश्व कप की पदक विजेता अरुंधति चौधरी (70 किग्रा), पूजा रानी (80 किग्रा) और नुपुर (80 किग्रा से अधिक) अपने-अपने वजन वर्ग में दूसरे स्थान पर काबिज हैं।

अन्य खिलाड़ियों की ऐसी है रैंकिंग

इस साल राइटमंडल खेलों और एशियाई खेलों के लिए क्वालीफाई करने में नाकाम रही दो बार की विश्व चैंपियन निकहत जरीन (51 किग्रा) सातवें स्थान के नुकसान से चौथे स्थान पर हैं। ओलिंपिक पदक विजेता लवलर्न बोरगोहेन (75 किग्रा) सातवें स्थान पर बरकरार हैं। पुरुष वर्ग में सचिन सिवाव (60 किग्रा) और एशियाई खेलों के पदक विजेता नरेंद्र बेरवाल (90 किग्रा से अधिक) शीर्ष पांच मुक्केबाजों में शामिल हैं।

मोहम्मद सिराज : 172 डॉट बॉल

सूची में जीटी के ही तेज गेंदबाज और पर्पल कैप की दौड़ में 7वें नंबर पर रहे मोहम्मद सिराज संयुक्त रूप से पहले पायदान पर मौजूद हैं। उन्होंने इस संस्करण 17 मैचों में 29.57 की औसत और 9.06 की इकॉनमी से 19 विकेट अपने नाम किए। इस दौरान उन्होंने भी कुल 172 गेंदें डॉट फेंकी थीं।

जोफ्रा आर्चर : 158

सूची में राजस्थान रॉयल्स के तेज गेंदबाज और पर्पल कैप की दौड़ में तीसरे नंबर पर रहे जोफ्रा आर्चर दूसरे पायदान पर मौजूद हैं। वह इस संस्करण 16 मैचों में 23.36 की औसत और 9.31 की इकॉनमी रेट से 25 विकेट लेने में सफल रहे। इस दौरान उन्होंने भी कुल 158 गेंदें डॉट फेंकी थीं।

भुवनेश्वर कुमार : 152

सूची में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के तेज गेंदबाज और पर्पल कैप की दौड़ में दूसरे नंबर पर रहे भुवनेश्वर कुमार तीसरे पायदान पर मौजूद हैं। वह इस संस्करण 16 मैचों में 17.89 की औसत और 7.95 की इकॉनमी रेट से 28 विकेट लेने में सफल रहे। इस दौरान उन्होंने कुल 152 गेंदें डॉट फेंकी थीं।

